Page 11

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

Page 09

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

मूल्य ₹ 2.00

शुक्ल पक्ष, उत्तर भाद्रपद, विक्रम संवत् 2082 • औरंगाबाद • रविवार • 30 नवम्बर 2025 • वर्ष 27 • अंक 350 • पृष्ठ 12

खेल

रोहित शर्मा के पास गोल्ड चांस, वनडे फॉर्मेट में सिक्सर किंग बनने से चंद कदम दूर

देश

राहुल गांधी के खिलाफ सावरकर केस में चलाई गई सीडी निकली खाली

अटूट विश्वास के 27 वर्ष सच्चाई की अडिग यात्रा

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,19,000	₹ 1,85,000

आज का इतिहास

2008 : भारत के गृह मंत्री शिवराज पाटिल ने मुंबई हमलों के लिए 'नैतिक जिम्मेदारी' लेते हुए अपना इस्तीफा सौंप दिया है।

2010 : भारतीय वैज्ञानिक और स्वदेशी आंदोलन प्रणेता राजीव दीक्षित का निधन हुआ।

न्यूज बाइट्स

शीतकालीन सत्र में भी सुनाई देगी एसआईआर की गूंज

नईदिल्ली (ए.)। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष के मौजूदा तेवरों को देखते हुए संसद के शीतकालीन सत्र में भी इसके छाये रहने की संभावना है। इस सत्र में विपक्ष दिल्ली कार विस्फोट, राजधानी दिल्ली में प्रदूषण की समस्या और नये श्रम कानूनों जैसे मुद्दों को भी प्रमुखता से उठायेगा। विपक्ष और सरकार ने सोमवार से शुरू हो रहे संक्षिप्त सत्र के लिए कमर कस ली है और दोनों पक्ष अपनी-अपनी रणनीति बनाने में जुटे हैं। शीतकालीन सत्र एक दिसम्बर से 19 दिसम्बर तक चलेगा और इस दौरान केवल 15 बैठकें होंगी। विपक्ष सत्र को संक्षिप्त रखे जाने पर भी सरकार पर हमलावर है।

अक्तूबर में 668 अपराधियों को कोर्ट से हुई सजा

पटना (नि.सं.)। पटना पुलिस की ओर से गिरफ्तार 668 आरोपितों को अक्तूबर में कोर्ट से सजा सुनाई गई। 428 मामले में आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा ने बताया कि पटना पुलिस के प्रभावी निगरानी और कोर्ट के समन्वित प्रयासों से ऐसा संभव हो सका। पटना पुलिस अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। गिरफ्तारी के बाद वैज्ञानिक साक्ष्य और गवाहों की मदद से कोर्ट की ओर से अपराधियों को सजा भी दिलवाई जा रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस की यह कोशिश रहती है कि कोर्ट से अपराधियों को सजा मिले।

बिहार पर्यटन को राष्ट्रीय और वैश्विक ब्रांड बनाने की मंज़िल तय, रोजगार सृजन और होटल निर्माण पर विशेष ज़ोर

अगले सौ दिनों में पर्यटन विकास की कार्ययोजना करें तैयार : पर्यटन मंत्री

निज संवाददाता | पटना

पर्यटन मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अगले सौ दिनों के भीतर बिहार पर्यटन के समग्र विकास की कार्ययोजना तैयार की जाए और उसे धरातल पर उतारने के लिए ठोस कार्यों की शुरुआत की जाए। उन्होंने कहा कि बिहार की ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों को राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर एक मजबूत ब्रांड के रूप में स्थापित करना सरकार की प्राथमिकता है। मंत्री ने शनिवार को विभागीय सभागार में आयोजित पर्यटन योजनाओं और विभागीय कार्यों की पहली समीक्षा बैठक में स्पष्ट किया कि पर्यटन विकास को गति देने के लिए तेज़ और योजनाबद्ध कार्य आवश्यक है। उन्होंने विभाग में रिक्त पदों की समीक्षा कर शीघ्र राज्य सरकार को रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया, ताकि रोजगार सृजन में पर्यटन विभाग महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सके। बैठक में पर्यटन सचिव लोकेश कुमार सिंह ने पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से विभाग की संरचना, कार्यप्रणाली और संचालित परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। वहीं, पर्यटन निदेशक सह विशेष सचिव उदयन मिश्र ने बुद्ध सर्किट, इको सर्किट, सिख सर्किट, जैन सर्किट, रामायण सर्किट, सूफी सर्किट, शिव–शक्ति सर्किट और गांधी सर्किट सहित राज्य के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों की अद्यतन स्थिति प्रस्तुत की।

मंत्री ने कहा कि पर्यटकों की संख्या के मामले में बिहार फिलहाल देश में 10वें स्थान पर है, और लक्ष्य है कि अगले पाँच वर्षों में बिहार पर्यटन को देश के शीर्ष पाँच राज्यों की सूची में शामिल किया जाए। इसके लिए विभाग को रणनीतिक, समयबद्ध और लक्ष्य आधारित कार्यशैली अपनाने को कहा गया।

स्थानीय व्यवसायियों को पर्यटन से जोड़ने पर जोर

बैठक में मंत्री ने कहा कि पर्यटन से स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ मिलना चाहिए। स्थानीय व्यवसायियों, उद्यमियों और सेवा क्षेत्र से जुड़े लोगों को पर्यटन गतिविधियों से सीधे जोड़ने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि पर्यटन से स्थायी और अस्थायी दोनों प्रकार के रोजगार की बड़ी संभावनाएं पैदा होती हैं, इसलिए विभाग इस दिशा में निरंतर सक्रिय रहे।

मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने कहा कि बिहार सरकार अत्यंत संवेदनशीलता के साथ राज्य में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार पर कार्य कर रही है। पर्यटन के माध्यम से स्थायी और अस्थायी रोजगार सृजन की अपार संभावनाएं हैं और इसके लाभ स्थानीय व्यवसायियों व आम लोगों तक पहुंचाने के लिए योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में पांच सितारा होटलों के निर्माण के साथ-साथ बजट वर्ग के होटलों के निर्माण पर भी विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि आम पर्यटकों को प्रदेश के पर्यटन स्थलों पर घूमने और बुनियादी सुविधाएं प्राप्त करने में कोई कठिनाई न हो। पर्यटन मंत्री ने बताया कि वर्तमान में पर्यटकों की संख्या के मामले में बिहार देश में दसवें स्थान पर है, लेकिन आने वाले पांच वर्षों में विभाग की रणनीति इस तरह तैयार की जाएगी कि बिहार शीर्ष पांच राज्यों की श्रेणी में आए। मुख्यमंत्री द्वारा प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं, गयाजी, बोधगया और नालंदा–राजगीर के विकास से संबंधित परियोजनाओं तथा केंद्रीय बजट से जुड़ी योजनाओं की भी बैठक में समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक नंद किशोर, संयुक्त सचिव इंदु कुमारी, महाप्रबंधक चंदन चौहान, मुख्य अभियंता, उप निदेशक, सहायक निदेशक सहित विभाग के सभी पदाधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिहार में इंटर और मैट्रिक परीक्षा का शेड्यूल जारी

दो फरवरी से इंटर, 17 फरवरी से मैट्रिक की परीक्षा, तीन दिसंबर तक भरें फॉर्म

निज संवाददाता | पटना

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बीएसईबी) ने गुरुवार को वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं का पूरा कैलेंडर जारी कर दिया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोर्ड अध्यक्ष आनंद किशोर ने बताया कि इंटरमीडिएट की परीक्षा 2 फरवरी से 13 फरवरी 2026 तक और मैट्रिक की परीक्षा 17 फरवरी से 25 फरवरी 2026 तक आयोजित की जाएगी। राज्य के लगभग 25 लाख छात्र–छात्राएं इन परीक्षाओं में शामिल होंगे। परीक्षा संचालन को और अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए इस बार बोर्ड नई तकनीकों का सहारा ले रहा है। पहली बार एआई चैट बॉट और मोबाइल ऐप को परीक्षा प्रणाली में शामिल किया गया है। चैट बॉट के माध्यम से छात्रों को परीक्षा से संबंधित हर जानकारी तुरंत उपलब्ध होगी, जबकि एआई तकनीक का उपयोग कॉपी जांच में डुप्लीकेशन और अनियमितताओं का पता लगाने के लिए किया जाएगा।

बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि बिहार बोर्ड की कोशिश पिछले वर्षों की तरह इस बार भी देश में सबसे पहले परीक्षा परिणाम जारी करने की है। उन्होंने कहा कि सिर्फ मैट्रिक परीक्षा के लिए इस वर्ष 15 लाख 2 हजार 21 आवेदन मिले हैं, जबकि इंटर मिलाकर कुल पंजीकृत परीक्षार्थियों की संख्या लगभग 25 लाख तक पहुंच गई है। फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 3 दिसंबर निर्धारित की गई है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि इसके बाद कोई अतिरिक्त मौका नहीं दिया जाएगा, इसलिए जिन छात्रों ने अभी तक आवेदन नहीं किया है वे समय रहते अपना फॉर्म भर लें। यदि पिछले पांच वर्षों के परीक्षा पैटर्न पर नजर डालें तो हर वर्ष की तरह इस बार भी इंटर परीक्षा फरवरी के पहले सप्ताह में शुरू होगी, जबकि मैट्रिक परीक्षा फरवरी के मध्य से आयोजित होगी। परिणाम जारी करने की प्रक्रिया भी मार्च के अंतिम सप्ताह के आसपास निर्धारित किए जाने की संभावना है। बिहार बोर्ड के आधिकारिक कैलेंडर के जारी होते ही छात्रों और अभिभावकों के बीच तैयारी की हलचल तेज हो गई है और अब पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति व मॉडल पेपरों का अभ्यास भी शुरू हो चुका है।

संपूर्ण जनजागरूकता ही एड्स रोकथाम की कुंजी : मंगल पांडेय

निज संवाददाता | पटना

राज्य सरकार एड्स के प्रति जागरूकता और इसके प्रभावी प्रबंधन के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। यह बात स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कही। उन्होंने कहा कि एड्स की रोकथाम के लिए सटीक और सम्पूर्ण जनजागरूकता ही सबसे प्रभावी माध्यम है। इसके लिए सरकार समाज में सही जानकारी पहुंचाने और मिथकों को दूर करने के लिए लगातार काम कर रही है। मंत्री ने बताया कि इसी दिशा में विश्व एड्स दिवस (1 दिसंबर) के अवसर पर बिहार में रेड रिबन वॉक का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य आम लोगों को सुरक्षित व्यवहार के प्रति जागरूक करना, एड्स से जुड़े मिथकों को दूर करना और एचआईवी रोकथाम एवं उपचार संबंधी जानकारी को व्यापक रूप से फैलाना है।

855 अधिकारियों को मिला प्रमोशन

निज संवाददाता | पटना

नीतीश सरकार के एक ऐतिहासिक निर्णय के तहत बिहार सचिवालय सेवा के 855 अधिकारियों को प्रोन्नति दी गई है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से शनिवार को अधिसूचना जारी कर दी गई। यह तुरंत प्रभावी भी हो गया। अधिसूचना के अनुसार बिहार सचिवालय सेवा के 31 उप सचिवों को संयुक्त सचिव में, 79 अवर सचिवों को उपसचिव में, 226 प्रशाखा पदाधिकारियों को अवर सचिव में एवं 519 सहायक प्रशाखा पदाधिकारियों को प्रशाखा पदाधिकारी में प्रोन्नति दी गई है। सरकार ने यह निर्णय बिहार सचिवालय सेवा संघ की पहल पर किया है। संघ के प्रतिनिधिमंडल ने कई बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिल कर प्रोन्नति की मांग की थी। उन्होंने आश्वासन भी दिया था। संघ ने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव तथा सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव के प्रति आभार व्यक्त किया है।

संघ के अध्यक्ष आदर्श वैभव, महासचिव राणा रणजीत कुमार, वरुण पांडे, संजीव तिवारी ने कहा कि प्रोन्नति मिलने के बाद इस संवर्ग के अधिकारी पूरी निष्ठा एवं दुगुने जोश के सरकार की योजनाओं को पूरा करेंगे। संघ ने कहा कि पूर्व में बिहार सचिवालय सेवा में प्रोन्नति के अवसर सीमित थे। बिहार सचिवालय सेवा संघ की मांग पर मुख्यमंत्री द्वारा सकारात्मक निर्णय लेते हुए अक्टूबर 2025 में पदों की संख्या में वृद्धि की गई थी, जिसके फलस्वरुप आज बिहार सचिवालय सेवा के 855 पदाधिकारियों को प्रोन्नति दी गई है।

14 दिसंबर को वोट चोरी के खिलाफ दिल्ली में प्रदर्शन

एक दिसंबर को बिहार कांग्रेस कमेटी की बैठक, राजेश राम करेंगे अध्यक्षता

निज संवाददाता | पटना।

बिहार कांग्रेस कमेटी आगामी एक दिसंबर को कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में बड़ी बैठक आयोजित कर रही है। बैठक की अध्यक्षता बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम करेंगे। इस बैठक में प्रदेश के सभी जिलाध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष, फ्रंटल प्रमुख, मोर्चा और संगठन प्रमुख शामिल होंगे। यह बैठक राज्य कमेटी द्वारा विधानसभा चुनाव के बाद की पहली बड़ी बैठक होगी और इसमें आगामी रणनीति, कार्यक्रम और संगठनात्मक सुधार पर चर्चा की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस पार्टी इस बैठक में बिहार विधानसभा चुनाव में हुई हार का गहन विश्लेषण करेगी। पार्टी के नेताओं ने चुनावी हार के पीछे आंतरिक कलह, टिकट बंटवारे में देरी और महागठबंधन में सहयोग की कमी को बड़ी वजहें बताया। साथ ही एसआईआर के दुरुपयोग और राजद के सहयोग में उदासीनता को भी हार के प्रमुख कारणों में शामिल किया गया। बैठक में यह निर्णय लिया जाएगा कि पार्टी के भीतर गठबंधन के पैरवीकार और राजद के शुभचिंतक अब सीधे पार्टी के हित में काम करेंगे। इसके अलावा, हारे हुए प्रत्याशियों को भविष्य की पूंजी के रूप में इस्तेमाल करने की योजना बनाई जा रही है। इसमें सभी धर्म और जाति के प्रत्याशियों को जिम्मेदारी दी जाएगी और उन्हें संगठन के विभिन्न स्तरों पर आगे बढ़ाया जाएगा।

बैठक में 14 दिसंबर को राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली में वोट चोरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और रैली की तैयारियों पर भी चर्चा होगी। कांग्रेस पार्टी की आगामी योजनाओं और कार्यक्रमों के रोडमैप को अंतिम रूप दिया जाएगा।

परियोजनाओं को एनओसी देने में मनमानी पर लगेगी रोक

पटना (नि.सं.)। परियोजनाओं को अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) देने में मनमानी पर रोक लगेगी। जल संसाधन विभाग ने इसके लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। विभाग ने सभी एनओसी की जानकारी मुख्यालय को देने की योजना बनायी है। क्षेत्रीय अधिकारियों को एनओसी देने के साथ उसकी जानकारी मुख्यालय को भी देनी होगी। ऐसे में किसी परियोजना को अनापत्ति प्रमाण पत्र देकर मुख्य अभियंता-अधीक्षण अभियंता उसे भूल नहीं सकेंगे। विभाग ने इनके दफ्तरों से जारी एनओसी की जानकारी मांगी है। आगे भी उन्हें ऐसे सारे एनओसी की जानकारी देनी होगी। जब भी क्षेत्रीय दफ्तरों से किसी योजना के लिए एनओसी जारी होगी, उसकी जानकारी भी मुख्यालय को देनी होगी। विभाग का मानना है कि इससे न केवल परियोजनाओं की मॉनिटरिंग गंभीरता से हो सकेगी, बल्कि गड़बड़ियों पर भी नजर रखी जा सकेगी। यही नहीं एनओसी देने की प्रक्रिया की भी निगरानी की जा सकेगी। साथ ही हर एनओसी की जानकारी भी सरकार के पास उपलब्ध रहेगी।

महागठबंधन की बैठक में लगी मुहर, 18वीं विस में नेता प्रतिपक्ष होंगे तेजस्वी यादव

निज संवाददाता | पटना

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और महुआ विधानसभा सीट से विधायक तेजस्वी यादव 18वीं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष होंगे। उनका नाम विपक्षी दलों के बीच सर्वसम्मति से तय किया गया है। यह फैसला शनिवार को 1 पोलो रोड स्थित तेजस्वी यादव के आवास पर महागठबंधन के विधायकों की बैठक में लिया गया। बैठक में राजद, कांग्रेस और वाम दलों के सभी विधायक मौजूद रहे और एक स्वर में तेजस्वी यादव के नाम का समर्थन किया। उल्लेखनीय है कि 17वीं विधानसभा में भी तेजस्वी यादव ही नेता प्रतिपक्ष रह चुके हैं।

महागठबंधन की बैठक में शामिल होने के लिए तेजस्वी यादव शनिवार को दिल्ली से पटना लौटे। एयरपोर्ट पर पत्रकारों ने उनसे कई सवाल किए, लेकिन उन्होंने किसी भी सवाल का जवाब नहीं देते हुए सीधे बैठक के लिए रवाना हो गए। इस बार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन केवल 35 सीटों तक सिमट गया। इसमें राजद के 25 विधायक, कांग्रेस के 6 विधायक, वाम दलों के 3 विधायक और 1 आईआईपी का विधायक शामिल है।

कैबिनेट मंत्री के बराबर होता है पद

नेता प्रतिपक्ष को कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त होता है, जिससे उन्हें सरकारी बैठकों में शामिल होने और महत्वपूर्ण निर्णयों में भाग लेने का अधिकार होता है।नेता प्रतिपक्ष को विभिन्न सरकार के समितियों में प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलता है, जहां वे सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों की समीक्षा करते हैं और अपनी राय देते हैं। इसके अलावा नेता प्रतिपक्ष विपक्ष की आवाज होते हैं और सरकार के खिलाफ विपक्ष की रणनीति तैयार करते हैं। नेता प्रतिपक्ष को वह सारी सुविधाएं मिलती है जो किसी भी कैबिनेट मंत्री को मिलती है।

श्रीलंका में 123 लोगों को मारकर भारत की ओर बढ़ा चक्रवाती तूफान

नई दिल्ली (ए.)। दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी श्रीलंका के ऊपर चक्रवाती तूफान दित्वा की वजह से 29-30 नवंबर के दौरान तटीय तमिलनाडु में और 30 नवंबर को आंध्र प्रदेश, यनम, रायलसीमा में बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। दित्वा तूफान पिछले छह घंटे के दौरान उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ गया है और आज सुबह साढ़े आठ बजे यह श्रीलंका से लगभग 80 किलोमीटर पूर्व, चेन्नई से 380 किलोमीटर दक्षिण में केंद्रित था। यह 30 नवंबर की सुबह तक उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और आसपास के दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों के पास पहुंचने वाला है। इससे पहले, श्रीलंका में इस तूफान ने जमकर तबाही मचाई है, जिसमें 123 लोगों की जान चली गई।

बिहार के आठ जेलों में बड़ी छापेमारी

निज संवाददाता | पटना

सख्त नीति का संकेत

नए डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने पद संभालते ही जेल सुधार और नियंत्रण को प्राथमिकता देते हुए स्पष्ट किया था कि जेलों में सख्ती बढ़ेगी, मोबाइल और बाहर से भेजे जाने वाले भोजन की अनुमति पूरी तरह बंद की जाएगी।

बिहार में शुक्रवार तड़के जेल प्रशासन और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने एक बड़े समन्वित अभियान के तहत 8 जिलों की जेलों में एक साथ रेड की। पटना, पूर्णिया, बेगूसराय, मोतिहारी, मुंगेर, दरभंगा, मुजफ्फरपुर और गयाजी की केंद्रीय और जिला जेलों में सुबह-सुबह जिलों के DM और SP के नेतृत्व में भारी पुलिस बल ने प्रवेश कर हर हिस्से की सघन जांच की। छापेमारी के दौरान जेल के सभी वार्ड, बैरक, मुलाक़ात कक्ष, किचन और बाथरूम तक की तलाशी ली गई। कैदियों के निजी सामान की जाँच की गई, वहीं ड्यूटी स्टाफ से भी गहन पूछताछ की गई। पटना के बेऊर जेल में बाहुबली अनंत सिंह की सेल की भी सघन जांच की गई, जहां सुरक्षा अधिकारी मौजूद रहे। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जेलों में प्रतिबंधित गतिविधियों, अवैध वस्तुओं की खरीद-फरोख्त और मोबाइल जैसी सामग्री की पहुंच पर रोक लगाना बताया जा रहा है।

राज्य की 8 जेलों में एक साथ यह कार्रवाई जेल तंत्र को कठोर और पारदर्शी बनाने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है। पुलिस टीमों द्वारा जब्त सामग्री और पूछताछ से प्राप्त निष्कर्षों की रिपोर्ट जल्द उच्च अधिकारियों को सौंप दी जाएगी।

पिता की पुण्यतिथि पर पैतृक गांव पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

मां और पत्नी को किया याद, फरियादियों की समस्याएं भी सुनीं

निज संवाददाता | नालंदा

नालंदा में शुक्रवार को भावुक माहौल देखने को मिला जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पहली बार अपने पैतृक गांव कल्याण बीघा पहुंचे। यहां उन्होंने अपने दिवंगत पिता राम लखन प्रसाद सिंह की पुण्यतिथि पर स्मृति वाटिका में पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान वे कुछ क्षणों के लिए भावुक भी दिखे। मुख्यमंत्री ने माता स्वर्गीय परमेश्वरी देवी और धर्मपत्नी स्वर्गीय मंजू सिन्हा की प्रतिमा पर भी पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। मुख्यमंत्री के साथ उनके भाई सतीश कुमार और अवधेश कुमार, बेटे निशांत कुमार सहित पूरा परिवार उपस्थित रहा। मुख्यमंत्री के आगमन के मद्देनज़र सुरक्षा व्यवस्था गांव में सुबह से ही चाक-चौबंद रही। पूरे स्मृति वाटिका क्षेत्र को फूलों और आकर्षक सजावट से अलंकृत किया गया था। स्थानीय लोग व ग्रामीण बड़ी संख्या में अपने नेता के स्वागत के लिए जुटे रहे और मुख्यमंत्री ने भी हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। कार्यक्रम के दौरान कई लोग अपनी समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के पास पहुंचे, जिनकी समस्याओं को उन्होंने ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने की बात कही।

श्रद्धांजलि समारोह के बाद मुख्यमंत्री कुछ देर के लिए अपने पैतृक आवास भी गए, जहां करीब 20 मिनट तक परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताया। इसके बाद वे सड़क मार्ग से सीधे पटना के लिए रवाना हो गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जदयू नेताओं और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

संक्षिप्त समाचार

पीएचसी प्रभारी ने स्वास्थ्य कर्मियों के साथ किया बैठक

नारदीगंज(नवादा)। प्रखंड मुख्यालय में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को एएनएम की बैठक हुई। अध्यक्षता प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा.नवीन कुमार ने की। मिशन परिवार विकास के तहत पुरुष नशबंदी पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा यह कार्यक्रम बीते 28 नवम्बर से शुरु हुआ है,जो 12 दिसम्बर तक चलेगा। आप सभी अपने पोषक क्षेत्र में लोगों को जागरुक करें, ताकि अधिक से अधिक पुरुष नशबंदी हो। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। मौके पर हेल्थ मैनेजर इरशाद अहमद,लेखापाल धीरज कुमार,एएनएम शोभा देश पांडेय, रीना कुमारी, कुमार ऋषभ,रवि रंजन कुमार ,लैब टेक्नीशियन जितेन्द्र कुमार, आशुतोष कुमार समेत अन्य रहे।

विद्यालय में शिक्षक -अविभावक गोष्ठी का हुआ आयोजन

नारदीगंज (नवादा)। प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय हंड़िया में शनिवार को शिक्षक अभिभावकों की बैठक हुई। अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक मनोज कुमार झा ने की। यह बैठक विभागीय अधिकारियों के आदेशानुसार की गई है। बैठक का मुख्य विषय रहा-"निपुण रहेगा,बिहार हमारा। हर बच्चा होगा,विद्यालय का हिस्सा"पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। कहा गया अभी ठंड का मौसम चल रहा है। इस मौसम में गर्म कपड़े पहनने की बात कही गई,और स्वेटर पहनकर विद्यालय आये । ताकि ठंड से बचाव हो सके। बच्चों को नियमित विद्यालय भेजे। यहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ संतुलित भोजन भी बच्चों को दिया जाता है। मौके पर अभिभावकों में अशोक मिश्र,शंभु कुमार,निशु कुमारी, रिंकी देवी समेत अन्य अभिभावक के अलावा शिक्षक अखिलेश किशोर,पूजा वर्मा,कुंदन कुमार व अन्य रहें। इसके अलावा अन्य विद्यालयों में भी शिक्षक अभिभावकों की बैठक हुई।

260 लीटर महुआ शराब के साथ बाइक जब्त, कारोबारी फरार

नवादा। जिले की अकबरपुर पुलिस का अवैध शराब निर्माताओं व बिक्रेताओं के विरुद्ध सतत छापामारी अभियान जारी है। इसी कड़ी के तहत पसिया कला तिमुहानी के पास मोटरसाइकिल से शराब लेकर आ रहे बाइक को शराब के साथ जब्त कर लिया। कारोबारी फरार होने में सफल रहा। इस बावत अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई आरंभ कर दी गयी है। थानाध्यक्ष रुपेश कुमार सिन्हा ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि पसिया कला जंगल की ओर से बाइक सवार शराब की खेप लेकर अकबरपुर की ओर जा रहा है। सूचना के आलोक में सअनि मो. असलम के नेतृत्व में घेराबंदी की गयी। तिमुहानी के पास बाईक लेकर आ रहे युवक पर नजर पड़ते ही पुलिस सतर्क हो गयी। लेकिन यह क्या शराब कारोबारी को पुलिस पर नजर पड़ते ही शराब समेत बाइक छोड़ फरार हो गया। तलाशी के क्रम में बोले से पाउच में रखे कुल 260 लीटर महुआ शराब समेत बाइक को जब्त कर थाना लाया। इस बात मो. असलम के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई आरंभ कर दी गयी है। बता दें इसके पूर्व 460 लीटर महुआ व करीब पांच लीटर अंग्रेजी शराब के साथ महिला सुषमा समेत तीन को गिरफ्तार कर दो मोटरसाइकिल जब्त किया गया था चुका है।

अनुमंडल स्तरीय अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण एवं मैन्युअल स्केवेंजर निगरानी समिति की बैठक संपन्न

नवादा। अनुमंडल पदाधिकारी, नवादा सदर अमित अनुराग की अध्यक्षता में अनुमंडल स्तरीय अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) तथा अनुश्रवण समिति एवं मैन्युअल स्केवेंजर रोजगार निषेध एवं पुनर्वास अधिनियम-2013 के अंतर्गत अनुमंडल स्तरीय निगरानी समिति की बैठक अनुमंडल कार्यालय प्रकोष्ठ में आहूत की गई। बैठक में संबंधित योजनाओं की प्रगति, लंबित मामलों की समीक्षा, लाभुकों तक योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन तथा अत्याचार निवारण से संबंधित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण पर विस्तृत चर्चा की गई। मैन्युअल स्केवेंजिंग से संबंधित मामलों में पुनर्वास, सर्वेक्षण तथा जागरूकता गतिविधियों को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए तथा पीड़ित व्यक्तियों को उपलब्ध सुविधाओं एवं सहायता का तत्काल लाभ दिया जाए। साथ ही, मैन्युअल स्केवेंजर उन्मूलन हेतु आवश्यक सभी कदम समयबद्ध रूप से उठाए जाने पर बल दिया। बैठक में संबंधित अधिकारी, कर्मी एवं समिति के सदस्यगण उपस्थित थे।

डॉ मुकेश को दूसरी बार प्रमाणपत्र देकर किया गया सम्मानित

पकरीबरावां। पकरीबरावां प्रखण्ड की उत्तरी ग्राम पंचायत पकरीबरावां के प्राथमिक विद्यालय सुदनपुर उर्दू के प्रधान शिक्षक डॉ. मुकेश कुमार सिन्हा को लीप फॉर वर्ड के फाउंडर और सीईओ प्रानील नाइक के हस्ताक्षर से जारी प्रमाणपत्र दिया गया। उन्हें यह प्रमाणपत्र दूसरी बार दिया गया है। उन्हें इंग्लिश लिटरेसी प्रोग्राम को अपने वर्गकक्ष में बच्चों को सिखाए जाने के कारण प्रमाणपत्र दिया गया। उनसे आशा की गई है कि भविष्य में भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बनकर इंडिया इंग्लिश लिटरेट में अपना योगदान देंगे। डॉ. मुकेश को प्रमाणपत्र मिलने पर विद्यालय के वरीय शिक्षक मो. अख्तर, विद्यालय शिक्षा समिति की सचिव रूही आफरीन, शिक्षक मो. सोहराब कुरैशी, रेखा कुमारी, फरहत जहां, अजय कुमार विश्वकर्मा, अभिजीत कुमार, शिक्षा सेवक नुरैसा खातून आदि ने खुशी व्यक्त करते हुए बधाई दी है। डॉ. मुकेश ने कहा कि लीप फॉर वर्ड द्वारा चलाए जा रहे इंग्लिश लिटरेसी प्रोग्राम शिक्षक एवं बच्चों दोनों के लिए काफी लाभप्रद है। इससे बच्चों को काफी लाभ मिल रहा है।

प्रखंड स्तरीय 20 सूत्री की बैठक में गहमागहमी, पूर्व के बैठक में प्रशासनिक उदासीनता से नाराज दिखे सदस्यगण

निज संवाददाता। रजौली

सभागार में बैठक के दौरान विधायक,बीडीओ,सीओ व अन्य

प्रखंड स्तरीय 20 सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति की दूसरी बैठक शनिवार को प्रखंड सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता 20 सूत्री समिति के अध्यक्ष संतोष कुमार वर्माभीद्वारा की गई। बैठक में उपाध्यक्ष कारू सिंह,सदस्य गौरव शाण्डिल्य उर्फ गगन,रजौली विधायक विमल राजवंशी,प्रखंड विकास पदाधिकारी संजीव कुमार झा एवं अंचलाधिकारी मो. गुफरान मजहरी सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक की शुरुआती में पिछले बैठक में लिए गए निर्णय का प्रोसिडिंग कॉपी सदस्यों को उपलब्ध नहीं करने को लेकर 20 सूत्री के अध्यक्ष और सदस्यों ने जमकर बीडीओ को खरी-खोटी सुनाया और बैठक के शुरुआती के आधे घंटे तक जमकर हंगामा हुआ।हंगामा के पीछे एक और मुख्य कारण लगभग 6 माह पूर्व 13 मई को की गई 20 सूत्री की पहली बैठक का प्रोसिडिंग मुख्यमंत्री सचिवालय समेत अन्य वरीय पदाधिकारियों को नहीं दिया जाना था,जिससे सदस्यों में रोष व्याप्त था।

बैठक में अनुपस्थित पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण की मांग : शनिवार को आयोजित बैठक में प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, प्रखंड उद्यान पदाधिकारी, सभी बैंकों के शाखा प्रबंधक, अनुमंडलीय चिकित्सा पदाधिकारी, बाल विकास पदाधिकारी, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी,वन पदाधिकारी, थानाध्यक्ष, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी एवं भ्रमणशील पशुपालन पदाधिकारी अनुपस्थित थे। 20 सूत्री के अध्यक्ष व सदस्यों ने बैठक से अनुपस्थित रहे पदाधिकारियों से निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्णय लिया गया है।

सरकार की योजनाएं धरातल पर लाना ही हमारा लक्ष्य :- 20 सूत्री अध्यक्ष संतोष कुमार वर्मा ने बताया कि विभिन्न योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से उपलब्ध कराने एवं जनहित से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करने तथा आगामी बैठक में अद्यतन स्थिति प्रस्तुत करने हेतु सभी विभागों को निर्देशित किया गया।साथ ही बैठक में सभी विभागीय पदाधिकारियों को राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सक्रिय रूप से कार्य करने तथा आम जनमानस तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने के निर्देश दिए गए।वहीं बैठक समाप्ति के उपरांत अध्यक्ष द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

पदाधिकारियों की शिकायत पर भड़के रजौली विधायकः- रजौली विधायक विमल राजवंशी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जबसे मुझे रजौली विधानसभा की एक-एक देवतुल्य जनता ने मुझे अपना प्रतिनिधि के रूप में चुना है।उनके बाद से मैं सदैव आम-जन से मिल रहा हूं।इस दौरान आप सभी विभिन्न विभाग के पदाधिकारियों की शिकायत मेरे समक्ष आई है,जिससे आम-जन को बहुत परेशानी हो रही है,जो कि सही नहीं है।विधायक ने सभी विभाग के संबंधित पदाधिकारी व बीडीओ से कहा कि रजौली विधानसभा के आमजन को आज के बात कोई परेशानी या शिकायत मेरे समक्ष आयेगा,तो इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।साथ ही कहा कि जिन भी पदाधिकारियों की लापरवाही रहेगी,उनके विरुद्ध नियमानुसार विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।इसलिए रजौली विधानसभा क्षेत्र में पदस्थापित पदाधिकारियों से अपील है कि वे अपने कार्यशैली में सुधार लाएं और जनता की परेशानियों को दूर करने में सहायता करें।

बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णय एवं निर्देश

- प्रखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में बाहरी व्यक्तियों की बसावट एवं योजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित मामलों की समीक्षा की जाएगी एवं आवश्यक प्रविष्टि हेतु संबंधित विभागों को प्रेषण किया जाएगा।
- नल–जल योजना के तहत लंबित मामलों का निराकरण शीघ्र किया जाए। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि लाभुकों को निर्धारित समयावधि के भीतर लक्ष्य पूरा करते हुए घरेलू जल पहुंच सुनिश्चित करें।
- प्रखंड के जंगली एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु, झारखंड की विद्युत लाइन पर निर्भरता समाप्त करते हुए बिहार राज्य विद्युत वितरण प्रणाली से जोड़ने पर कार्य तेज किया जाए।
- सवैयाटांड़ पंचायत में पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक तकनीकी एवं प्रशासनिक कार्यवाही करने का निर्देश पीएचईडी विभाग को दिया गया।
- जन्म एवं मृत्यु प्रमाणपत्र निर्गमन की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा अभिलेख की शुद्धता सुनिश्चित करने हेतु नगर पंचायत एवं पंचायत स्तर के पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।
- नगर पंचायत मुख्यालय में शौचालय निर्माण कार्य एवं अतिक्रमण निवारण से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई तथा गति प्रदान करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया।
- सुदूरवर्ती जंगली क्षेत्रों में बसे चोरडीहा,परतौनिया,जमुनदाहा आदि गांवों में बिजली,सड़क,पेयजल आदि आधारभूत कमियों को दूर करने को लेकर सदस्यों द्वारा बुलंद आवाज के साथ उठाया गया।
- पीडीएस गोदाम से डीलरों को दिया जाने वाला अनाज औसतन ना देकर वजन के साथ अनाज दें ताकि हर लाभुक को गुणवत्तापूर्ण अनाज मिल सके।

निर्माणाधीन पंचायत सरकार भवन का स्थलीय निरीक्षण

निज संवाददाता। नवादा

जिला पंचायती राज पदाधिकारी, नवादा नवीन कुमार पांडेय ने कार्यपालक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र नियंत्रण संगठन; प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, नवादा सदर; राजस्व अधिकारी, नवादा सदर; अंचल अमीन तथा ग्राम पंचायत ओरैना के मुखिया की उपस्थिति में ओरैना ग्राम पंचायत स्थित निर्माणाधीन पंचायत सरकार भवन का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान भवन निर्माण कार्य की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही सीएससी ब्लॉक एवं आवासीय परिसर हेतु निर्धारित भूमि का सीमांकन कराते हुए संबंधित स्थल का अवलोकन किया गया। जिला पंचायती राज पदाधिकारी ने मुखिया को निर्देश दिया कि सीमांकन पूर्ण होने के उपरांत निर्धारित मानकों एवं स्वीकृत योजना के अनुरूप अविलंब कार्य प्रारंभ कराया जाए, ताकि पंचायत सरकार भवन एवं सीएससी ब्लॉक का निर्माण समय पर पूरा हो सके।

नवादा के बाद अब रजौली में भी बुलडोजर चलाने की हो रही तैयारी

अतिक्रमणकारियों के खिलाफ उठाए जा रहे कदम, 56 लोगों को अतिक्रमण हटाने को दिया जा रहा नोटिस

निज संवाददाता। रजौली

अतिक्रमण के कारण बाजार में व्याप्त जाम

प्रखंड मुख्यालय में पुरानी बस स्टैंड से लेकर ब्लॉक तक एवं रजौली बाईपास से लेकर बिजली ऑफिस तक सड़क के दोनों ओर अतिक्रमणकारियों ने तांडव मचा रखा है।इसके कारण बेवजह लोगों को जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है।हालांकि अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध जिला मुख्यालय में बुलडोजर चलाकर चौक-चौराहे एवं बाजार क्षेत्र को अतिक्रमणमुक्त किया जा रहा है।रजौलीवासी के साथ-साथ आसपास के गांवों के लोग अतिक्रमण के कारण होने वाले जाम से अत्यधिक परेशान रह रहे हैं।ऐसे में कई इमरजेंसी सेवाएं जैसे एंबुलेंस,अग्निशमन,डायल 112 एवं पुलिस के अलावे कैश वैन आदि के आवागमन में काफी परेशानी हो रही है।इस दौरान नवादा मुख्यालय में अधिकारियों के नेतृत्व में बुलडोजर की मदद से अतिक्रमण हटाया जा रहा है।

नवादा के तर्ज पर रजौली के स्थानीय प्रशासन द्वारा भी रजौली क्षेत्र में व्याप्त अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध कार्रवाई शुरू की गई है।प्रभारी नगर पंचायत पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी मो. गुफरान मजहरी ने बताया कि अतिक्रमण को लेकर बिजली विभाग एवं अन्य लोगों द्वारा कई बार शिकायत की जा चुकी है।इसी के मद्देनजर रजौली बाजार क्षेत्र में कुल 56 अतिक्रमणकारियों को चिन्हित कर उन्हें नोटिस दिया जा रहा है।अतिक्रमणकारियों में कुछ लोगों को नोटिस दिया जा चुका एवं कुछ लोगों को नोटिस देने की प्रक्रिय जारी है।अंचलाधिकारी ने कहा कि नोटिस के बाद भी अतिक्रमणकारी अतिक्रमण को नहीं हटाएंगे,तो उसके विरुद्ध प्रशासन कार्रवाई करने पर मजबूर हो जाएगी।वहीं दूसरी ओर अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर आम जनता में रोष व्याप्त था,किंतु स्थानीय प्रशासन की पहल के बाद लोग इसकी सराहना भी कर रहे हैं।

फुटपाथी दुकानदारों के लिए जगहों का किया गया चयन : अंचलाधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में व्याप्त अतिक्रमण को हटाने के बाद स्थानीय फुटपाथी दुकानदारों के लिए कुछ जगहों को चिन्हित किया गया है,जहां वे अपनी दुकान बिना किसी समस्या के लगा पाएंगे।उन्होंने बताया कि फुटपाथी दुकानदारों को बकरी बाजार,डीएवी स्कूल के सामने एवं पुराना पुल के बाएं साइड में परती भूमि में शिफ्ट किया जाएगा।

धान अधिप्राप्ति को लेकर समीक्षा बैठक, राईस मिलरों एवं पैक्स से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा

निज संवाददाता। नवादा

जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश के निर्देश के आलोक में खरीफ विपणन मौसम वर्ष 2025-26 में धान अधिप्राप्ति से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राईस मिलरों एवं पैक्स अध्यक्षों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान राईस मिलरों ने 05% अधिक धान पैक्सों से लिए जाने, कुटाई मद में पैक्सों द्वारा 100 रुपये प्रति क्विंटल भुगतान तथा पैक्सों द्वारा राईस मिलरों को देय 20 रुपये प्रति क्विंटल कुटाई राशि न मिलने से संबंधित समस्याएं रखीं। इसी प्रकार, पैक्स अध्यक्षों ने राईस मिलरों द्वारा 100 रुपये कुटाई शुल्क एवं 05% अतिरिक्त धान लिए जाने की बाध्यता पर आपत्ति जताई।साथ ही एस.एफ.सी. द्वारा सी.एम.आर. आपूर्ति के बावजूद समिति की राशि रोककर रखने से पैक्सों पर बढ़ते ब्याज बोझ तथा पैक्सों के डिफॉल्टर हो जाने की स्थिति पर चिंता व्यक्त की गई। खाद्य निगम द्वारा सी.एम.आर. अस्वीकृति से संबंधित मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया।

बैठक में स्पष्ट निर्देश दिया गया कि सभी विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप धान अधिप्राप्ति हर हाल में कराई जाएगी। राईस मिलरों को अग्रिम सी.एम.आर. आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। पैक्स अध्यक्षों को किसानों से स्वच्छ, मिट्टी रहित एवं निर्धारित नमी मानक के अनुरूप धान संग्रहित करने का निर्देश दिया गया।सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों एवं गुणवत्ता नियंत्रकों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि किसानों द्वारा दिया जाने वाला धान खखरी रहित तथा स्वच्छ गुणवत्ता का हो। साथ ही, जिला प्रबंधक, खाद्य निगम को निर्देश दिया गया कि सी.एम.आर. आपूर्ति के उपरांत समिति को भुगतान राशि समय पर उपलब्ध कराई जाए, ताकि समिति पर ब्याज का अतिरिक्त बोझ न बढ़े। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी नवादा सदर/रजौली, प्रभारी जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी के साथ-साथ अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पीडब्ल्यूडी की मनमानी से 57 विद्यालयों के शिक्षकों का एचआरए फंसा, 'मार्च के बाद आना' कहकर आवेदन लेने से इनकार

निज संवाददाता। रजौली

- रजौली नगर पंचायत क्षेत्र के 8 किलोमीटर दायरे के विद्यालयों को एचआरए वृद्धि का लाभ देने की प्रक्रिया बाधित, विभाग की 'टालमटोल' से शिक्षकों में गहरा असंतोष

रजौली प्रखंड के शिक्षकों के लिए मकान किराया भत्ता वृद्धि का लाभ अब विभाग की कथित मनमानी के कारण अधर में लटक गया है। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी को पत्र भेजने और दूरी प्रमाण पत्र की मापी पूरी होने के बावजूद, पथ निर्माण विभाग के स्थानीय कार्यालय ने शिक्षकों के आवेदन स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया है।पीडब्ल्यूडी कार्यालय के इस कदम से रजौली नगर पंचायत की 8 किलोमीटर की परिधि में आने वाले 57 विद्यालयों के शिक्षक आक्रोशित हैं। इन शिक्षकों को उम्मीद थी कि दूरी प्रमाण पत्र जमा होने के बाद उन्हें बढ़े हुए एचआरए का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा।यह मामला तब सामने आया जब मध्य विद्यालय छपरा, मध्य विद्यालय नावाडीह, और उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय रजौली पूर्वी के प्रधानाध्यापक दूरी प्रमाण पत्र के साथ आवेदन जमा करने पीडब्ल्यूडी कार्यालय पहुंचे। कार्यालय कर्मियों ने उनसे आवेदन लेने से मना कर दिया। सूत्रों के अनुसार, कर्मियों ने साफ तौर पर कहा कि 'साहेब ने निर्देश दिया है कि अब मार्च 2026 के बाद ही आवेदन लिए जाएंगे'।

जबकि प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, रजौली ने पत्रांक 505 (दिनांक 24/11/2025) के माध्यम से जिला शिक्षा पदाधिकारी को यह सूचित किया था कि 57 विद्यालयों के दूरी प्रमाण पत्र निर्गत किए गए हैं, जो कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग के पत्रांक 917, 918, 919 (दिनांक 15.10.2025) और 975 (दिनांक 03.11.2025) के आलोक में रजौली नगर पंचायत सीमा से दूरी के आधार पर तैयार किए गए हैं।शिक्षकों का कहना है कि यह एक गंभीर विडंबना है कि पीडब्ल्यूडी कार्यालय ने पहले दूरी मापी का कार्य पूरा कराया और अब आवेदन लेने से मना कर रहा है।शिक्षकों ने मौजूदा स्थिति पर गहरा असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि एचआरए वृद्धि में दोहरी नीति अपनाई जा रही है। एक ओर, रजौली नगर पंचायत में अवस्थित विद्यालयों के शिक्षकों को भी अब तक बढ़ा हुआ आवास भत्ता नहीं मिला है, वहीं दूसरी ओर, नगर पंचायत में कार्यरत अन्य विभागों के नियमित शिक्षकों को बढ़े हुए आवास भत्ते का लाभ पहले से ही मिल रहा है।शिक्षकों ने तत्काल प्रभाव से शिक्षा विभाग और पथ निर्माण विभाग के वरीय अधिकारियों से हस्तक्षेप की मांग की है, ताकि पीडब्ल्यूडी कार्यालय आवेदनों को स्वीकार करे और 57 विद्यालयों के शिक्षकों को अविलंब उनका बढ़ा हुआ मकान किराया भत्ता मिल सके।

उर्वरक विक्रेताओं को पन्द्रह दिवसीय प्रशिक्षण समाप्ति के बाद दिए गए प्रमाण पत्र

निज संवाददाता। कौआकोल

प्रखण्ड के सोखोदेवरा जेपी आश्रम परिसर अवस्थित राजेन्द्र भवन में 15 नवम्बर से शुरू हुए उर्वरक विक्रेताओं के लिए समेकित पोषक तत्व प्रबंधन विषयक प्रशिक्षण का समापन शनिवार को किया गया। प्रशिक्षण समाप्ति के बाद प्रशिक्षुओं के बीच प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। प्रशिक्षुओं के बीच प्रमाण पत्र वितरण करते हुए ग्राम निर्माण मण्डल के प्रधानमंत्री अरविंद कुमार,कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक सह-प्रधान डॉ० जयवंत कुमार सिंह व विषय वस्तु विशेषज्ञ रविकांत चौबे,रौशन कुमार,अंगद कुमार,कोर्स कॉर्डिनेटर डॉ० शशांक शेखर सिंह,सुमिताप रंजन,अनिल कुमार आदि ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना किया। कृषि विज्ञान केंद्र,ग्राम निर्माण मण्डल सर्वोदय आश्रम सोखोदेवरा के बैनर तले शुरू हुए इस प्रशिक्षण में बिहार राज्य के गया,लखीसराय नवादा,शेखपुरा,जमुई समेत विभिन्न जिलों के 70 प्रतिभागी शामिल हुए थे। मौके पर सहयोगी पिंटू पासवान,श्रवण कुमार आदि मौजूद रहे।

साइबर सुरक्षा जागरूकता के लिए रवि रंजन बने 'अंबेसडर'

निज संवाददाता। रजौली

- गांधीनगर में हुए सम्मानित
- यह सम्मान 28 नवंबर को गुजरात के गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय फोरेंसिक एवं विज्ञान विश्वविद्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में प्रदान किया गया

बिहार-झारखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में साइबर सुरक्षा को लेकर उत्कृष्ट कार्य करने वाले हैंड इन हैंड इंडिया के रवि रंजन को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार और आई एसईए एवं सी-डेक हैदराबाद द्वारा राज्य के लिए साइबर सुरक्षा एंबेसडर नियुक्त किया गया है। उन्हें यह सम्मान 28 नवंबर को गुजरात के गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय फोरेंसिक एवं विज्ञान विश्वविद्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में प्रदान किया गया। रवि रंजन को पूरे पूर्वोत्तर राज्य से साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने और जागरूकता फैलाने के लिए मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। रवि रंजन पिछले दो वर्षों से बिहार और झारखंड के गांव, शहर और दुर्गम क्षेत्रों में जाकर विद्यार्थियों, महिलाओं और आम जनमानस को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक कर रहे हैं। उनके अन्य उल्लेखनीय कार्यों में सबसे अधिक ऑनलाइन सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में जगह मिलना, प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम के टॉप वीनर बनना, और माई गवर्नमेंट प्लेटफॉर्म द्वारा 'चेंजमेकर' के रूप में सराहा जाना शामिल है। रवि रंजन को यह प्रतिष्ठित सम्मान मिलने पर 'हैंड इन हैंड इंडिया' के तुलसी कुमार साव, सविता कुमारी, दीपक कुमार, रूपेश कुमार, राकेश कुमार, नीतीश पांडे, सुमन्त सिंह, निलेश त्रिवेदी, राजेश कुमार, शशि सिंह, अनिल कुमार, मोहम्मद गुलाम जैकी उल्लाह, डॉ अभय कुमार, डाक्टर अभिजीत राय, और गुरुदेव प्रसाद सहित कई लोगों ने बधाई दी है। इन लोगों ने कहा कि यह सम्मान साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा है।

पुरस्कार प्राप्त करते रवि रंजन

संक्षिप्त समाचार

शराबबंदी उल्लंघन में युवक गिरफ्तार, पुलिस की सख्त कार्रवाई जारी

गयाजी। जिले के बेलागंज थाना क्षेत्र में शराबबंदी कानून के उल्लंघन के मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई थाना पुलिस और गश्ती दल की सतत निगरानी के दौरान की गई। गिरफ्तार युवक की पहचान धनंजय चौधरी के रूप में हुई है, जो शराब के नशे में सार्वजनिक रूप से हंगामा कर रहा था। सूचना के अनुसार, शुक्रवार रात गश्ती दल श्रीपुर इलाके में मौजूद था। उसी दौरान स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचित किया कि धनंजय चौधरी शराब के नशे में इलाके में उत्पात मचा रहा है। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आरोपी को हिरासत में ले लिया और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। अपर थाना प्रभारी कमलेश पासवान ने शनिवार दोपहर करीब 3:00 बजे बताया कि धनंजय चौधरी के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं मद्यनिषेध अधिनियम के तहत कांड संख्या 694/25 दर्ज की गई है। आरोपी का मेडिकल परीक्षण कराया गया और कोर्ट के आदेशानुसार उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि बेलागंज क्षेत्र में शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए नियमित गश्ती और छापेमारी जारी है। शराब पीकर सार्वजनिक जगहों पर उत्पात करने वालों और अवैध शराब व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई लगातार की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की कार्रवाई का उद्देश्य क्षेत्र में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना है और किसी भी प्रकार के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सेलवे गांव में धान झाड़ रहे ट्रेक्टर में आग लगने से ट्रेक्टर समेत धानका एक हजार बोझा जलकर हुआ राख

वजीरगंज। प्रखंड क्षेत्र के घुरियावां पंचायत अंतर्गत सेलवे गांव के बधार में शनिवार की दोपहर धान झाड़ रहे ट्रैक्टर में अचानक आग लग गई, जिससे ट्रैक्टर समेत धान का एक हजार बोझा जलकर राख हो गया। आगलगी में सेलवे गांव के किसान किशोरी सिंह एवं शत्रुधन सिंह का धान जला, वहीं उसी गांव के धर्मेन्द्र सिंह का नया ट्रैक्टर पूरी तरह से जलकर राख हो गया। पीड़ित ट्रैक्टर स्वामी धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि ट्रैक्टर चालू था, अचानक इंजन में आग लग गई, जिसे बुझाने के प्रयास में मेरा हांथ भी जल गया, लेकिन आग भड़क गई तथा फसल को भी हटाने का मौका नहीं मिला, जिससे सभी बोझों में आग लग गई और दोनों किसानों का पूरा बोझा जलकर राख हो गया। मैंने छः माह पूर्व हीं ट्रैक्टर लिया था तथा थ्रेसर हाल हीं में खरीदा गया है। पीड़ित किसानों ने बताया कि ढाई लाख रूपये से अधिक का नुकसान हुआ है। आगलगी की सूचना पर दमकल कर्मी बड़े एवं छोटे वाहनों से स्थल पर पहुंचे तथा आग पर काबू पाने का प्रयास करने लगे, लेकिन देर संध्या तक पानी डालते रहने के बावजूद सब बोझा जल गया। अंततः आग पर काबू पाकर उसे फैलने से रोक दिया गया। कुछ समय बाद वजीरगंज विधायक वीरेन्द्र सिंह घटना स्थल पर पहुंचे तथा पदाधिकारियों को फोन कर पीड़ित किसान एवं ट्रैक्टर स्वामी को उचित मुआवजा दिलवाने का निर्देश दिया। सीओ ने भी पहुंचकर आगलगी का जायजा लिया है।

तिलक में आई महिला से रेप, पीड़िता की ननद ने भागकर बचाई जान, घर छोड़ने के बहाने वारदात को दिया अंजाम

नालंदा। नालंदा में तिलक समारोह में शामिल होने पहुंची एक महिला संग रेप की वारदात को अंजाम दिया गया। वारदात के दौरान पीड़िता की ननद ने भागकर अपनी जान बचाई। घटना 24-25 नवंबर की रात की है। पीड़िता पटना जिला के फतुहा थाना क्षेत्र की रहने वाली है। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। पीड़िता ने 25 नवंबर की सुबह हिलसा थाने में पहुंचकर मामला दर्ज कराया गया। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, महिला अपने ननद के साथ तिलक समारोह में शामिल होने के लिए हिलसा थाना क्षेत्र के मलबीघा गांव राजेश यादव के घर में आई थी। जहां रात्रि करीब 10 बजे तक स्वागत कार्यक्रम के बाद उसने नीतीश कुमार उर्फ सिल्लू से घर छोड़ देने की बात कही, इसके बाद नीतीश टालमटोल करता रहा। रात करीब 1 बजे मुख्य आरोपी नीतीश कुमार अपने दोस्त राजेश के साथ अलग-अलग मोटरसाइकिल पर बैठाकर दोनों को ले जाने लगा। महिला की शिकायत के मुताबिक, हिलसा थाना क्षेत्र के लोहंडा बाजार से थोड़ी दूरी पर सुनसान जगह ले जाकर नीतीश और राजेश ने बाइक रोक ली। महिला ने बताया कि नीतीश ने पहले मेरे साथ रेप किया, इसके बाद मेरी ननद के साथ भी गलत करने की कोशिश की। लेकिन मेरी ननद ने भागकर अपनी जान बचाई। पीड़िता ने बताया कि मुझे राजेश और नीतीश ने पकड़ लिया और उसके साथ पहले नीतीश ने गलत काम किया और जब राजेश ने रेप करने का प्रयास किया तो मैं किसी तरह राजेश को धक्का देकर खेत की तरफ भाग निकली।

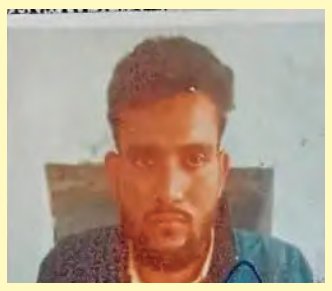

पीड़िता बोली- ननद का मोबाइल, गले से चेन छीनाः महिला से उसका मंगलसूत्र जबकि उसकी ननद से मोबाइल और गले से सोने की चेन छीन ली गई। ननद और भाभी को स्वागत काम के लिए शिव शक्ति कुमार ने पटना के दनियावां बुलाया था और 2 घंटे का स्वागत कार्यक्रम के लिए मलबीघा जाने की बात बताई गई। इसके बाद नालंदा जिला के करायपरसुराय थाना क्षेत्र के नेसरा गांव के रहने वाले नीतीश कुमार उर्फ सिल्लू एवं राजेश कुमार के द्वारा मोटरसाइकिल से ननद और भाभी को राजेश यादव के घर तिलक समारोह में संध्या 5 बजे छोड़ दिया गया। हिलसा थाना अध्यक्ष अभिजीत कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पीड़िता का मेडिकल जांच कराया गया एवं मुख्य आरोपी नीतीश कुमार को उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है एवं एक अन्य अभियुक्त राजेश कुमार की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी में जुटी हुई है।

गयाजी रेलवे स्टेशन में सुविधाओं के विस्तार पर डीडीयू की विस्तृत बैठक

♦ स्टेशन की वर्तमान स्थिति, यात्री दबाव और आने वाले विकास कार्यों पर गहन चर्चा की

निज संवाददाता। गयाजी

पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के DRUCC की बैठक डीडीयू मंडल मुख्यालय में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक उदय सिंह मीना ने की। बैठक का मुख्य फोकस गयाजी रेलवे स्टेशन और यात्रियों की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर सुविधाओं के विस्तार पर था। बैठक में मंडल से जुड़े विभिन्न अधिकारियों और समिति के सदस्यों ने स्टेशन की वर्तमान स्थिति, यात्री दबाव और आने वाले विकास कार्यों पर गहन चर्चा की।

बैठक की शुरुआत वाणिज्य विभाग की ओर से सदस्यों का औपचारिक स्वागत और परिचय लेने से हुई। इसके बाद मंडल की संरचना, क्षेत्र और स्टेशनों की श्रेणियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही गयाजी स्टेशन को मिलने वाली नई सुविधाओं, स्वच्छता और सुरक्षा से जुड़े अपडेट साझा किए गए। बैठक में ट्रेनों की लेटलतीफी, प्लेटफॉर्म पर भीड़, खान-पान की व्यवस्था, मेडिकल सुविधा, सुरक्षा और साफ-सफाई जैसी समस्याओं पर विशेष चर्चा हुई। समिति के सदस्यों ने कहा कि गयाजी बिहार का प्रमुख धार्मिक और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन केंद्र है, इसलिए यहां बेहतर सुविधा और सुगम व्यवस्था की प्राथमिकता होना चाहिए। सदस्यों ने मंडल में पिछले वर्षों में हुए विकास कार्यों की भी सराहना की और कहा कि कई बड़े सुधारों से यात्रियों को सीधे लाभ मिला है। हालांकि, गयाजी स्टेशन पर यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, इसलिए सुविधाओं के विस्तार की आवश्यकता और अधिक बढ़ गई है। इस दौरान प्लेटफॉर्म विस्तार, आधुनिक इंतजार हाल, इलेक्ट्रॉनिक सूचना प्रणाली, स्वच्छता और सुरक्षा के उपायों पर जोर दिया गया।

मंडल रेल प्रबंधक उदय सिंह मीना ने सभी सुझावों को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि गयाजी स्टेशन की सुविधाओं में सुधार के लिए कई योजनाएं पहले से ही चल रही हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि समिति द्वारा दिए गए सुझावों को प्राथमिकता के आधार पर लागू किया जाएगा। बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक दिलीप कुमार सहित विभिन्न शाखाओं के वरिष्ठ अधिकारी और विभागीय प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा बढ़ाने और आने वाले समय में यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के लिए कई नई पहलों पर चर्चा की। इसमें विशेष तौर पर भीड़ प्रबंधन, प्लेटफॉर्म सुरक्षा, स्वच्छता, बेहतर खान-पान व्यवस्था और मेडिकल सुविधा में सुधार के उपाय शामिल हैं। समिति के सदस्य और अधिकारियों ने आशा जताई कि इन पहलों के लागू होने से गयाजी रेलवे स्टेशन यात्रियों के लिए अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और व्यवस्थित बन सकेगा, और यह स्टेशन बिहार के पर्यटन और धार्मिक महत्व को भी और मजबूती देगा।

टिकारी में एकल अभियान संच का दो दिवसीय मासिक अभ्यास वर्ग संपन्न, शिक्षकों को पंचमुखी शिक्षा पर प्रशिक्षित

निज संवाददाता। गयाजी

जिले के टिकारी में एकल अभियान संच का दो दिवसीय मासिक अभ्यास वर्ग सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण वर्ग में शिक्षक-शिक्षिकाओं को पंचमुखी शिक्षा के पांच आयामों प्राथमिक शिक्षा, आरोग्य शिक्षा, ग्राम विकास शिक्षा, जागरण शिक्षा और संस्कार शिक्षा पर व्यापक रूप से प्रशिक्षित किया गया।

यह प्रशिक्षण विश्व हिंदू परिषद प्रांगण, टिकारी में आयोजित किया गया। अंचल से आए प्रशिक्षकों ने शिक्षक-शिक्षिकाओं को पंचमुखी शिक्षा के विभिन्न पहलुओं, उनके उद्देश्यों और उन्हें कक्षा में प्रभावी ढंग से लागू करने के तरीकों के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण सत्र 28 नवंबर को प्रारंभ हुआ और 29 नवंबर को भोजनोपरांत संपन्न हुआ। सत्र का शुभारंभ और समापन भारत माता तथा सरस्वती माता के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों और संच के समिति सदस्यों की शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। अंचल से आए प्रमुख प्रशिक्षकों में अंचल प्राथमिक शिक्षा प्रशिक्षण प्रमुख रामलखन दास, अंचल अभियान प्रमुख सूर्यदेव कुमार, अंचल व्यास प्रमुख आरती कुमारी और भाग मूल्यांकन प्रमुख अनिल कुमार शामिल रहे। संच के अन्य अधिकारीगण जैसे संच व्यास आशुतोष मिश्र, संच प्रमुख महेश कुमार, संच अध्यक्ष गणेश प्रसाद और संच सचिव शिव बल्लभ मिश्र भी पूरे प्रशिक्षण सत्र में उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में कुल 29 आचार्य और आचार्या ने भाग लिया।

सभी ने उत्साह और गंभीरता के साथ प्रशिक्षण सत्र में हिस्सा लिया और पंचमुखी शिक्षा को प्रभावी ढंग से अपनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। संच के अधिकारियों ने बताया कि यह अभ्यास वर्ग नियमित मासिक प्रशिक्षण का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य शिक्षकों को नई तकनीक, शिक्षा के आधुनिक तरीके और सामाजिक जागरूकता के कार्यक्रमों में दक्ष बनाना है।

पावरलूम यूनिट और सामान्य सुविधा केंद्र स्थापना को लेकर महत्वपूर्ण बैठक

निज संवाददाता। गयाजी

गयाजी के मानपुर पटवाटोली स्थित दुर्गा स्थान परिसर में शनिवार को पावरलूम यूनिट और प्रस्तावित सामान्य सुविधा केंद्र (CFC) स्थापना को लेकर एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में वजीरगंज के विधायक बिरेन्द्र सिंह, जिलाधिकारी शशांक शुभंकर, नगर आयुक्त कुमार अनुराग, विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक, जनसंपर्क एवं योजना पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में बुनकर प्रतिनिधि मौजूद थे। बैठक की शुरुआत में विधायक बिरेन्द्र सिंह ने पटवाटोली जैसे बुनकर बहुल इलाके में निरंतर और निर्बाध बिजली आपूर्ति की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पावरलूम मशीनों के संचालन में लगातार बिजली कटौती स्थानीय बुनकरों के उत्पादन में बाधक बनती है। उन्होंने प्रशासन और सरकार से इसे प्राथमिकता पर हल करने का आग्रह किया ताकि बुनकरों की आमदनी बढ़ सके और उद्योग को नई गति मिले।

जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने उपस्थित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पावरलूम यूनिट और प्रस्तावित CFC के निर्माण में किसी प्रकार की देरी न हो। उन्होंने कहा कि यह दोनों परियोजनाएं बुनकर समुदाय के लिए 'गेम-चेंजर' साबित हो सकती हैं

और इन्हें जल्द से जल्द लागू किया जाना चाहिए। बैठक के बाद अधिकारियों और बुनकर प्रतिनिधियों ने प्रस्तावित CFC और पावरलूम यूनिट के निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण में जमीन की उपलब्धता, आवश्यक सुविधाओं और आगे की जरूरतों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक और निरीक्षण में शामिल सभी प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई कि इन परियोजनाओं के शुरू होने से पटवाटोली के बुनकर उद्योग को नई रफ्तार मिलेगी और क्षेत्र की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

महिलाओं ने दिया अर्थी को कन्धा

निज संवाददाता। वजीरगंज (गयाजी)

परंपरा तोड़ सुरेश प्रसाद का हुआ दाह संस्कार

प्रखंड के औरैल निवासी74 वर्षीय सुरेश प्रसाद की आज सुबह मृत्यु हो जाने के उपरांत उनकी बहु निशा कुमारी , बेटी रेखा कुमारी, पोती पम्मी, पल्लवी, नातिन अंजलि प्रिया और गांव की ढेर सारी महिलाओं ने अरथी को कंधा देकर शमशान घाट पहुंचाया । शव को ले जाने के क्रम में वहां मौजूद लोगों ने जीना मरना सत्य है, प्रकृति का यही गति है, सुरेश प्रसाद अमर रहे, अर्जक संघ जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। जुलूस का नेतृत्व अर्जक संघ सांस्कृतिक समिति के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र पथिक के अलावा मृतक के पुत्र रजनी कांत रवि, अविनाश कुमार, नागमणि प्रसाद, सीता राम प्रसाद, पूर्व मुखिया कैलाश महतो, पंचायत समिति सदस्य शशि भूषण कुमार,रामानंद प्रसाद , जितेंद्र अर्जक, बिंदेश्वर प्रसाद, सहदेव प्रसाद, सुजीत कुमार, यमुना प्रसाद, अमरेश कुमार, विनय कुमार,बच्चन शोषित आजाद,प्रिंस कुमार, आदि कर रहे थे। इस अवसर पर पत्रकार रवि भूषण कुमार, अरविंद वर्मा, अमरेंद्र कुमार, अमित कुमार के अलावा सैकड़ों ग्रामीण शामिल थे।

शव जुलूस के नेतृत्व कर रहे अर्जक संघ के वरिष्ठ नेता उपेन्द्र पथिक ने बताया कि महिलाओं ने अर्थी को कंधा देकर समाज को यह संदेश दिया कि महिला पुरुष बराबर है। महिला सशक्तिकरण का यह उदाहरण है। दाह संस्कार की पुरानी परंपरा विषमता मूलक, अवैज्ञानिक और शोषण पर आधारित है। जबकि अर्जक पद्धति विज्ञान परक , मानववादी और शोषण से मुक्ति दिलाने वाला है। इसलिए लोग समझदार और साहसी लोग अर्जक पद्धति को ही अपनाते हैं।

कम समय, कम खर्च, कम परेशानी, वैज्ञानिक सोच और मानववादी व्यवस्था कायम करना अर्जक पद्धति की खास विशेषता है। स्मरणीय है कि मृतक सुरेश प्रसाद का पूरा परिवार वर्षों से अर्जक संघ से जुड़े रहे हैं । उनके पुत्र रजनीकांत रवि भी शिक्षक पद पर पदासीन हैं । साथ ही मानववादी व्यवस्था के पोषक हैं।उन्होंने घोषणा किया कि दाह संस्कार के बाद अर्जक पद्धति से ही शोकसभा होगा। कोई भी पुरानी परंपरा का निर्वहन नहीं किया जाएगा।

युवक के साथ मारपीट मामले में दो लोग गिरफ्तार

निज संवाददाता। नवादा

पकरीबरावां थाना क्षेत्र के सिमरिया गांव निवासी पवन कुमार के साथ मारपीट कर उन्हें गंभीर रूप से घायल करने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। प्रशिक्षु डीएसपी पौरुष अग्रवाल ने बताया कि मारपीट के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। बताया गया कि सिमरिया गांव के प्रेमन यादव एवं मड़वा गांव के रामाकांत यादव को गिरफ्तार किया गया है।

इस मामले में पूर्व में भी एक युवक पप्पू कुमार को गुलनी चर्च के पास से गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है, कि 20 नवंबर की शाम को सिमरिया गांव निवासी पवन कुमार गुलनी चर्च से घर लौट रहा

था। इस दौरान मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक का इलाज पटना में चल रहा है। इधर घायल युवक के फर्द बयान पर चार अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस मामले को ले एसपी ने गांव पहुंचकर मामले की जांच करते हुए पकरीबरावां के एसडीपीओ राकेश कुमार भास्कर के नेतृत्व में एसआईटी टीम का गठन किया था। बताया गया कि अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम में बच्चों को बाल अधिकार, बाल विवाह और बाल शोषण की दी गई जानकारी

निज संवाददाता। वजीरगंज

मुख्यमंत्री सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम के तहत शनिवार को प्रखंड के सभी सरकारी विद्यालयों में बच्चों के अधिकार, बाल विवाह, बाल शोषण और छेड़छाड़ के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष सत्र आयोजित किया गया। इसी कड़ी में प्रखंड के मध्य विद्यालय दखिनगांव में भी बच्चों को सुरक्षित वातावरण में अपने अधिकारों और सुरक्षा के उपायों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम की देखरेख प्रभारी शिक्षिका ज्योत्सना शाही ने की। बच्चों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि उपेन्द्र कुमार पथिक ने बताया कि बाल अधिकार 18 साल से कम उम्र के बच्चों को मिलने वाले मानवाधिकार हैं। प्रत्येक बच्चे

को जीवन, उत्तर जीवन और समग्र विकास का जन्मजात अधिकार प्राप्त है। उन्होंने कहा कि अपने अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए बच्चों का यह भी कर्तव्य है कि वे स्वयं सतर्क रहें और जिम्मेदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करें।

बाल विवाह के खतरे पर बच्चों को आगाह करते हुए पथिक ने स्पष्ट किया कि लड़कियों की शादी 18 वर्ष और लड़कों की शादी 21 वर्ष से पहले करने पर स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं के साथ-साथ इस विवाह में शामिल सभी बाराती और सराती के लिए कानूनी कार्रवाई और जेल जाने का प्रावधान है। इसके अलावा उन्होंने बच्चों को छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न के मामलों के प्रति सचेत किया और "बैड-टच" और "गुड-टच" की विस्तृत जानकारी भी दी। बच्चों को सिखाया गया कि किसी भी प्रकार के अनुचित स्पर्श या व्यवहार के मामले में वे तुरंत अभिभावक या शिक्षक को सूचित करें। कार्यक्रम में अभिभावक रविभूषण सिन्हा, शिक्षक प्रभाकर कुमार, निक्की कुमारी सहित सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। बच्चों ने बड़ी रुचि और गंभीरता के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। इस पहल के माध्यम से प्रशासन और विद्यालय ने बच्चों के प्रति जागरूकता फैलाने, उनके अधिकारों की रक्षा करने और समाज में बाल सुरक्षा को सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक कॉरिडोर को लेकर किसानों की चिंताओं पर डीएम ने किया आश्वस्त

निज संवाददाता। डोभी, गयाजी

जिले के डोभी प्रखंड की खरांटी पंचायत में प्रस्तावित अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक कॉरिडोर को लेकर पहली बार जिलाधिकारी शशांक शुभंकर की अगुवाई में औद्योगिक स्थल पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य किसानों और स्थानीय निवासियों की चिंताओं को सुनना और उन्हें समाधान प्रदान करना था।बैठक में जिलाधिकारी शशांक शुभंकर के साथ एडीएम, शेरघाटी एसडीओ मनीष कुमार, बियाड़ा के विभागीय अधिकारी और डोभी के प्रभारी सीओ अरुण कुमार सहित कई अधिकारी मौजूद थे। किसानों ने डीएम को सीधे अपनी समस्याओं से अवगत कराया। प्रभावित किसानों में पवन वर्मा, संजय यादव, राहुल वर्मा, अनिल सिंह, संतोष यादव सहित 12 से अधिक किसान शामिल थे। उन्होंने बताया

कि वे कई वर्षों से बिहार सरकार की भूमि पर खेती और आवासीय निर्माण कर रहे हैं। पहले उन्हें रसीद मिलती थी, लेकिन अब यह व्यवस्था बंद हो गई है। किसानों ने यह भी बताया कि उनकी जमीन का अधिग्रहण कर लिया गया है। कुछ किसानों को मुआवजा मिल चुका है, लेकिन कई किसानों को अब तक कोई मुआवजा नहीं मिला।

डीएम ने किसानों को दिया आश्वासनः जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने किसानों को भरोसा दिलाया कि बिहार सरकार और भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और न्याय संगत ढंग से की जाएगी। उन्होंने डोभी सीओ को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन किसानों की जमीन बिहार सरकार की है, जिन पर उनका कब्जा है, लेकिन अभी तक मुआवजा नहीं मिला है, उनके खेतों या जमीनों पर नोटिस चस्पा किया जाए। डीएम ने बताया कि नोटिस चस्पा करने के सात दिन के भीतर यदि उस जमीन पर कोई विवाद नहीं होता है, तो संबंधित किसानों को एक माह के भीतर मुआवजा भुगतान किया जाएगा। इसके अलावा, 15 दिसंबर को प्रशासन द्वारा शिविर आयोजित कर सभी लंबित मामलों का निपटान किया जाएगा।

शशांक शुभंकर ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन किसानों की जमीन पर पेड़, तालाब, मकान या कोई अन्य निर्माण है, उनका भी मुआवजा पूरी तरह से दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि औद्योगिक कॉरिडोर के विकास में किसानों के आर्थिक और सामाजिक हितों का पूरा ध्यान रखा जाए। बैठक में उपस्थित किसानों ने डीएम के आश्वासन को सकारात्मक माना और कहा कि प्रशासन द्वारा उठाए गए कदम से उनके भविष्य और उत्पादन में सुधार की उम्मीद बढ़ी है।

गयाजी सेंट्रल जेल में तड़के छापेमारी, एक घंटे तक वार्डों की तलाशी

निज संवाददाता। गयाजी

गयाजी सेंट्रल जेल में शनिवार तड़के अचानक हुई छापेमारी से जेल परिसर में हलचल मच गई। सुबह करीब साढ़े पांच बजे एसडीएम किसलय श्रीवास्तव के नेतृत्व में एक संयुक्त टीम जेल के मुख्य द्वार से अंदर दाखिल हुई और देखते ही देखते वार्डों में तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। अभियान लगभग एक घंटे तक चला, जिसमें कैदियों के बैरक, खुले क्षेत्र, संवेदनशील हिस्से और आम रास्तों की बारीकी से जांच की गई। इस दौरान पुलिस ने कैदियों की व्यक्तिगत तलाशी भी ली और बैरकों में रखी वस्तुओं की पड़ताल की। छापेमारी टीम में एसडीएम के साथ डीएसपी, डीएसपी ट्रैफिक और रामपुर थाना पुलिस के अधिकारी भी मौजूद थे। तलाशी पूरी तरह सतर्कता और गोपनीयता के साथ की गई। जेल प्रशासन और सुरक्षा बलों की मौजूदगी में सभी वार्डों को एक-एक कर खंगाला गया, लेकिन टीम को किसी भी प्रकार का प्रतिबंधित या आपत्तिजनक सामान नहीं

मिला। एसडीएम किसलय श्रीवास्तव ने बताया कि मोबाइल फोन, सिम कार्ड, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, धारदार वस्तु या अन्य अवैध सामान बरामद होने जैसी कोई स्थिति सामने नहीं आई है। उन्होंने कहा कि तलाशी नियमित अभियान का हिस्सा थी, जिसका उद्देश्य जेल के अंदर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखना है।

गयाजी सेंट्रल जेल राज्य के उन चुनिंदा उच्च सुरक्षा कारावासों में से है, जहां कई कुख्यात अपराधी और नक्सली बंद हैं। हाल ही में अतरी के पूर्व विधायक रंजीत यादव को भी इसी जेल में स्थानांतरित किया गया है। इसके अलावा उत्तर बिहार में चर्चित झा ग्रुप के गुर्गे भी यहीं निरुद्ध हैं। जेल के अंदर से अपराधियों की मोबाइल पर सक्रियता और बाहरी नेटवर्क से संपर्क की खबरें समय-समय पर सामने आती रही हैं, लेकिन हर छापेमारी की तरह इस बार भी पुलिस के हाथ कुछ नहीं लगा। यह कार्रवाई केवल गयाजी तक सीमित नहीं थी, बल्कि बिहार के आठ जिलों में तड़के एक साथ जेलों पर रेड की गई। राज्य सरकार की उच्च स्तरीय नीति के तहत पटना, पूर्णिया, बेगूसराय, मोतिहारी, मुंगेर, दरभंगा, मुजफ्फरपुर और गयाजी की जेलों में जिला प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। जिलों के एसपी और डीएम के नेतृत्व में सभी जेलों में वार्डों की छानबीन की गई। कैदियों की तलाशी ली गई, जेल स्टाफ से पूछताछ की गई और खाना बनाने वाली जगह यानी किचन से लेकर बाथरूम तक की बारीकी से जांच की गई। ताबड़तोड़ छापेमारी का उद्देश्य जेलों के अंदर से अपराधियों के नेटवर्क को रोकना और सुरक्षा तंत्र को और अधिक सतर्क बनाना है।

संक्षिप्त समाचार

दो मील संचालकों व एक ई-रिक्शा मालिक पर प्राथमिकी दर्ज

बिक्रमगंज/ रोहतास। विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर निरंतर चलाये जा रहे अभियान के तहत एसटीएफ के नेतृत्व मे विभिन्न प्रखंडो मे अवैध रूप विद्युत ऊर्जा चोरी करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है। बता दें की प्रखंड दिनारा के चोरपोखर इंग्लिश निवासी व दो मील संचालकों द्वारा तीन फेज अतिरिक्त सर्विस तार खिंचकर व मीटर बाईपास कर अवैध रूप विद्युत ऊर्जा की चोरी की जा रही थी, जिसको लेकर राजधन कुमार सिंह पर 204916, अखिलेश कुमार पर 138394 व प्रशाखा सूर्यपुरा के कवई निवासी हिमांशु राज के घेरलू परिसर पर 13203 तथा प्रशाखा बिक्रमगंज के कुसुम्हरा निवासी सुरेंद्र साह पर 31516 रुपये राजस्व की क्षति आकलित करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है। उक्त उपभोक्ताओं के द्वारा मीटर बाईपास करने के फलस्वरूप मीटर का वास्तविक खपत अवरूद्ध हो रहा था तथा विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी। आगे बताया गया की बिना कोई विद्युत कनेक्शन लिए व बिना मीटर अधिष्ठापन के अवैध रूप से ई-रिक्शा चार्ज करने को लेकर शिओबाहर निवासी संजय सिंह पर 11536 रुपये दंडित राशि लगायी गयी है। बता दें की उक्त ई-रिक्शा को 7 अक्टूबर 2025 को उनके स्वामी द्वारा खरीदा गया था एवं बिना कनेक्शन लिए बिजली चोरी की जा रही थी। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार ने बताया की बिजली चोरी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है तथा बकायेदार उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन काटा जा रहा है। विद्युत कनेक्शन कटने के बाद पुनः विद्युत संयोजन (आरसी) शुल्क जमा करने के उपरांत ही विद्युत ऊर्जा का उपभोग की जाय अन्यथा जांच के क्रम मे बिजली चोरी पाए जाने पर सम्बंधित थानो मे जुर्माना के साथ प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। जाँच दल मे एसटीएफ के सहायक विद्युत अभियंता समरजीत कुमार एवं क्षेत्रीय मानवबल उपस्थित थें। विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज अंतर्गत नवंबर मे 57 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है, जिसमें कुल जुर्माना की राशि 11.87 लाख अधिरोपित है।

काराकाट थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के गंभीर मामले में अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा, सुरक्षा व्यवस्था सख्ताने का लिया फैसला

काराकाट / रोहतास। काराकाट थाना पुलिस ने मारपीट और हत्या के प्रयास के गंभीर मामले में कांड संख्या 405/25 के तहत कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया पूरी कर जेल भेज दिया है। थाना अध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि नासरीगंज थाना क्षेत्र के घनाव गांव निवासी 48 वर्षीय महेश चौधरी को गिरफ्तार किया गया है। यह मामला अगस्त महीने का है, जब हत्या के प्रयास की प्राथमिकी काराकाट थाना में दर्ज की गई थी। जानकारी के अनुसार, मोथा गांव निवासी शाहिद आलम उर्फ पिंटू ने शिकायत की थी कि वह काराकाट नगर पंचायत के करूप बाजार से मोथा घर लौट रहा था। इटवा के पास उसे चार लोगों ने घेरकर मारपीट की। शाहिद आलम ने एक आरोपी की पहचान की जबकि बाकी तीन अज्ञात थे। इसके आधार पर थाना में आवेदन देकर हत्या के प्रयास की प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। थाना अध्यक्ष विवेक कुमार ने कहा कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अपराधिक गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ी निगरानी जारी है। उन्होंने बताया कि पुलिस अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है और आम जनता से भी अपील की गई है कि वे आपराधिक गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें ताकि समय रहते सख्त कार्यवाही की जा सके।

26 अपराधियों की संपत्ति होगी जब्त, 9 का प्रस्ताव कोर्ट भेजा, एक की संपत्ति पहले ही जब्त

हाजीपुर। बिहार में NDA सरकार बनने के बाद पुलिस कार्रवाई में तेजी आई है। इसी क्रम में वैशाली पुलिस ने 26 अपराधियों की संपत्ति जब्त करने की तैयारी की है। इनमें से 9 अपराधियों की संपत्ति जब्त करने का प्रस्ताव न्यायालय को भेजा गया है, जबकि एक अपराधी की संपत्ति पहले ही जब्त की जा चुकी है। यह कार्रवाई नए भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत की जा रही है। वैशाली पुलिस द्वारा चिह्नित किए गए ये 26 अपराधी जिले के विभिन्न थानों से संबंधित हैं। इन पर खनन सहित कई आपराधिक मामलों में पहले से प्राथमिकी (FIR) दर्ज है। पुलिस ने इन अपराधियों की एक विस्तृत सूची तैयार की है। प्रभारी वैशाली एसपी अशोक मिश्रा ने इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वैशाली जिले में 26 लोगों को चिह्नित किया जा चुका है और 9 लोगों का प्रस्ताव माननीय न्यायालय में भेजा गया है। एक अपराधी की संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई पूरी हो चुकी है। एसपी मिश्रा ने आगे बताया कि चिह्नित करने की कार्रवाई लगातार जारी है। उन्होंने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी और थाना स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि ऐसे अपराधियों की सूचना संकलित की जाए, जिन्होंने आपराधिक घटनाओं को अंजाम देकर संपत्ति अर्जित की है। अधिकारियों को आय से अधिक संपत्ति वाले और आपराधिक मामलों में लंबित लोगों को चिह्नित करने के लिए कहा गया है।

10 लोगों से डीएम ने की मुलाकात

रोहतास । जिला पदाधिकारी उदिता सिंह के द्वारा दैनिक लोक साक्षात्कार के क्रम में कुल दस व्यक्तियों से साक्षात्कार किया गया। साक्षात्कार के दौरान ओम प्रकाश चौरसिया,होटल डिलक्स,सासाराम चैंबर ऑफ कॉमर्स के कोषाध्यक्ष एवं रोहतास शांति समिति के सदस्य के द्वारा अतिक्रमण तथा सासाराम रेलवे स्टेशन पर यातायात को सूचारू रूप से चलाने हेतु आवेदन दिया गया। करगहर प्रखंड के बलभद्रपुर गाँव निवासी देवमुनि सिंह की ओर से छुटे हुए जमाबंदी के सुधार हेतु आवेदन प्राप्त किया गया, जबकि शिवसागर प्रखंड के कझाँव गाँव निवासी राजु कुमार के द्वारा उत्पन्न भूमि विवाद को सुलझाने हेतु आवेदन दिया गया। तीनों आवेदन- पत्रों को निष्पादित करने हेतु हेतु जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी को अग्रसारित किया गया। सासाराम नगर थानाक्षेत्र के शाहजलालपीर निवासी स्व0 सतार अंसारी की पत्नी खुदैजा बीबी के द्वारा परिचारी के पद पर कार्यरत पुत्र का स्थानांतरण कराने के संबंध में आवेदन दिया गया,जिसे शीघ्र निष्पादन हेतु स्थापना उप समाहर्ता, रोहतास को निदेशित किया गया।इसी प्रकार प्राप्त शेष सभी आवेदन- पत्रों को अविलंब निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निदेशित किया गया।

दानापुर रेल मंडल के विभिन्न स्टेशनों,ट्रेनों में बिना टिकट, 6220 यात्री पकड़े गये

पटना। पूर्व मध्य रेल का दानापुर मंडल उचित टिकट,प्राधिकार के साथ यात्रा करने वाले रेल यात्रियों की सुविधा को लेकर निरंतर सजग व कार्यरत है। इस संबंध में बिना टिकट,उचित प्राधिकार के रेल यात्रा करने के विरुद्ध दानापुर मंडल में निरंतर टिकट चेकिंग कार्य सघनतापूर्वक कराया जा रहा है। इसी क्रम में आज दानापुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर ट्रेनों में मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया,जिसमें वाणिज्य विभाग एवं आरपीएफ की एक विशेष टिकट चेकिंग टीम शामिल रही। इस मेगा टिकट चेकिंग अभियान के दौरान दानापुर मंडल से चलने, गुजरने वाली प्रमुख ट्रेनों 12296(संघमित्रा एक्सप्रेस), 63213(पटना-आरा मेमू), 12792(दानापुर-सिकंदराबाद एक्सप्रेस) 12393(सम्पूर्णक्रान्ति एक्सप्रेस),जनसाधारण एक्सप्रेस सहित अन्य कम्प्युटर ट्रेनों में टिकट जाँच अभियान चलाया गया,जिसके फलस्वरूप 6220 अनियमित/बिना प्राधिकार वाले यात्रियों से जुर्माने के रूप में 34,0,7745/- रुपए (चौंतिस लाख सात हजार सात सौ पैंतालीस रूपये) रेल राजस्व अर्जित किया गया । इस विशेष टिकट चेकिंग अभियान के फलस्वरूप मंडल के स्टेशनों के टिकट काउंटरों पर यात्रियों की बढी हुई भीड़ देखी जा रही है,और यात्री उचित टिकट लेकर रेल यात्रा करने के प्रति यात्री जागरूक दिख रहे है। यह अभियान आगे भी जारी रहेगी।

बड़हरी बाजार में आभूषण की दुकान में बड़ी चोरी, इलाके में अफरा-तफरी

व्यवसायियों में गहरा आक्रोश, पुलिस ने जांच तेज़ की

निज संवाददाता। करगहर (रोहतास)

बड़हरी बाजार में बीती रात चोरों ने एक आभूषण की दुकान को निशाना बनाते हुए ताला तोड़कर कीमती गहनों पर हाथ साफ कर दिया। सुबह दुकान खुलने पर चोरी की घटना सामने आते ही बाजार में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय व्यवसायियों में इस वारदात को लेकर भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से व्यापारियों में असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरी दुकान का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस टीम ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की कोशिश की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही चोरी में शामिल अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। लगातार छापेमारी जारी है और सभी संदिग्धों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है। इस घटना के बाद बाजार के व्यापारियों ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने और रात में गश्ती तेज करने की मांग की है।

जिला पदाधिकारी द्वारा दस व्यक्तियों से लोक साक्षात्कार किया गया

निज संवाददाता। सासाराम(रोहतास)

जिला पदाधिकारी उदिता सिंह के द्वारा दैनिक लोक साक्षात्कार के क्रम में कुल दस व्यक्तियों से साक्षात्कार किया गया। साक्षात्कार के दौरान ओम प्रकाश चौरसिया,होटल डिलक्स,सासाराम चैंबर ऑफ कॉमर्स के कोषाध्यक्ष एवं रोहतास शांति समिति के सदस्य के द्वारा अतिक्रमण तथा सासाराम रेलवे स्टेशन पर यातायात को सूचारू रूप से चलाने हेतु आवेदन दिया गया। करगहर प्रखंड के बलभद्रपुर गाँव निवासी देवमुनि सिंह की ओर से छुटे हुए जमाबंदी के सुधार हेतु आवेदन प्राप्त किया गया, जबकि शिवसागर प्रखंड के कझाँव गाँव निवासी राजु कुमार के द्वारा उत्पन्न भूमि विवाद को सुलझाने हेतु आवेदन दिया गया। तीनों आवेदन- पत्रों को निष्पादित करने हेतु हेतु जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी को अग्रसारित किया गया। सासाराम नगर थानाक्षेत्र के शाहजलालपीर निवासी स्व0 सतार अंसारी की पत्नी खुदैजा बीबी के द्वारा परिचारी के पद पर कार्यरत पुत्र का स्थानांतरण कराने के संबंध में आवेदन दिया गया,जिसे शीघ्र निष्पादन हेतु स्थापना उप समाहर्ता, रोहतास को निदेशित किया गया।इसी प्रकार प्राप्त शेष सभी आवेदन- पत्रों को अविलंब निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निदेशित किया गया।

समाज सेवा और युवाओं को सशक्त बनाने का काम निरंतर जारी रहेगा : विकास वैभव

निज संवाददाता। बिक्रमगंज

पटना से सासाराम एक कार्यशाला में शरीक होने जा रहे लेट्स इंस्पायर बिहार के संस्थापक एवं वरिष्ठ आईपीएस सह आईजी विकास वैभव को बिक्रमगंज नगर के डुमरांव रोड स्थित तेंदुनी काली मंदिर के समीप सम्मानित किया गया । इस अवसर पर उन्हें फूलमाला,अंगवस्त्र और बुंकें भेंट कर सम्मानित किया गया । सम्मान समारोह में तमन्ना गैस एजेंसी बिक्रमगंज के ऑनर मनीष कुमार सिंह उर्फ टिल्लू सिंह,डॉ. नागेंद्र झा महिला कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अमरेंद्र मिश्रा,अधिवक्ता सतीश सिंह, दारा सिंह,महेंद्र नाथ पांडेय सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे । इस मौके पर उपस्थित लोगों ने विकास वैभव के सामाजिक कार्यो और जनसेवा के क्षेत्र में योगदान की सराहना की । उन्होंने कहा कि उनका यह प्रयास समाज में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार कर रहा है । स्थानीय लोगों ने भी उनके काम की भूरि-भूरि प्रशंसा की । विकास वैभव ने कहा कि समाज सेवा और युवाओं को सशक्त बनाने का काम निरंतर जारी रहेगा । उन्होंने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि मिलकर ही हम समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं । इस कार्यक्रम ने न सिर्फ स्थानीय लोगों को प्रेरित किया,बल्कि सामाजिक कार्यों में सहभागिता बढ़ाने का संदेश भी दिया ।

सेमिनार का किया गया आयोजन

निज संवाददाता। सासाराम(रोहतास)

गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित सूचना प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी विभाग ने 29 नवंबर 2025 को दोपहर 12:15 बजे से 2.15 बजे तक "रियल-वर्ल्ड ए आई एप्लीकेशन बनानाः कंप्यूटर विज़न और जेनरेटिव ए आई का हैंड्स-ऑन इंट्रोडक्शन" नाम का एक जानकारी भरा सेमिनार आयोजित किया।

इस सेमिनार का मकसद छात्रों और फैकल्टी मेंबर्स को कंप्यूटर विज़न और जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रैक्टिकल और तेज़ी से आगे बढ़ रहे डोमेन से परिचित कराना था जो ऑटोमेशन, इंटेलिजेंट डिसीजन-मेकिंग और क्रिएटिव कंटेंट जेनरेशन के ज़रिए इंडस्ट्रीज़ को बदल रहे हैं।

इस सत्र को मिस्टर मनीष कुमार ने लीड किया, जो एक जाने-माने लीड डेटा साइंटिस्ट, एम एल ओ पी एस इंजीनियर एवं जेनरेटिव ए आई और कंप्यूटर विज़न के एक्सपर्ट हैं, जिन्होंने बड़े पैमाने पर ए आई सॉल्यूशन डेवलप करने और डिप्लॉय करने में अपना बहुत ज़्यादा प्रोफेशनल एक्सपीरियंस शेयर किया।

सेमिनार के दौरान, मिस्टर कुमार ने पार्टिसिपेंट्स को ए आई-ड्रिवन विज़ुअल सिस्टम के बेसिक कॉन्सेप्ट्स से इंट्रोड्यूस कराया, और दिखाया कि कंप्यूटर विज़न मॉडल इमेज को कैसे एनालाइज़ करते हैं, पैटर्न को कैसे पहचानते हैं, और ऑब्जेक्ट डिटेक्शन, फेशियल रिकग्निशन और ऑटोनॉमस सिस्टम जैसे रियल-वर्ल्ड एप्लीकेशन को कैसे सपोर्ट करते हैं। उन्होंने जेनरेटिव ए आई टेक्नोलॉजी का एक हैंड्स-ऑन ओवरव्यू भी दिया, जिसमें मॉडर्न जेनरेटिव मॉडल के पीछे काम करने के प्रिंसिपल्स को समझाया और दिखाया कि वे इमेज कैसे बनाते हैं, क्रिएटिविटी को बढ़ाते हैं और ऑटोमेशन वर्कफ़्लो को सपोर्ट करते हैं। सेशन में भरोसेमंद, स्केलेबल और प्रोडक्शन-रेडी ए आई सिस्टम बनाने के लिए ज़रूरी एम एल ओ पी एस प्रैक्टिस पर भी ज़ोर दिया गया। स्टूडेंट्स ने इंटरैक्टिव डिस्कशन और प्रैक्टिकल उदाहरणों के ज़रिए एक्टिव रूप से हिस्सा लिया, जिससे ए आई इकोसिस्टम में उभरते ट्रेंड्स और करियर के मौकों के बारे में क्लैरिटी मिली। सेमिनार ने पार्टिसिपेंट्स की टेक्निकल समझ को सफलतापूर्वक मज़बूत किया और उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एडवांस्ड रिसर्च और इनोवेशन को एक्सप्लोर करने के लिए इंस्पायर किया। इस तरह के आगे की सोच वाले एकेडमिक इनिशिएटिव्स के ज़रिए, हाई-क्वालिटी, इंडस्ट्री-रिलेटेड लर्निंग एक्सपीरियंस देने और तेज़ी से बदलते ग्लोबल टेक्नोलॉजी लैंडस्केप में एक्सीलेंट होने के लिए लर्नर्स को तैयार करने के अपने कमिटमेंट को बनाए रखता है।

द डिवाइन पब्लिक स्कूल में इंटर हाउस बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन

आईपीएस विकास वैभव ने किया उद्घाटन

निज संवाददाता। बिक्रमगंज/रोहतास

अनुमंडल क्षेत्र स्थित द डिवाइन पब्लिक स्कूल धावां में शनिवार को विद्यालय प्रांगण उत्साह और उमंग से भर उठा, जब एकदिवसीय इंटर हाउस बैडमिंटन प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि आईपीएस विकास वैभव तथा विद्यालय के निदेशक अखिलेश कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। उद्घाटन के बाद पहला मुकाबला गंगा हाउस और यमुना हाउस के बीच खेला गया, जिसमें खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, टीम भावना और अनुशासन का अद्भुत प्रदर्शन किया। दर्शक दीर्घा में मौजूद विद्यार्थियों और अभिभावकों ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए आईपीएस विकास वैभव ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि "खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास का सबसे बड़ा माध्यम है।" उन्होंने खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और खेल संस्कृति के विकास पर विशेष जोर दिया। विद्यालय के निदेशक अखिलेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि द डिवाइन पब्लिक स्कूल हमेशा से छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धा की भावना, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में विद्यालय के शिक्षकों, खेल प्रशिक्षकों और विद्यार्थियों की सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम के अंत में विजेता टीमों को सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई।

इन्दिरा गांधी आश्रम कांग्रेस कार्यालय सासाराम में की गई समीक्षा बैठक

निज संवाददाता। सासाराम(रोहतास)

आज दिनांक 29/11/2025 को विगत विधानसभा चुनाव 2025 की समीक्षा बैठक जिला अध्यक्ष अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में इन्दिरा गांधी आश्रम कांग्रेस कार्यालय सासाराम में की गई। जिसमें कांग्रेसजनों ने अपने अपने प्रखंडों में कांग्रेस प्रत्याशी एवं महागठबंधन के प्रत्याशी के चुनावी हार के जिम्वार सरकार ने चुनाव के पूर्व वोटरों को लुभाने एवं रुपया महिला वोटरों के खाते में पैसा भेजने एवं स्ट्रांग रूम में गड़बड़ी पाई गई साथ ही मतदान केंद्र पर अनाधिकृत रूप से आंगनबाड़ी सेविका को तैनाती की गई थी जिसे मतदाताओं को भ्रमित करने का एवं सरकारी पार्टी के पक्ष में वोट डालने के लिए उत्प्रेरित कर रही थी जैसे अनेकों बात बताया गया।कांग्रेस पार्टी के आहवान पर दिनांक 14/12/2025 को दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस द्वारा SIR पर रैली के आयोजन में शामिल होने के लिए आग्रह किया गया।जिसमें मुख्य रूप से उपस्थिति राजेश्वर कुशवाहा रामनारायण राम, सासाराम नगर अध्यक्ष तौफीक अहमद मकरानी, धनंजय सिंह,, विमलेश तिवारी अजय चौबे, ज्ञान चंद ओझा, डॉ शैलेश सागर, रामानुज मिश्रा, सुदामा राम, सनोज कुमार चंद्रवंशी, मनीष कुमार, संदीप कुमार, मनोरंजन कुमार, डॉ जावेद अख्तर शामिल हुए।

तेजस्वी यादव को विधायक दल का नेता चुने जाने पर राजद नेता विनोद गुप्ता ने दी बधाई

कहा— विपक्ष और मजबूत होगा

निज संवाददाता। केसरिया

राजद व्यवसायिक प्रकोष्ठ के जिला प्रधान महासचिव सह जिला पार्षद पति विनोद गुप्ता ने महागठबंधन की बैठक में तेजस्वी यादव को विधायक दल का नेता चुने जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव ने हमेशा गरीब, शोषित, वंचित वर्ग की आवाज बुलंद की है और युवाओं के हित में लगातार काम किया है। उन्हें विपक्ष का नेता चुना जाना बिहार में लोकतंत्र एवं जनसरोकारों की जीत है।

विनोद गुप्ता ने कहा कि तेजस्वी यादव के नेतृत्व में बिहार में विपक्ष और अधिक मजबूत होगा तथा सरकार को जनहित, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास से जुड़े मुद्दों पर जवाबदेह बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव ने अपने राजनीतिक जीवन में यह सिद्ध किया है कि वे जनता के सवालों से समझौता नहीं करते और हर मुद्दे पर संघर्ष करने में सबसे आगे रहते हैं।

उन्होंने उम्मीद जताई कि तेजस्वी यादव के नेतृत्व में महागठबंधन के सभी दल एकजुट रहकर जनता की आवाज को विधानसभा में मजबूती से उठाएंगे। मौके पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी इस फैसले पर खुशी व्यक्त करते हुए इसे बिहार की राजनीति के लिए सकारात्मक बताया।

कढ़ान के लाल मनीष कुमार बने जेल अधीक्षक, पासिंग आउट परेड में उत्साह की लहर

निज संवाददाता। केसरिया

प्रखंड के कढ़ान पंचायत वार्ड नंबर 10 निवासी लाल मनीष कुमार ने बीपीएससी 69वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त कर जेल अधीक्षक पद के लिए चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हाजीपुर स्थित बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ करेक्शन एडमिनिस्ट्रेशन (BICA) में प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उनका पासिंग आउट परेड में 29 नवंबर 2025 को संपन्न हुआ। पासिंग आउट परेड के इस गौरवशाली क्षण में उनके माता-पिता चंपा देवी और बैजनाथ राय, चाचा-चाची उर्मिला देवी और ललन यादव, एवं दोनों बड़े भाई सुनिल यादव और अनिल यादव मौजूद रहे। समारोह में परिवार के सभी सदस्य अत्यन्त उत्साहित और भावुक नजर आए।

इस अवसर पर उनके चाचा ललन यादव ने गर्व व्यक्त करते हुए भावपूर्ण पंक्तियाँ समर्पित की— "वर्षों का संघर्ष जब ख़्वाबों से टकराते हैं, तो मम्मी-पापा बेटे के कंधे पर सितारे या अशोक स्तंभ लगाते हैं।" समारोह में शामिल बड़े भाई अनिल कुमार यादव, जो भारतीय सेना में कार्यरत हैं, ने मीडिया से बातचीत में कहा,"आज गांव को खाकी वर्दी में पहला अशोक स्तम्भ और सम्मान मिला है। यह पूरा दिन घर, परिवार, गांव, समाज और क्षेत्र के लिए गर्व और भावुकता से भरा हुआ है।" मनीष कुमार की सफलता से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। ग्रामीणों का कहना है कि यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

भागलपुर-आनंद विहार गरीब रथ दिसंबर में 4 दिन रद्द रहेगी

निज संवाददाता। भागलपुर

- कोहरे के चलते रेलवे ने लिया फैसला, गया-कामाख्या एक्सप्रेस पर भी असर

भागलपुर रेलवे स्टेशन से रोजाना हजारों यात्री सफर करते हैं। इनमें बड़ी संख्या दिल्ली जाने वाले यात्रियों की है। ऐसे यात्रियों के लिए बड़ी सूचना है। पूर्व रेलवे और मालदा डिवीजन ने दिसंबर से फरवरी के बीच कई महत्वपूर्ण ट्रेनों को रद्द करने का फैसला लिया है। कुछ के फेरों में कटौती की जाएगी। आगामी दिनों में संभावित भीषण ठंड और घने कोहरे के कारण ट्रेन परिचालन प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। इसी वजह से यह निर्णय लिया गया है। सबसे ज्यादा असर गरीब रथ एक्सप्रेस के यात्रियों पर पड़ेगा। भागलपुर-आनंद विहार टर्मिनल के बीच चलने वाली 22405 गरीब रथ एक्सप्रेस दिसंबर में चार दिनों तक नहीं चलेगी। जनवरी में यह ट्रेन नौ दिनों के लिए रद्द रहेगी। इसी रूट की वापसी ट्रेन 22406 भी दिसंबर में पांच दिन, जनवरी में चार दिन और फरवरी में चार दिनों तक रद्द रहेगी।

गया-कामाख्या एक्सप्रेस पर भी असरः मालदा डिवीजन की एक और महत्वपूर्ण ट्रेन न्यू फरक्का एक्सप्रेस के परिचालन पर भी बड़ा असर पड़ेगा। मालदा से नई दिल्ली जाने वाली 14004 न्यू फरक्का एक्सप्रेस 6 दिसंबर से 28 फरवरी तक बंद रहेगी। नई दिल्ली से मालदा टाउन के लिए चलने वाली 14003 ट्रेन 4 दिसंबर से 26 फरवरी तक निरस्त रहेगी। इसके अलावा गया-कामाख्या साप्ताहिक ट्रेनें भी प्रभावित होंगी। 15619 गया-कामाख्या एक्सप्रेस 2 दिसंबर से 24 फरवरी तक नहीं चलेगी। 1526 कामाख्या-गया ट्रेन 1 दिसंबर से 23 फरवरी तक रद्द रहेगी।

यात्रियों की बढ़ सकती है परेशानीः मालदा डिवीजन के PRO रसराज माजी ने बताया कि नवगछिया होकर गुजरने वाली कई ट्रेनों पर भी असर पड़ेगा। सोनपुर डिवीजन ने सीमांचल एक्सप्रेस और सिक्किम महानंदा एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों को रद्द करने या फेरों में कटौती करने का निर्णय लिया है। इससे सीमांचल क्षेत्र के यात्रियों की परेशानी और बढ़ेगी। कोहरा और सर्दी के मौसम में सुरक्षा पहली प्राथमिकता है। ट्रेनों की गति पर असर पड़ता है। सिग्नल विजिबिलिटी कम हो जाती है। इसलिए नियंत्रित और सुरक्षित संचालन के लिए यह कदम उठाया गया है।

वन विभाग के एएसआई और भाई हमला

निज संवाददाता। भागलपुर

- बदमाशों ने मोबाइल और सोने का लॉकेट छीना, विरोध करने पर सिर फोड़ा

भागलपुर में वन विभाग के असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (एएसआई) और उनके भाई के साथ मारपीट हुई है। बदमाशों ने दोनों भाइयों के साथ मारपीट कर सिर फोड़ दिए। एएसआई से मोबाइल और सोने का लॉकेट छीनकर फरार हो गए। घायल एएसआई की पहचान मधुसूदनपुर के मनोहरपुर नवटोलिया निवासी विकास यादव और उनके भाई नीतीश कुमार के तौर पर हुई है। विकास यादव की पोस्टिंग कैमूर जिले में है। घटना नाथनगर थाना क्षेत्र के दोगछी गांव की है।

विरोध करने पर मारपीटः एएसआई ने बताया कि अपनी बहन के घर दोगछी नवटोलिया गए थे। पास के गांव में यज्ञ हो रहा था। मेला भी लगा था। भाई और भतीजे के साथ देखने चला गया। मेले में भतीजा खो गया। खोजबीन के लिए मैं फतेहपुर गांव की ओर निकले। सुनसान रास्ते से गुजरते समय पांच बदमाशों ने मेरे भाई को घेर लिया। बाइक छीनने की कोशिश करने लगे। विरोध करने उसकी पिटाई कर दी। उसी समय पीछे से मौके पर मैं पहुंचा। भाई को बचाने के दौरान मेरे पर भी हमला कर दिया। लोहे के रॉड और धारदार हथियार से दोनों भाइयों के सिर पर मारा। मोबाइल और सोने का लॉकेट छीनकर भाग गए। इसके बाद इलाज के लिए स्थानीय क्लिनिक पर पहुंचा। सहयोगियों और रिश्तेदारों की मदद से बदमाशों की पहचान कर ली गई है।

आवेदन के आधार पर की जाएगी कार्रवाईः अब तक इस मामले में नाथनगर थाने में कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। थानाध्यक्ष राजीव रंजन सिंह ने बताया कि पीड़ित की ओर से लिखित शिकायत मिलने पर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मोबाइल चार्ज करते समय छात्र की मौत

- खुले बिजली के तार की चपेट में आने से लगा करंट, काफी देर तक रहा चपेट में

निज संवाददाता। बांका

बांका के बाराहाट थाना क्षेत्र के बभनगामा गांव में शनिवार को मोबाइल चार्ज करते समय करंट लगने से एक छात्र की मौत हो गई। मृतक की पहचान 29 साल के अमरेंद्र कुमार के रूप में हुई है, जो स्वर्गीय चंद्र दास के पुत्र और बभनगामा के निवासी थे। परिजनों ने बताया कि अमरेंद्र अपने घर के एक अलग कमरे में रहकर पढ़ाई करता था। घटना के दिन वह अपने कमरे में मोबाइल चार्ज करने के लिए चार्जर का स्विच लगा रहा था, तभी वह खुले बिजली के तार की चपेट में आ गया।

बेहोशी की हालत में फर्श पर पड़ा पाया अमरेंद्रः कुछ देर बाद, जब परिजन अमरेंद्र को देखने उसके कमरे में गए, तो उन्होंने उसे बेहोशी की हालत में फर्श पर पड़ा पाया। परिजनों ने तुरंत शोर मचाया और अन्य सदस्यों की मदद से उसे बाराहाट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद, उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे बांका सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपाः बांका सदर अस्पताल पहुंचने पर, ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. अपूर्वाआ ने जांच के उपरांत अमरेंद्र को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर ने पुष्टि की कि उसकी मौत बिजली के करंट लगने से हुई है। परिजनों के अनुरोध पर, शव का सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया गया। इस दुखद घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है।

हाई कोर्ट खंडपीठ की मांग तेज

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में हाई कोर्ट खंडपीठ की स्थापना की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। शनिवार को इसी मांग को लेकर जिले के सैकड़ों अधिवक्ता समाहरणालय के गेट नंबर-3 पर जुटे और एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना दिया। अधिवक्ताओं ने कहा कि भागलपुर में खंडपीठ की मांग कोई नई नहीं है, बल्कि यह कई दशक पुरानी आवाज है, जिसे हर सरकार ने अनसुना किया है। धरना को संबोधित करते हुए जिला विधिज्ञ संघ के महासचिव अंजनी कुमार ने कहा कि भागलपुर और आसपास के जिलों के लोगों को न्यायिक कार्यों के लिए पटना हाई कोर्ट तक 250 से 300 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। इससे आम जनता को आर्थिक, समयगत और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ते मामलों की संख्या और पूर्व बिहार के करोड़ों की आबादी को देखते हुए भागलपुर में हाई कोर्ट की खंडपीठ स्थापित करना बेहद जरूरी है।

वकील बोले- खंडपीठ की स्थापना से न्यायिक व्यवस्था को तेजी मिलेगीः अधिवक्ताओं ने कहा कि भागलपुर एक ऐतिहासिक शहर है, जहां विधि शिक्षा, न्यायिक संस्थानों और प्रशासनिक ढांचे की मजबूत उपस्थिति है। यहां खंडपीठ की स्थापना से न्यायिक व्यवस्था को गति मिलेगी और आसपास के जिलों बांका, मुंगेर, गोड्डा, साहेबगंज, लखीसराय, जमुई सहित पूरे कोसी-पूर्वी बिहार क्षेत्र को सीधा लाभ मिलेगा। धरना में उपस्थित अधिवक्ताओं ने कहा कि पटना हाई कोर्ट पर बढ़ते बोझ को कम करने के लिए भी यह कदम जरूरी है।

जेल में देर रात डीएम-एसपी की छापेमारी

निज संवाददाता। मुंगेर

शुक्रवार देर रात मुंगेर मंडल कारा में अचानक छापेमारी की गई। जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) निखिल धनराज निप्पणीकर और पुलिस अधीक्षक (एसपी) सैयद इमरान मसूद के नेतृत्व में यह कार्रवाई हुई। रात करीब 2 बजे भारी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस बल बिना जेल अधीक्षक को सूचना दिए जेल में दाखिल हुए और कैदी वार्डों की तलाशी शुरू कर दी। छापेमारी की सूचना मिलते ही जेल अधीक्षक किरण निधि भी अपने सरकारी आवास से मंडल कारा पहुंचीं और अधिकारियों के साथ तलाशी अभियान में शामिल हो गईं। इस अभियान में मुंगेर मंडल कारा के पुलिस अधिकारियों और जवानों के अतिरिक्त जिले के एक दर्जन से अधिक थानाध्यक्ष और लगभग 100 जिला पुलिस जवान भी शामिल थे।

पुलिसकर्मी और कैदी हुए हैरानः अचानक हुई इस छापेमारी से जेल के अंदर सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी और सो रहे कैदी भी हैरान रह गए। कैदियों को समझ नहीं आ रहा था कि रात के समय अचानक डीएम, एसपी और अन्य अधिकारी उनके वार्डों की जांच क्यों कर रहे हैं। तलाशी अभियान के दौरान महिला और पुरुष कैदी वार्डों के सभी सेल की गहन जांच की गई। उन सभी स्थानों की बारीकी से पड़ताल की गई जहां कैदी सो रहे थे। हालांकि, इस व्यापक जांच के बावजूद जेल के भीतर से कोई भी आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई। यह छापेमारी अभियान लगातार तीन घंटे तक चला। शनिवार की सुबह लगभग 4 बजे डीएम, एसपी सहित सभी प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी तलाशी पूरी कर जेल से बाहर निकले।

SP की मौजूदगी में औचक निरीक्षणः इस संबंध में जानकारी देते हुए जिलाधिकारी ने बताया कि जेल के अंदर लगातार समय-समय पर रूटीन जांच होती है, लेकिन हम लोगों के द्वारा एसपी की मौजूदगी में अन्य प्रशासनिक अधिकारी और जवानों के द्वारा यह औचक निरीक्षण था। रात के 2:00 बजे जेल में छापेमारी करने गए और जेल के अंदर जितने भी कैदी वार्ड है उन सभी जगह पर गहन तरीके से जांच की गई, लेकिन इसमें कुछ भी आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं हुए। यह एक अच्छी बात है।

संक्षिप्त समाचार

शारीरिक और मानसिक शोषण के साथ धर्म परिवर्तन मामले को लेकर पुलिस गंभीर और संवेदनशील

अररिया। फारबिसगंज थाना क्षेत्र के एक महिला ने नरपतगंज के आठ लोगों के खिलाफ शारीरिक और मानसिक शोषण के साथ धर्म परिवर्तन मामले को लेकर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के समक्ष परिवाद दायर मामले को अररिया जिला पुलिस ने गंभीरता से लिया है।एसपी ने मामले में हरेक गतिविधि पर संवेदनशीलता बरतते हुए सतर्कता बरतने के निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिया है। मामले को लेकर अररिया जिला पुलिस की ओर से एक विज्ञप्ति भी जारी किया गया है,जिसमें बताया गया कि मामले के संज्ञान में आने के उपरांत फारबिसगंज थानाध्यक्ष द्वारा उपलब्ध प्राथमिक सूचनाओं का सत्यापन कराया गया। प्रारंभिक स्तर पर प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह पाया गया है कि पीड़िता और अभियुक्त मो. आलम पूर्व से एक-दूसरे को जानते थे, तथा अभियुक्त मो. आलम, पीड़िता के पति का परिचित रहा है और उसका उनके घर पर आना-जाना पूर्व से होता रहा है। प्रारंभिक तथ्यों से यह भी ज्ञात हुआ है कि पीड़िता मो. आलम के साथ अपनी स्वेच्छा से गई थी। इस संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि परिवादिनी द्वारा दायर परिवाद फारबिसगंज थानाध्यक्ष को प्राप्त नहीं हुआ है। जैसे ही परिवाद एवं न्यायालय का आदेश विधिवत प्राप्त होगा, प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की जाएगी तथा आवश्यकतानुसार तत्काल एवं समुचित विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। फारबिसगंज पुलिस इस प्रकरण के प्रति पूर्णतः संवेदनशील है और मामले की हर जानकारी पर सतर्क निगरानी रख रही है।

अंतर्राज्यीय स्मैक कारोबारी सास-दामाद 206 ग्राम स्मैक,50 हजार रूपये नगद के साथ गिरफ्तार

अररिया। जिले की पलासी थाना पुलिस ने शनिवार को गुप्त सूचना पर अंतर्राज्यीय स्मैक कारोबार करने वाला सास और दामाद को 206 ग्राम स्मैक,50 हजार रूपये नगद के साथ गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।जानकारी एसपी अंजनी कुमार ने दी। एसपी अंजनी कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में जानकारी देते हुए बताया कि पलासी थाना में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार को गुप्त सूचना मिली कि कलियागंज से आ रही राज दुलारा बस संख्या बीआर 38 पी 3278 में एक महिला और एक पुरुष स्मैक लेकर पलासी की ओर आ रहा है।प्रमोद कुमार ने इसकी सूचना थानाध्यक्ष समेत वरीय अधिकारियों को दी।जिसके बाद एसपी अंजनी कुमार ने तुरंत ही पलासी थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया। छापामारी दल पलासी चौक पर पहुंचकर बस का इंतजार करने लगी।बस के आने पर जब बस की तलाशी ली गई तो दो अलग अलग सीट पर एक महिला और एक पुरुष संदिग्ध हालत में बैठी मिली।पूछने पर नाम पता बदल बदलकर बता रही थी।जिसके बाद छापामारी दल ने दोनों को बस से उनके समानों के साथ नीचे उतारकर तलाशी ली तो पश्चिम बंगाल के मालदा जिला के महेशापुर नयाग्राम कलिया चौक के 40 वर्षीय सलिअख शेख पिता सोलू शेख के पास से एक मोबाइल और मालदा के खनता कलिया चौक की रहने वाली महिला 58 वर्षीया बेहुला पति मंसूर अली के कपड़ों में छिपाकर रखे गए काले रंग के पालीथिन में 206 ग्राम स्मैक और 50 हजार नगद राशि बरामद की गई। दोनों आपस में सास और दामाद है और दोनों मिलकर स्मैक कारोबार करने की बात पुलिसिया पूछताछ में स्वीकार की।मामले को लेकर पलासी थाना में कांड संख्या 471/25 दिनांक 29.11.25 धारा 8(सी),20(बी),22(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज किया गया है।एसपी ने बताया कि स्मैक की खरीद बिक्री से जुड़े अन्य पहलुओं को लेकर पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। छापामारी दल में पलासी थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार,सब इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार,अमरनाथ राय, रौशन कुमार सिंह,श्यामा सिंह और सशस्त्र बल के जवान थे।

अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी में निपुण बिहार के तहत बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति पर जोर

अररिया। फारबिसगंज के तिरसकुंड पंचायत स्थित प्राथमिक विद्यालय आदिवासी टोला मधुरा में शनिवार को बिहार अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का मुख्य थीम निपुण बनेगा बिहार हमारा तथा हर बच्चा होगा अब स्कूल का हिस्सा होगा पर कार्यक्रम आयोजित किया गया । प्रभारी प्रधानाध्यापक रंजीत कुमार मंडल ने बताया कि हम सबों का इस संगोष्ठी में भाग लेने का सबसे मुख्य कारण है बच्चों का शत प्रतिशत विद्यालय आना और समाज के हर बच्चों को विद्यालय से जोड़ना जब तक बच्चे विद्यालय नहीं आएंगे , तो बिहार निपुण नहीं बनेगा। इसलिए आप लोग बिहार को निपुण बनाने में हमारी मदद करें और बच्चों को विद्यालय भेजें। पूर्व प्रधानाध्यापक कुमार राजीव रंजन ने बताए कि दिसम्बर माह से शिक्षक के तरह ही बच्चों का ऑनलाइन एटेंडेंस बनेगा,इसलिए बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थित अनिवार्य है ।फोकल शिक्षक संजीत कुमार निगम ने सुरक्षित शनिवार में महीना के पांचवे शनिवार के स्थिति में विषय स्वच्छता और साफ सफाई, जैसे महामारी, पानी की स्वच्छता, शौचालय, रसोई की सफाई आदि विषय पर विस्तार से चर्चा किया। इस संगोष्ठी में सभी शिक्षक, विद्यालय शिक्षा समिति के सभी सदस्य व दर्जनों अभिभावक मौजूद थे।

सदर अस्पताल से अपहृत नौ माह का अरबाज सकुशल बरामद

अररिया। अररिया नगर थाना क्षेत्र के गैयारी से 25 नवंबर को सदर अस्पताल से अपहृत नौ माह का मो. अरबाज पिता शमशाद आलम को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है।पुलिस ने अपहृत बालक को पलासी के ककोड़वा वार्ड संख्या 5 से बरामद किया है। मामले में पुलिस ने नौ माह के बच्चे का अपहरण करने वाली अपहृता रोमी खातून को भी गिरफ्तार किया है।अपहरणकर्ता रोमी खातून शमशाद आलम के मकान में ही किराया में रहती थी और जब बालक के तबीयत खराब होने पर अरबाज को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था तो रोमी खातून बालक को वार्ड से अपहरण कर अपने साथ लेकर चली गई।एसपी अंजनी कुमार ने शनिवार को यह जानकारी दी। एसपी अंजनी कुमार ने बताया नगर थाना क्षेत्र के गैयारी की रहने वाली 30 वर्षीया बीबी नाजवीन पति शमशाद आलम ने नौ माह के नाबालिग पुत्र मो.अरबाज आलम के अपहरण होने की जानकारी दी थी।किरायेदार के रूप में रहने वाली रोमी खातून पर बच्चे के अपहरण की आशंका जाहिर करते हुए नगर थाना में कांड संख्या 474/25 दिनांक 26.11.25 को धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी।एसपी ने बताया कि मामले की जानकारी के बाद सदर एसडीपीओ सुशील सिंह के नेतृत्व में नगर थानाध्यक्ष और डीआईयू के साथ एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल द्वारा विभिन्न स्रोतों से सूचना को संकलित करने के साथ ही तकनीकी अनुसंधान तथा विभिन्न स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को खंगालना शुरू किया।जिसके आधार पर पलासी थाना क्षेत्र के डेहटी पंचायत के ककोड़वा वार्ड संख्या 5 से अपहृत मो.अरबाज आलम की सकुशल बरामदगी की गई।वहीं अपहरणकर्ता रोमी खातून को भी गिरफ्तार किया गया। छापामारी दल में नगर थानाध्यक्ष मनीष कुमार रजक,सब इंस्पेक्टर अमरेंद्र कुमार,सोनिया साहनी,अमित कुमार के साथ सशस्त्र बल के जवान मौजूद थे।

आरटीपीएस कर्मियों को मिला ग्रुप हेल्थ इंश्योरेंस का लाभ

बांका। बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी अंतर्गत कार्यरत सभी पदाधिकारी व कर्मियों को राज्य सरकार द्वारा ग्रुप हेल्थ इंश्योरेंस योजना का लाभ प्रदान किया गया है। इस योजना के अंतर्गत एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा सभी कर्मियों के लिए हेल्थ कार्ड जारी किए गए हैं। शुक्रवार की दोपहर डीएम नवदीप शुक्ला ने सभी आरटीपीएस कर्मियों को हेल्थ कार्ड का वितरण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने सरकार की इस पहल को कर्मचारियों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम बताया और कहा कि इससे जरूरत के समय बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगी। ग्रुप हेल्थ इंश्योरेंस योजना से आरटीपीएस कर्मियों को आर्थिक सुरक्षा के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा, जिससे वे और अधिक निष्ठा व मनोयोग के साथ अपने कार्यों का निर्वहन कर सकेंगे।

कार्यालय– असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, गढ़वा

विज्ञापन सं० – 02/2025–26 आवेदन की अंतिम तिथि–12/01/2026

नियुक्ति संबंधी सूचना

जिला स्वास्थ्य समिति गढ़वा के अधीन जिला स्तरीय संविदा/अनुबंध आधारित कर्मियों के रिक्त पदों पर चयन/नियुक्ति हेतु निबंधित डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से निम्नवत् रूप से आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं।

सभी तरह से पूर्ण आवेदन को बंद लिफाफे में निबंधित डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, गढ़वा के पते पर प्राप्त किया जायेगा। विज्ञापन की रिक्ति, योग्यता आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी garhwa.nic.in से प्राप्त किया जा सकता है।

असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, गढ़वा

PR 367391 Health Med Edu and Family Welfare(25-26)#D

कार्यालय– जिला कृषि पदाधिकारी, गढ़वा
E-Mail Id- agriculturegarhwa2015@gmail.com

आम सूचना

वित्तीय वर्ष 2025-26 में झारखण्ड राज्य मिलेट्स मिशन योजना का कार्यान्वयन किया जा रहा है योजना अन्तर्गत मिलेट्स कैफेटेरिया प्रमुख स्थानों सरकारी भवनों, विश्वविद्याालय परिसरों में खोला जाना है। गढ़वा जिला अन्तर्गत इच्छुक स्वंय सहायता समूह/FPO/सहकारी समिति/महिला उद्यमी जो जनता उपभोग हेतु मिलेट के मूल्यवर्धित खाद्य उत्पाद स्नैक्स इत्यादि का उत्पादन करते हैं वो अपना प्रस्ताव दिनांक 08-12-2025 तक जिला कृषि कार्यालय, गढ़वा को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाय।

- आवेदन करते हेतु पोर्टल की विवरणी jhmm.jharkhand.gov.in

जिला कृषि पदाधिकारी,
गढ़वा

PR 367395 (Agriculture)25-26*D

आसनसोल मंडल के तहत कुमड़ाबाद रोहिणी हॉल्ट स्टेशन में हॉल्ट ठेकेदारों की नियुक्ति

सं.: सी.5/हॉल्ट/केवीक्यू/एएसएन/2025, दिनांक : 01.12.2025

आसनसोल मंडल के तहत नीचे उल्लेखित स्टेशन में यात्रियों को टिकट बेचने के लिए हॉल्ट ठेकेदारों की नियुक्ति की जाएगी। **स्टेशन का नाम** : कुमड़ाबाद रोहिणी। **स्थान** : शंकरपुर एवं जसीडीह स्टेशनों के बीच। **फीडिंग स्टेशन** : जसीडीह। रेलवे बोर्ड के नीति दिशानिर्देशों के अनुसार ऊपर उल्लेखित स्टेशन में हॉल्ट ठेकेदारों के संचालन अनुबंध के लिए विश्वसनीय स्थानीय व्यक्तियों (अन्य क्षेत्र से नहीं) से एक मुहरबंद लिफाफे में आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं, जिसके ऊपर "कुमड़ाबाद रोहिणी स्टेशन में टिकटों की बिक्री के लिए हॉल्ट ठेकेदार के लिए आवेदन" लिखा होना चाहिए। **भुगतेय कमीशनः** हॉल्ट ठेकेदार को भुगतेय कमीशन हर महीने के लेनदेन के आधार पर होगा ना कि पूरे वर्ष के मासिक औसत बिक्री कारोबार के आधार पर। भुगतेय कमीशन निम्नानुसार होंगेः- **बिक्री कारोबार (रु.) और भुगतेय कमीशन** क्रमशः निम्नलिखित हैं : रु. 1 - 15,000/- : 15%**, रु. 15,001-50,000/- : 12%, रु. 50,001-1,00,000/- : 9%, रु. 1,00,001-2,00,000/- : 6% तथा 2,00,001 और उससे अधिक : 3%। ** *हॉल्ट ठेकेदारों को भुगतेय न्यूनतम कमीशन 2 जोड़ी तक ट्रेनों के ठहराव वाले हॉल्टों के लिए रु. 1,000/- प्रति माह तथा 2 जोड़ी से अधिक ट्रेनों के ठहराव वाले हॉल्टों के लिए रु. 1,500/- प्रति माह होगा।* **अनुबंध की अवधिः** प्रारम्भ में 5 वर्षों के लिए, इसे और पांच वर्षों तक बढ़ाया जा सकता है। **आवेदकों को निम्नलिखित पात्रता मानदंडों को पूरा करना होगाः** (1) हॉल्ट ठेकेदार को उस स्थान का स्थायी निवासी होना चाहिए जहां हॉल्ट स्टेशन स्थित है। निवासी को स्थानीय निवासी माना जाना चाहिए, अगर वह उसी जिले का निवासी हो जिस जिले में स्टेशन स्थित है। (2) नए ठेकेदारों (अर्थात 24.06.2005 के बाद नियुक्त किये गए ठेकेदारों) के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता कम से कम 10वीं कक्षा उत्तीर्ण की होनी चाहिए। (3) आवेदक की आयु 01.12.2025 को 18 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। (4) आवेदक को अपनी शारीरिक फिटनेस के समर्थन में एक मेडिकल सर्टिफिकेट प्रस्तुत करना चाहिए और उसमें उल्लेख होना चाहिए कि वह किसी भी संक्रामक बीमारी से मुक्त है। (5) आवेदक को अपने स्थानीय पुलिस थाने से एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा, जिसमें यह उल्लेख होना चाहिए कि उसका कोई भी आपराधिक रिकार्ड नहीं है और ना ही उसके खिलाफ कोई आपराधिक मामला लंबित है। **प्रकाशन की तारीख और समयः** 04.12.2025 को 10.00 बजे।

आवेदन पत्र **दिनांक 18.12.2025 से 06.01.2026 को 14.00 बजे तक** (शनिवार, रविवार एवं छुट्टी के दिनों को छोड़कर) कार्यालय समय के दौरान **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल (वाणिज्य खंड), डीआरएम कार्यालय, पूर्व रेलवे, आसनसोल** के कार्यालय में रखी गई पेटी में डाले जाने चाहिए। **उपर्युक्त तारीख के बाद प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। मुहरबंद पेटी को खोलने की तारीख और समय 06.01.2026 को 16.00 बजे होगा।** अगर मुहरबंद पेटी खुलने की तारीख को छुट्टी का दिन/बंद का दिन घोषित होता है अथवा किसी अप्रत्याशित कारण से इसे खोलना संभव नहीं होता है, तो मुहरबंद पेटी अगले कार्य दिवस को उसी निर्धारित समय पर खोली जाएगी। आवेदकों से अनुरोध है कि वे मुहरबंद पेटी को खोलने के समय उपस्थित रहें। **प्रतिभूति जमाः** जिस व्यक्ति को अनुबंध प्रदान किया जाएगा, उसे रेलवे प्रशासन द्वारा तय की गई रु. 2,000/- अथवा उससे अधिक की प्रतिभूति राशि **जसीडीह स्थित बुकिंग कार्यालय** यानी **कुमड़ाबाद रोहिणी** के पास जमा करनी होगी। विस्तृत अधिसूचना, अन्य नियम एवं शर्तों और आवेदन प्रपत्र **दिनांक 04.12.2025 को 11.00 बजे से 05.01.2026 को 23.59 बजे तक** रेलवे की वेबसाइटः **www.er.indianrailways.gov.in** से डाउनलोड किये जा सकते हैं अथवा मंडल वाणिज्य प्रबंधक, डीआरएम कार्यालय, पूर्व रेलवे, आसनसोल के कार्यालय में (दिनांक 04.12.2025 से 05.01.2026 तक) किसी भी कार्यदिवस को 11.00 बजे से 17.00 बजे तक उपलब्ध रहेंगे। किसी भी तरह की पूछताछ के लिए कृपया वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, डीआरएम कार्यालय, पूर्व रेलवे, आसनसोल के कार्यालय से किसी भी कार्यदिवस को **11.00 बजे से 17.00 बजे के बीच** सम्पर्क करें।

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), आसनसोल

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

जलपुरा में बेटे व बहू ने पिता को मारपीट कर किया जख्मी

कोईलवर। कोईलवर चांदी थाना क्षेत्र के जलपुरा गांव में पारिवारिक विवाद के बीच एक वृद्ध पिता की पिटाई का मामला सामने आया है। गांव निवासी जयकिशुन महतो ने अपने बड़े बेटे और बहू पर लाठी–डंडे और ईंट से हमला कर सिर फोड़ देने का गंभीर आरोप लगाया है। घायल अवस्था में उन्होंने चांदी थाने पहुंचकर लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित जयकिशुन महतो ने बताया कि घटना उस समय हुई जब वे घर में मोबाइल से बात कर रहे थे। इसी दौरान उनका बड़ा बेटा प्रदीप कुमार और उसकी पत्नी गीता देवी पहुंच गए। दोनों ने उनसे छोटे बेटे के घर की चाबी मांगी। जयकिशुन महतो के मना करने पर विवाद बढ़ गया और आरोप है कि प्रदीप और उसकी पत्नी ने लाठी–डंडे और ईंट से उन पर हमला कर दिया, जिससे उनका सिर फट गया और वे जमीन पर गिर पड़े। हमले में जख्मी पिता की तस्वीर

15 अपीलीय मामलों की हुई सुनवाई, निष्पादन का निर्देश

आरा। जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देश के आलोक में शुक्रवार को अपर समाहर्ता, लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी ने बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 अंतर्गत द्वितीय अपील में कुल 15 अपीलीय मामले की सुनवाई की। इसमें से मुख्यतः राजस्व व भूमि सुधार विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, नगर विकास व आवास विभाग और गृह विभाग से संबंधित मामले रहें। जिनमें से कुल 06 मामले को निष्पादित किया गया। इधर, जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देशानुसार अपर समाहर्ता विशेष ने "जिला जनता दरबार" में 41 लोगों की समस्याओं को सुना और उनकी समस्याओं के अविलंब निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

सीताराम विवाह महोत्सव में हुआ भजन-कीर्तन

आरा। महावीर स्थान, रमना मैदान में राष्ट्रीय महिला परिषद माचा स्वामी महिला सेवा समिति द्वारा चल रहें श्री सीताराम विवाह महोत्सव के छठवें दिन आध्यात्मिक वातावरण मंत्रोच्चार, भजन और पौराणिक प्रसंगों से गूंज उठा। सुबह की वेला में वैदिक रीति से पूजन, रामचरितमानस के दिव्य प्रसंगों की कथाएं और दोपहर में श्रीमद्भागवत की अमृतमयी व्याख्या ने श्रद्धालुओं को भक्ति के सागर में डुबो दिया। कथा के बीच प्रस्तुत जटायु प्रसंग ने उपस्थित जनों को भाव-विभोर कर दिया, वहीं 'बामन चरित्र' और श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की झांकी ने आयोजन को और भी भव्य बना दिया। समिति की महिलाओं और सदस्यों की सक्रियता तथा प्रसाद वितरण से पूरा परिसर भक्तिमय बना रहा।

स्व-रोजगार के लिए निशुल्क टूलकिट वितरण 40 वर्ष तक के युवाओं को मिलेगा लाभ

आरा। श्रम संसाधन विभाग, जिला नियोजनालय भोजपुर (आरा) ने रोजगार सेवा के विस्तार योजना के तहत जिले के बेरोजगार एवं प्रशिक्षित युवाओं के लिए निःशुल्क टूलकिट उपलब्ध कराने की घोषणा की है। इनमें इलेक्ट्रीशियन, फिटर, मोबाइल रिपेयरिंग, ब्यूटीशियन, प्लम्बर, इलेक्ट्रॉनिक रिपेयर, होम अप्लायंसेस रिपेयर और सिलाई मशीन ऑपरेटिंग सहित अन्य शामिल है। यह सुविधा उन अभ्यर्थियों को दी जाएगी जिन्होंने विभिन्न तकनीकी ट्रेडों में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इसके लिए अहर्ता बिहार निवासी ऐसे अभ्यर्थी जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय अधिकतम 3,00,000 हो, इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। चयन में पिछले वर्ष की भांति नियोजनालय में पूर्व पंजीकरण को प्राथमिकता दी जाएगी। अभ्यर्थी को सरकार अथवा मान्यता प्राप्त संस्था से संबंधित ट्रेड में कम से कम 3 महीने का प्रशिक्षण प्राप्त होना चाहिए तथा आयु 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए। चयनित युवाओं को इलेक्ट्रीशन-लाइनमैन टूल, प्लम्बर किट, मोबाइल रिपेयरिंग किट, सिलाई मशीन, फिटर-टर्नर किट आदि जैसे पूर्ण टूलकिट बिल्कुल निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे। इच्छुक अभ्यर्थी 6 दिसंबर 2025 तक कृषि भवन स्थित जिला नियोजनालय, भोजपुर, आरा में आवेदन जमा कर सकते हैं। आवेदन की जांच एवं लाभुक चयन अपर निदेशक नियोजन, पटना प्रमंडल की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा किया जाएगा। सूची को नियोजनालय परिसर में प्रदर्शित किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी मोबाइल नंबर 8825174291 एवं 06182-353121 पर संपर्क कर सकते हैं। यह योजना तकनीकी रूप से दक्ष युवाओं को स्व-रोजगार के रास्ते खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राष्ट्रीय विद्यालय हैंडबॉल चैंपियनशिप में बिहार को कांस्य

आरा। कर्नाटक के बेंगलुरु में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय विद्यालय हैंडबॉल बालक (अंडर-17) चैंपियनशिप में बिहार की हैंडबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतकर राज्य और जिले का मान बढ़ाया है। लीग से लेकर नॉकआउट राउंड तक टीम ने दमदार खेल दिखाया। खास बात यह रही कि बिहार की इस विजेता टीम में भोजपुर जिले के तीन खिलाड़ियों—सीटू कुमार, सुजल कुमार और पवन यादव का शानदार योगदान रहा। लगातार कठिन मुकाबलों से गुजरते हुए टीम ने अपने खेल कौशल, अनुशासन और जज्बे से यह उपलब्धि हासिल की, जिससे पूरे राज्य में खुशी की लहर है। चैंपियनशिप के लीग मैचों में बिहार ने मजबूती से शुरुआत की। पहले मैच में छत्तीसगढ़ को कड़े मुकाबले में हराया। इसके बाद दूसरे मैच में त्रिपुरा को एकतरफा हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। प्री-क्वार्टर फाइनल में बिहार का मुकाबला केंद्रीय विद्यालय संगठन की टीम से हुआ, जिसमें बिहार ने 19 के मुकाबले 29 गोल से बड़ी जीत दर्ज की। क्वार्टर फाइनल में टीम का सामना दिल्ली से हुआ। रोमांचक मुकाबले में बिहार ने दिल्ली को दो अंकों से हराकर सेमीफाइनल का सफर तय किया। सेमीफाइनल में मेजबान कर्नाटक से संघर्षपूर्ण मुकाबला हुआ, जहां बिहार को 6 गोल से हार का सामना करना पड़ा। हौसला बनाए रखते हुए बिहार ने तीसरे स्थान के मुकाबले में हरियाणा को 7 गोल के अंतर से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। इस मैच में भोजपुर के खिलाड़ियों का प्रदर्शन खास रहा। सीटू कुमार ने 4 गोल, पवन यादव ने 6 गोल जबकि सुजल कुमार ने 3 गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। टीम कोच सिवान के विवेक कुमार और टीम मैनेजर संतोष कुमार वर्मा ने खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और रणनीति प्रदान की। भोजपुर जिला हैंडबॉल टीम के प्रशिक्षक सुग्रीव कुमार ने बताया कि ये खिलाड़ी नियमित रूप से महाराजा कॉलेज, आरा मैदान में अभ्यास करते हैं। बड़ी उपलब्धि की जानकारी मिलते ही भोजपुर हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष अरज कुमार सिंह ने खिलाड़ियों को बधाई दी और भविष्य में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। खेल-प्रेमियों शिवनारायण पाल, अभिषेक, रजनीश पाठक, नीरज सिंह, कुमार विजय, अंकित कुमार, सुजीत कुमार व मनीष कुमार ने भी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

आरके एकेडमी, पकड़ियाबर में दो दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित

आरा। आरके एकेडमी, पकड़ियाबर, चंदवा में दो दिवसीय भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का सफल आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देना था। यह प्रदर्शनी 27 नवंबर 2025 को कक्षा 1 से 5 तक और 28 नवंबर 2025 को कक्षा 6 से 10 तक के छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने अपने उत्कृष्ट प्रोजेक्ट प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उद्घाटन जिला कार्यक्रम पदाधिकारी चंदन प्रभाकर ने दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि एपीओ मिथिलेश कुमार एवं प्लस टू हाई स्कूल किशनगंज की प्राचार्या कंचन कामिनी थी। दो दिनों तक चली इस प्रदर्शनी में कक्षा 1 से 10 तक के लगभग 735 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और अपनी रचनात्मक सोच को परियोजनाओं के रूप में प्रस्तुत किया। विद्यालय स्तर पर श्रेष्ठ परियोजनाओं का चयन कर बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्या मोनिका राज ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

सिंडिकेट नहर से अतिक्रमण हटा

♦ हाईकोर्ट के आदेश पर प्रशासन की कार्रवाई, आगे भी जारी रहेगा अभियान

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर शहर में नगर प्रशासन ने सिंडिकेट नहर के दोनों किनारों से अवैध अतिक्रमण हटा दिया है। हाईकोर्ट के आदेश पर हुई इस कार्रवाई में नहर किनारे बनी झोपड़ियों और समोसा, चाय व लिट्टी-चोखा की दुकानों को ध्वस्त किया गया। इन अवैध कब्जों के कारण सड़क संकरी हो गई थी, जिससे आए दिन जाम की स्थिति बनती थी। अभियान शुरू होते ही कई अतिक्रमणकारी अपनी दुकानों में ताला लगाकर मौके से फरार हो गए। नगर परिषद की टीम जेसीबी मशीनों के साथ पहुंची और घंटों की मशक्कत के बाद अवैध ढांचों को ध्वस्त किया। किसी भी विरोध की स्थिति से निपटने के लिए अभियान के दौरान भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

चरणबद्ध तरीके से आगे भी अतिक्रमण हटाए जाएंगे: नगर परिषद के सिटी मैनेजर रवि कुमार सिंह ने बताया कि हाईकोर्ट के निर्देश पर शहर के जल स्रोतों के आसपास बने सभी अवैध अतिक्रमण हटाए जा रहे हैं। उन्होंने जानकारी दी कि शहर के विभिन्न इलाकों में अवैध कब्जा करने वालों की पहचान की जा रही है। इसके लिए एक विस्तृत चार्ट तैयार किया जाएगा, जिसके आधार पर चरणबद्ध तरीके से आगे भी अतिक्रमण हटाए जाएंगे।

नगर परिषद सड़क चौड़ीकरण परियोजना को लागू करने की तैयारी में: प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, यह अभियान सिर्फ एक शुरुआत है। सिंडिकेट नहर पर कार्रवाई के बाद अब बड़ी मस्जिद तक और फिर सोमेश्वर स्थान तक अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। नगर परिषद पहले ही पूरे मार्ग की मापी कर चुकी है और सड़क चौड़ीकरण परियोजना को लागू करने की तैयारी में है।

बच्चों और यात्रियों को काफी परेशानी होती थी: स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन के इस अभियान का स्वागत किया है। उनका कहना है कि इस मार्ग पर स्कूल और ऑफिस के समय गंभीर जाम लगता था, जिससे बच्चों और यात्रियों को काफी परेशानी होती थी। नागरिकों का मानना है कि सड़क चौड़ी होने से यातायात सुगम होगा और शहर की व्यवस्था में सुधार आएगा।

किसी भी तरह का अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: नगर परिषद ने स्पष्ट किया है कि शहर की सुंदरता और सुचारू यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए किसी भी तरह का अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।इस कार्रवाई ने अवैध कब्जाधारियों में खौफ जरूर पैदा किया है, जबकि शहरवासी इसे शहर के विकास की दिशा में बड़ा कदम मान रहे हैं।

दिशा एक प्रयास और आरा रोटी बैंक का संकल्प, बाल विवाह-मुक्त भोजपुर

निज संवाददाता। आरा

बाल विवाह जैसी कुप्रथा को जड़ से समाप्त करने के उद्देश्य से चल रहे 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के तहत बुधवार को गैरसरकारी संगठन दिशा एक प्रयास और आरा रोटी बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट ने संयुक्त रूप से कैंडल मार्च निकाला। यह कार्यक्रम आरा रोटी बैंक पाठशाला एवं आसपास की बस्ती में आयोजित किया गया, जिसमें बाल विवाह के खिलाफ जनजागरुकता और कानूनी जानकारी पर विशेष जोर दिया गया। दिशा एक प्रयास देश के सबसे बड़े बाल अधिकार नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है। अभियान के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर दोनों संगठनों ने पाठशाला परिसर में शपथ समारोह, जागरुकता संवाद और रैली का आयोजन किया। टीम ने बच्चों व लोगों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम तथा इससे होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी। दिशा एक प्रयास की प्रतिनिधि कुमारी सुनिता सिंह ने कहा कि 100 दिवसीय यह विशेष अभियान देश को विकसित भारत के लक्ष्य की ओर ले जाने वाला महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि सदियों से बेटियों को अवसरों से वंचित किया गया है, लेकिन अब समुदाय, संस्था और सरकारी विभाग मिलकर एकजुट हो रहे हैं, जिससे बाल विवाह उन्मूलन को नई गति मिलेगी। आरा रोटी बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्य कुमार मोहित ने बताया कि संस्था समाज हित के कार्यों में लगातार अग्रणी भूमिका निभाती है और बाल विवाह रोकथाम से जुड़ी हर पहल में सक्रिय रहेगी।

युवाओं के लिए मॉरीशस में नौकरी का मौका

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर के युवाओं के लिए मॉरीशस में प्रतिष्ठित कंपनियों में जॉब का मौका है। बिहार राज्य समुद्र पार नियोजन ब्यूरो को तकनीकी एवं गैर-तकनीकी पदों पर रिक्तियों का विवरण प्राप्त हुआ है। इच्छुक अभ्यर्थी 6 दिसंबर तक जिला नियोजनालय आरा (कृषि भवन परिसर) में अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। जारी अधिसूचना के अनुसार मॉरीशस की प्रतिष्ठित कंपनियों में कैशियर, हाउसकीपिंग, वॉल्वेस वर्कर, एयर कंडीशनर टेक्नीशियन, वेल्डर, फोर्क लिफ्ट ड्राइवर, इलेक्ट्रिशियन, कुक, इलेक्ट्रो-मैकेनिकल टेक्नीशियन और फैक्ट्री ऑपरेटर के पदों पर भर्ती की जा रही है। चयनित उम्मीदवारों को मॉरीशस रुपए में 17,000 से 40,000 तक मासिक वेतन दिया जाएगा।

सिर्फ जिला नियोजनालय में आवेदन स्वीकार किए जाएंगे: आवेदन के लिए अभ्यर्थी के पास मान्य पासपोर्ट का होना अनिवार्य है। राज्य के किसी भी जिला नियोजनालय में पूर्व से निबंधित इच्छुक उम्मीदवार अपने पासपोर्ट, पैन कार्ड, निबंधन प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट आकार का फोटो, अपडेटेड रिज्यूम, सभी शैक्षणिक एवं तकनीकी प्रमाण पत्रों की छायाप्रति के साथ आवेदन कर सकते हैं। आवेदन केवल जिला नियोजनालय आरा में ही स्वीकार किए जाएंगे। विदेश में रोजगार की चाह रखने वाले बिहार के युवाओं के लिए यह एक बेहतरीन मौका माना जा रहा है।

अभिनंदन समारोह का हुआ आयोजन

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले के रेड क्रॉस सभागार में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। सभी सातों नवनिर्वाचित विधायकों का जोरदार स्वागत किया गया। कार्यक्रम में सहकारिता एवं वन-पर्यावरण विभाग के मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में जिले के राजनीतिक और सामाजिक गलियारों का उत्साह देखने को मिला। अभिनंदन समारोह की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई। मुख्य अतिथि का स्वागत ओ.बी.सी मोर्चा के जिलाध्यक्ष हरेराम चंद्रवंशी ने शॉल ओढ़ाकर और मां आरण्य देवी की तस्वीर भेंट कर किया। मंच पर एनडीए के कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

नवनिर्वाचित विधायकों का स्वागत: समारोह में संदेश के जेडीयू विधायक राधा चरण साह उर्फ सेठ जी, अगिआंव के भाजपा विधायक महेश पासवान, जिलाध्यक्ष दुर्गा राज सहित एनडीए गठबंधन के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। सभागार तालियों से गूंज उठा जब नवनिर्वाचित विधायकों को फूल-मालाओं और अंग वस्त्रों से सम्मानित किया गया। कार्यकर्ताओं ने तालियों और नारेबाजी से अपने प्रतिनिधियों का स्वागत किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा। आयोजकों ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के सम्मान का अवसर बताया। कहा कि नए जनप्रतिनिधियों से जिले की उम्मीदें एक बार फिर नई ऊंचाई पर हैं।

जनता ने बड़ा जनादेश दिया है: मुख्य अतिथि प्रमोद चंद्रवंशी ने कहा कि जनता ने विकास और सुशासन के लिए जो विश्वास जताया है, उसे पूरी ईमानदारी से निभाया जाएगा। आने वाले दिनों में भोजपुर जिले में विकास की नई योजनाओं को गति दी जाएगी। यह अभिनंदन समारोह नहीं, आशीर्वाद समारोह है। कार्यकर्ताओं की अथक परिश्रम से सफलता मिली है। जनता जनार्दन ने आशीर्वाद दिया है। उनके आशीर्वाद के कारण हमलोग आज इतना बढ़े हैं। आज इस सभागार में स्नेह मिलन समारोह में शामिल हुए हैं। पहली बार यह जनादेश नहीं आया है। 2010 में भी जनादेश आया था। सरकार ने काम किया है, इसलिए जनता ने आशीर्वाद दिया है। जनता ने जो जनादेश देकर दायित्व दिया है, सरकार उन्हें चुकता करने का काम करेंगी। तेजस्वी यादव को नेता प्रतिपक्ष होने के नाते जनता ने जो वोट दिया है कम से कम उन्हें धन्यवाद देना चाहिए। तेजस्वी यादव ये भी शिष्टाचार नहीं दिखाएंगे और बाहर चले जाएंगे। ये सही नहीं है।

वकील के कार्यालय पर फायरिंग मामले में कार्रवाई तेज

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले के नवादा थाना क्षेत्र में सिविल कोर्ट के वकील अंजनी तिवारी के निजी कार्यालय पर फायरिंग मामले में अब पुलिस सख्त कार्रवाई की तैयारी में है। फरार चल रहे आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट और इश्तेहार जारी कराने के लिए पुलिस जल्द कोर्ट का रुख करेगी। यह घटना 19 नवंबर की शाम की है। हाउसिंग कॉलोनी मार्ग पर अंजनी तिवारी के भतीजे प्रियांशु की स्कूटी एक कार से हल्की टकरा गई थी। इस बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई थी, लेकिन स्थानीय लोगों के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हो गया। इसी विवाद में बदला लेने की नियत से उसी रात लगभग सवा आठ बजे सफारी गाड़ी सवार युवक चंदवा मोड़ स्थित परशुराम सेवा संघ कार्यालय पहुंचे। आते ही आरोपियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों के विरोध करने पर हमलावर सफारी गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गए। घटनास्थल से 2 खोखे बरामद हुए थे।

मुख्य आरोपी पुलिस की गिरफ्त से दूर: फायरिंग कांड के बाद पुलिस ने गजराजगंज ओपी क्षेत्र के कारीसाथ गांव में विशेष छापेमारी की। इस दौरान गोलीकांड में इस्तेमाल काले रंग की सफारी गाड़ी बरामद की गई। जिस पर एक राजनीतिक दल का बोर्ड भी लगा था। गाड़ी से रेगुलर पिस्टल और मैगजीन भी मिली है। हालांकि, छापेमारी के बावजूद मुख्य आरोपी अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। इस मामले में अंजनी कुमार तिवारी ने कारीसाथ निवासी कलयुग सिंह, प्रकाश सिंह, बिहिया थाना क्षेत्र के लहंग डुमरिया निवासी सिट्टू सिंह, हाला सिंह, मसाढ़ निवासी अंकित सिंह तथा दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। इंस्पेक्टर विपिन बिहारी ने बताया कि आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है। फरार अभियुक्तों के खिलाफ कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। पुलिस टीम लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

50 लाख की विदेशी शराब जब्त

♦ आरोपियों की गिरफ्तारी वारंट के लिए कोर्ट जाएगी पुलिस, मौके से 2 खोखे मिले थे

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर पुलिस ने जिले में एक बार फिर भारी मात्रा में विदेशी शराब की खेप पकड़ी है। औद्योगिक थाना क्षेत्र में वीर कुंवर सिंह सेतु के पास एक ट्रक से 50 लाख रुपए मूल्य की 393 पेटी विदेशी शराब बरामद की गई है। यह खेप मुर्गी दाने के बोरों के बीच छिपाकर लाई जा रही थी। पुलिस को शुक्रवार देर रात गुप्त सूचना मिली थी। इसके आधार पर औद्योगिक थाना की टीम ने वीर कुंवर सिंह सेतु के पास एक संदिग्ध ट्रक को रोका और उसकी तलाशी ली।

3529 लीटर शराब बरामद: जांच के दौरान पुलिस टीम ने पाया कि ट्रक में मुर्गी दाने से लदे बोरे थे। इन बोरों के अंदर बड़े पैमाने पर विदेशी शराब छिपाई गई थी। कुल 393 पेटी शराब बरामद की गई, जिसकी मात्रा लगभग 3529 लीटर बताई जा रही है। पकड़े गए ट्रक का नंबर पंजाब का है। पुलिस ने मौके से ट्रक चालक संजय को हिरासत में ले लिया है। पूछताछ में चालक ने बताया कि उसे ट्रक को सोनीपत से सिलीगुड़ी ले जाने का निर्देश मिला था और उसे बताया गया था कि इसमें केवल मुर्गी का दाना लदा है। चालक ने दावा किया कि उसे शराब के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

मुर्गी दाने के बोरों में पैक कर ले जा रहे थे शराब: औद्योगिक थाना अध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि यह बरामदगी शराब माफियाओं के बड़े नेटवर्क को उजागर करती है। उन्होंने कहा कि शराब को मुर्गी दाने के बोरों में पैक कर ले जाया जा रहा था। पुलिस के पास पहले से सूचना थी, जिसके आधार पर त्वरित कार्रवाई की गई। ड्राइवर से पूछताछ जारी है और इस नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

2 दिन पहले एक करोड़ की शराब जब्त: गौरतलब है कि बक्सर पुलिस ने कुछ ही दिनों के भीतर दूसरी बड़ी शराब की खेप पकड़ी है। दो दिन पहले नवानगर की पुलिस द्वारा 18 चक्का ट्रक से एक करोड़ की कीमत वाली शराब पकड़ी गई है ।वही शुक्रवार की रात औद्योगिक थाना द्वारा 50 लाख की शराब बरामद किया गया है।फिलहाल पुलिस इस मामले में विस्तृत जांच कर रही है और जल्द ही बड़े गिरोह के पर्दाफाश की उम्मीद जताई जा रही है।

पिकअप व ई-रिक्शे की टक्कर में एक की मौत, दो लोग जख्मी

निज संवाददाता। बक्सर

यूपी के बलिया जिले के नरही थाना क्षेत्र के गोविंदपुर स्थित एनएच-31 पर शुक्रवार दोपहर हादसे में ई-रिक्शा सवार बक्सर के एक व्यक्ति की मौत हो गई। दो अन्य युवक गंभीर रूप से जख्मी हैं। जानकारी के मुताबिक बाबूलाल साहनी (40 वर्ष), निवासी रामजियावन गंज, थाना मुफस्सिल, सुनील ठाकुर (30 वर्ष), पुत्र भिखारी ठाकुर, निवासी बड़की सारीमपुर बक्सर और धनजी यादव (28 वर्ष), पुत्र गणेश यादव, अहिरौली बक्सर नरही राजेश्वर मोड़ स्थित एक मैरिज हॉल में काम करने के बाद ई-रिक्शा से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान कुंडेश्वर, गाजीपुर से बारात का सामान लेकर नरही की ओर आ रही एक पिकअप वैन ने गोविंदपुर पेट्रोल पंप के समीप ई-रिक्शा में ठोकर मार दी। इसके बाद पिकअप सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। हादसे में ई-रिक्शा सवार बाबूलाल साहनी की मौके पर ही मौत हो गई। सुनील ठाकुर और धनजी यादव जख्मी हैं। ग्रामीणों और पुलिस ने घायलों को सीएचसी नरही पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को रेफर कर दिया गया। बताया गया कि सुनील के बाएं पैर में फ्रैक्चर है, जबकि धनजी यादव के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। घायलों के परिजन उन्हें बलिया की जगह बक्सर ले गए, जहां उनका इलाज चल रहा है। नरही पुलिस ने बाबूलाल साहनी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय बलिया भेज दिया। दुर्घटना में शामिल दोनों वाहनों को जब्त कर लिया गया है। यूपी पुलिस घटना की जांच कर रही है। क्षतिग्रस्त ई-रिक्शा।

किसान खेतिहर मजदूर मोर्चा की बैठक में शामिल हुए विधायक, जानीं समस्याएं

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर चौसा थर्मल पावर प्लांट से उत्पन्न समस्याओं को लेकर ग्रामीणों में बढ़ रही नाराजगी के बीच शुक्रवार को पूर्व टोला शिव मंदिर, बनारपुर में प्रभावित किसान खेतिहर मजदूर मोर्चा ने बैठक की। इसमें बक्सर सदर विधायक ने किसानों, मजदूरों और स्थानीय ग्रामीणों की बातें सुनीं। ग्रामीणों ने प्रदूषण, रोजगार और भूमि अधिग्रहण से संबंधित गंभीर मुद्दे उठाए और कंपनी तथा प्रशासनिक व्यवस्था पर निष्क्रियता का आरोप लगाया। अध्यक्षता बृजेश राय ने की। संचालन अश्विनी कुमार चौबे ने किया। मौके पर नंदलाल सिंह, रामप्रवेश सिंह, नरेन्द्र तिवारी, मुन्ना तिवारी और अन्य ग्रामीणों ने परियोजना के कारण उभर रही परेशानियों को रखा। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि चौसा थर्मल पावर प्लांट को बिना एफजीडी सिस्टम चालू किए ही संचालन शुरू कर दिया गया है। इससे सल्फर डाइऑक्साइड के बढ़ते उत्सर्जन के कारण आसपास के गांवों में स्वास्थ्य संकट गहराता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि दमा, आंखों और फेफड़ों के संक्रमण का खतरा तेजी से बढ़ा है। इसी के साथ एनजीटी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए किसानों ने कहा कि घनी आबादी के बीच मालगाड़ी से कोयले की अनलोडिंग और डंफर में लोडिंग की जा रही है, जबकि नियम स्पष्ट रूप से इसे प्रतिबंधित करते हैं। रोजगार को लेकर भी ग्रामीणों ने एसटीपीएल व पावर मेक पर स्थानीय युवाओं की अनदेखी कर बाहरी लोगों को घूस लेकर नौकरी देने का आरोप लगाया। आंदोलन करने को मजबूर होंगे ग्रामीण: ग्रामीणों ने 2013 भूमि अधिग्रहण अधिनियम के उल्लंघन और आंदोलनरत महिलाओं व मजदूरों पर फर्जी मुकदमे दर्ज किए जाने का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि परियोजना से प्रभावित लोगों का जीवन और आजीविका खतरे में पड़ गई है। सभी समस्याओं को सुनने के बाद विधायक ने प्रभावित परिवारों को आश्वस्त किया कि मामले को गंभीरता से लिया जाएगा और जिला प्रशासन तथा संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण और युवाओं को उचित रोजगार उपलब्ध कराना प्राथमिकता में शामिल है ।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

दानापुर में महिला के साथ 25 हजार रुपए की ठगी, एटीएम में बदमाश ने किया शातिराना खेल

पटना। दानापुर के सगुना मोड़ स्थित उज्जीवन बैंक के एटीएम में शुक्रवार को एक महिला के साथ ठगी की घटना सामने आई। दीघा नहर निवासी बेबी देवी एटीएम से पैसे निकालने गई थीं, लेकिन अचानक हुई शातिराना चाल के कारण उनका खाता 25 हजार रुपए से खाली हो गया। बेबी देवी ने बताया कि जब वे पैसे निकालने में असमर्थ रहीं, तब उसी समय एक युवक एटीएम में प्रवेश कर मदद का प्रस्ताव लेकर उनके पास आया। मदद के बहाने उसने महिला का एटीएम कार्ड बदल दिया और उसे दूसरा कार्ड थमा दिया। महिला को तब तक इसका एहसास नहीं हुआ। कुछ ही देर बाद उनके मोबाइल पर खाते से लगातार पैसे निकालने के मैसेज आने लगे। इसके बाद महिला को ठगी का पता चला और उन्होंने तुरंत दानापुर थाना तथा बैंक अधिकारियों को घटना की सूचना दी। बैंक एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरे में आरोपी का चेहरा स्पष्ट रूप से कैद हो गया है। पुलिस इस फुटेज के आधार पर बदमाश की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी में जुट गई है। बेबी देवी ने दानापुर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है और जल्द से जल्द आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने बताया कि उनका खाता दानापुर सगुना मोड़ स्थित उज्जीवन बैंक में है और बैंक तथा पुलिस से सहयोग की उम्मीद कर रही हैं।

दानापुर में बंद घर में रातों-रात 60 लाख की चोरी, सीसीटीवी में कैद हुआ वारदात का वीडियो

पटना। दानापुर थाना क्षेत्र के नया टोला वार्ड संख्या-15 में एक बंद घर में शुक्रवार रात बड़े पैमाने पर चोरी की घटना सामने आई। चोरों ने महज पांच घंटे में घर के दो कमरों का ताला तोड़कर 25 लाख रुपए नकद और 35 लाख रुपए के जेवरात चोरी कर लिए। सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस और डायल 112 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। घटना स्थल के मालिक, स्वर्गीय कपिल देव राय के बेटे राजपाल कुमार अपने पूरे परिवार के साथ मनेर में अपनी भगिनी की शादी समारोह में शामिल होने गए थे। परिवार शाम करीब 9:30 बजे घर से बाहर गया था। रात लगभग 2:30 बजे जब परिवार घर लौटा, तो देखा कि जिन दो कमरों में ताला लगा था, वे तोड़ दिए गए थे। कमरे के अंदर सामान बिखरा पड़ा था, गोदरेज और अलमारी भी क्षतिग्रस्त मिले। गोदरेज और अलमारी में रखे लगभग 25 लाख रुपए नकद और परिवार के 35 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए गए। घटनास्थल पर चोरों का हरे रंग का शॉल, लोहे की रॉड, बैट और रिंच के साथ दो स्टील की छोलनी मिली। पीड़ित ने पास के घर में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें तीन चोर बच्चे का स्कूल बैग कंधे पर लेकर जाते हुए दिखाई दिए। आशंका जताई जा रही है कि चोरों ने नकदी और जेवरात उसी बैग में रखकर फरार हो गए। पीड़िता सुधा कुमारी ने बताया कि शादी समारोह से लौटने पर उन्होंने घर का ताला टूटा और सामान बिखरा पाया। उन्होंने तुरंत दानापुर थाना को सूचना दी। सूचना मिलने के आधे घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक छानबीन की। दानापुर पुलिस ने कहा कि घटना के सीसीटीवी फुटेज और मिले सामान के निशानों के आधार पर अपराधियों की तलाश की जा रही है।

जीजा ने साले पर की दो राउंड फायरिंग, पति-पत्नी का विवाद सुलझाने पहुंचे युवक पर चलाई गोली

हाजीपुर। वैशाली के सहदेई बुजुर्ग थाना क्षेत्र के भगवतीपुर गांव में पारिवारिक विवाद सुलझाने पहुंचे एक युवक को उसके जीजा ने गोली मार दी। पति-पत्नी के झगड़े ने हिंसक रूप ले लिया, जिसके बाद आरोपी जीजा ने फायरिंग कर दी। घायल युवक को हाजीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित तीन लोगों को हिरासत में लिया है। घटना का मूल कारण पारिवारिक कलह बताया जा रहा है। आरोपी नीरज का अपनी पत्नी, जो घायल युवक की फुफेरी बहन है, के साथ अक्सर विवाद होता था। जानकारी के अनुसार, बीती रात नीरज ने अपनी पत्नी के साथ मारपीट की थी। इस बात की सूचना मिलने पर पत्नी के भाई अनिक कुमार (घायल) अपने अन्य परिजनों के साथ सुबह भगवतीपुर स्थित अपनी बहन के ससुराल पहुंचे थे, ताकि विवाद को सुलझाया जा सके। हालांकि, विवाद सुलझाने के दौरान ही स्थिति बिगड़ गई और बहस ने हिंसक रूप ले लिया। इसी दौरान आरोपी नीरज ने गोली चला दी, जिससे अनिक कुमार घायल हो गए। घायल अनिक कुमार के भाई सोनू कुमार ने घटना के बारे में बताया। उनके अनुसार, वे सुबह बहन से मिलने और विवाद सुलझाने पहुंचे थे। लेकिन जीजा नीरज ने तुरंत बहस शुरू कर दी। सोनू ने बताया कि नीरज अचानक घर के अंदर गया और एक हथियार लेकर बाहर आया। उसने बिना सोचे-समझे उनकी ओर दो राउंड फायरिंग कर दी। भागने की कोशिश के दौरान एक गोली अनिक को लग गई। सोनू कुमार के मुताबिक, इस पूरे विवाद की मुख्य वजह दहेज में मिली एक बाइक बताई जा रही है। सूत्रों का कहना है कि इस बाइक को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर तनाव रहता था, जो कल रात की मारपीट और आज की गोलीबारी तक पहुंच गया। घटना की सूचना मिलते ही सहदेई बुजुर्ग पुलिस मौके पर पहुंची। घायल अनिक कुमार को पहले स्थानीय पीएचसी ले जाया गया, लेकिन गंभीर हालत के कारण उन्हें हाजीपुर सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी नीरज सहित उसके घर के तीन अन्य लोगों को भी हिरासत में ले लिया है।

बिहार पर्यटन को वैश्विक ब्रांड बनाने की तैयारी तेज, पदभार संभालते ही पर्यटन मंत्री ने बुलाई समीक्षा बैठक

निज संवाददाता। पटना

बिहार में पर्यटन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने और राज्य में पर्यटन सुविधाओं को विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में सरकार ने तेज कदम उठाए हैं। पर्यटन मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने पदभार संभालने के बाद शुक्रवार को पर्यटन निदेशालय सभागार में विभागीय समीक्षा बैठक बुलाई, जिसमें राज्य के पर्यटन ढांचे, प्रगति और भविष्य की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में पर्यटन सचिव लोकेश कुमार सिंह, निदेशक सह विशेष सचिव उदयन मिश्रा सहित निगम और विभाग के वरीय अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान पर्यटन सचिव लोकेश कुमार सिंह द्वारा पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विभाग की संरचना, कार्यप्रणाली और योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं निदेशक उदयन मिश्रा ने बिहार के प्रमुख पर्यटन सर्किट — बुद्ध सर्किट, ईको सर्किट, सिख सर्किट, जैन सर्किट, रामायण सर्किट, सूफी सर्किट, शिव शक्ति सर्किट और गांधी सर्किट से जुड़े स्थलों की वर्तमान स्थिति और प्रगति से मंत्री को अवगत कराया।

प्रेजेंटेशन में केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से चल रही परियोजनाओं की स्थिति, व्यय, समयसीमा तथा मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं के पालन की समीक्षा भी शामिल थी। बैठक में गया, बोधगया, नालंदा और राजगीर से जुड़ी केंद्रीय बजट में प्रस्तावित विकास योजनाओं की प्रगति पर भी मंत्री को रिपोर्ट दी गई। प्रोजेक्ट्स की प्रस्तुति देखकर

मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने इसे उत्साहजनक बताया और विभाग की प्रतिबद्धता की सराहना की।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अगले 100 दिनों के भीतर पर्यटन विकास का ठोस और व्यवहारिक रोडमैप तैयार किया जाए, जो न केवल राज्य में पर्यटकों की संख्या बढ़ाए बल्कि बिहार पर्यटन को एक वैश्विक ब्रांड के रूप में आगे ले जाए। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में नवाचारात्मक रणनीति, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रभावी प्रचार के माध्यम से बिहार को देश और दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर और मजबूती से दर्ज कराना प्राथमिकता है। बैठक में विभाग में रिक्त पदों पर भी चर्चा हुई। मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि रिक्तियों की समीक्षा कर रिपोर्ट सरकार को भेजी जाए और रोजगार अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से नई नियुक्तियों के प्रस्ताव शीघ्र तैयार किए जाएं। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में विशाल रोजगार क्षमता है और इस दिशा में विभाग को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। मंत्री ने यह भी कहा कि पर्यटन विकास का लाभ सीधे स्थानीय व्यवसायियों और उद्यमियों तक पहुँचना चाहिए।

इसके लिए फाइव स्टार होटलों के साथ-साथ बजट होटलों और लो-कॉस्ट स्टे की सुविधा बढ़ाने पर विशेष फोकस करने की जरूरत है, ताकि हर वर्ग का पर्यटक बिना असुविधा के धार्मिक, ऐतिहासिक और प्रकृति-समृद्ध स्थलों पर ठहर सके। वर्तमान में पर्यटक आगमन के मामले में बिहार देश में 10वें स्थान पर है। मंत्री ने विभाग को लक्ष्य निर्धारण करते हुए कहा कि अगले पाँच वर्षों में बिहार को शीर्ष पाँच पर्यटन राज्यों की श्रेणी में लाने का रोडमैप सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए इंफ्रास्ट्रक्चर, सुरक्षा, सुविधाओं के विस्तार, ब्रांडिंग और व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। सरकार के इस नए फोकस के साथ यह उम्मीद मजबूत हुई है कि आने वाले वर्षों में बिहार पर्यटन उद्योग रोजगार, व्यापार और वैश्विक पहचान के लिहाज से नई ऊंचाइयों को छूएगा।

गैंगस्टर रामजी राय हत्याकांड का मुख्य शूटर कन्हाई सिंह गिरफ्तार

निज संवाददाता। दानापुर, पटना

दानापुर पुलिस और बिहार एसटीएफ ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए बहुचर्चित गैंगस्टर रामजी राय हत्याकांड के मुख्य शूटर कन्हाई सिंह को सीतामढ़ी से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि दानापुर थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार भारद्वाज ने की है। इस मामले में यह तीसरी बड़ी गिरफ्तारी है, जबकि अन्य शामिल अपराधियों की तलाश अभी भी जारी है।

गौरतलब है कि 16 अगस्त 2024 की शाम बेली रोड सर्विस लेन पर गोलीबारी की सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया था। बाइक से गोला रोड की दिशा में जा रहे गैंगस्टर रामजी राय पर तीन बाइक सवार अपराधियों ने अचानक ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। पहली गोली उनके हेलमेट पर लगी, जिससे वे सड़क पर गिर पड़े। इसके बाद अपराधी बाइक से उतर गए और बेहद नजदीक से सिर पर कई गोलियां दाग दीं, जिसके चलते मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के दौरान उनके साथ मौजूद एक व्यक्ति घबराकर बाइक छोड़कर फरार हो गया था।

इस हत्याकांड के बाद पुलिस लगातार शूटरों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही थी। इसी क्रम में पुलिस को पुख्ता गुप्त सूचना मिली कि मुख्य शूटर कन्हाई सिंह सीतामढ़ी जिले में छिपा हुआ है। सूचना की पुष्टि के बाद बिहार एसटीएफ और दानापुर पुलिस की संयुक्त टीम ने विशेष अभियान चलाया और घेराबंदी कर कन्हाई को दबोच लिया। फिलहाल उससे पूछताछ चल रही है और उसके नेटवर्क तथा सहयोगियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द

ही बाकी अपराधियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मृत गैंगस्टर रामजी राय इलाके में अपराध की दुनिया का बड़ा नाम था। उसके खिलाफ हत्या, लूट और रंगदारी सहित कुल 12 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे। इन मामलों में सीतामढ़ी के कल्याण पदाधिकारी की हत्या का केस भी शामिल है। इस हत्याकांड की जिम्मेदारी कुख्यात गैंगस्टर विकास झा उर्फ कालिया गैंग ने ली थी। सोशल मीडिया के माध्यम से जारी एक लेटर में गैंग के प्रवक्ता राज झा ने लिखा था कि उन्होंने "रामजी राय के आतंक को खत्म करने" के लिए यह कार्रवाई की है।

कन्हाई सिंह की गिरफ्तारी से पुलिस को उम्मीद है कि गैंगवार और इस हत्याकांड की पूरी साजिश, फंडिंग, हथियार सप्लाई और साजिशकर्ताओं के नाम सामने आएंगे। इस मामले में पुलिस की अगली कार्रवाई पर पूरे राज्य की कानून व्यवस्था एजेंसियों की नजर है, क्योंकि यह हत्याकांड दो बड़े अपराधी गिरोहों के बीच वर्चस्व की लड़ाई का परिणाम माना जा रहा है।

विद्यालय में शॉर्ट सर्किट से आग, धुएं में दम घुटने से 8 छात्राएं बेहोश

निज संवाददाता। पटना

पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल अंतर्गत अथमलगोला थाना क्षेत्र में स्थित राजकीय अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय +2 उच्च विद्यालय में शनिवार सुबह अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने का कारण माना जा रहा है। घटना के दौरान विद्यालय परिसर में मौजूद कई छात्राएं चीख-पुकार के बीच अपनी जान बचाने के लिए दौड़ पड़ीं, जबकि धुएं से घिरी कुछ छात्राएं बेहोश होकर गिर गईं। घटना से उत्पन्न हालात इतने भयावह थे कि जब तक शिक्षिकाएं और स्टाफ कुछ समझ पाते, परिसर धुएं से भर चुका था। इस दौरान फंसी छात्राओं को बाहर निकालने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। जब तक बचाव कार्य शुरू हुआ, तब तक आठ छात्राएं धुएं की अधिकता के कारण बेहोश हो चुकी थीं। सभी को आनन-फानन में सीएचसी अथमलगोला लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति देखते हुए उन्हें अनुमंडलीय अस्पताल बाढ़ रेफर किया गया। स्कूल की एक शिक्षिका ने बताया कि आग विद्यालय भवन के पीछे बने क्वार्टर के हिस्से से उठी थी, जिसके तुरंत बाद धुआं तेजी से छात्रावास और कक्षाओं की ओर फैल गया।

अचानक उठे धुएं और घुटन से छात्राओं में भगदड़ की स्थिति बन गई। कई छात्राओं का दम घुटने लगा और वे बेहोश होकर गिर पड़ीं। घटना की सूचना पर तुरंत अग्निशमन दल मौके पर पहुंचा और आग पर नियंत्रण पाया। अग्निशमन कर्मियों ने स्कूल की इमारत के भीतर फंसी छात्राओं को सुरक्षित बाहर निकाला।

इसके बाद पुलिस टीम भी विद्यालय पहुंच गई और पूरे परिसर का मुआयना कर अधिकारियों से जानकारी ली। विद्यालय की प्रिंसिपल विभा कुमारी ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट प्रतीत होती है। उन्होंने कहा कि बेहोश हुई छात्राओं को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। फिलहाल सभी छात्राएं खतरे से बाहर हैं और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

हालांकि, बेहोश होने वाली छात्राओं की सटीक संख्या को लेकर अभी औपचारिक रिपोर्ट नहीं दी गई है। घटना के बाद से अभिभावकों और स्थानीय लोगों में चिंता की लहर है। कई लोगों ने छात्रावासों और आवासीय विद्यालयों में इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस और सेफ्टी स्टैंडर्ड को लेकर सवाल उठाए हैं। स्थानीय प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आग लगने के वास्तविक कारण तथा सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की जा रही है।

सीतामढ़ी में SSB जवान ने सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मारी

निज संवाददाता। सीतामढ़ी

बिहार के सीतामढ़ी जिले में भारत-नेपाल सीमा पर स्थित SSB कैंप में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई। ड्यूटी से लौटे एक जवान ने अचानक सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली, जिससे कैंप में अफरा-तफरी मच गई। गोली चलने की आवाज सुनते ही साथी जवान और अधिकारी मौके की ओर दौड़े, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना सोनबरसा थाना क्षेत्र के लरकवा चेक पोस्ट पर तैनात SSB कैंप की है। मृतक जवान की पहचान नयन बराल के रूप में हुई है, जो पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के हाबड़ा क्षेत्र के गोहालबाटी गांव का रहने वाला था। उसके पिता का नाम नित्यानंद

बराल बताया जा रहा है। नयन बराल सुबह लगभग सात बजे ड्यूटी खत्म कर बैरक लौटा था। इसी दौरान उसने किसी कमरे में जाकर सर्विस रिवॉल्वर से खुद पर फायर कर लिया। गोली सिर में लगते ही मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

हालांकि आत्महत्या के सटीक कारणों का अभी आधिकारिक रूप से खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि वह कुछ समय से पारिवारिक तनाव और निजी परेशानियों से जूझ रहा था। पुलिस और SSB अधिकारी आत्महत्या के पीछे वास्तविक कारणों की जांच में जुटे हैं। बैरक के अंदर मिलने वाले दस्तावेज़, मोबाइल फोन और बातचीत के आधार पर कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम और SSB कमांडेंट कैंप पहुंच गए और पूरे मामले की गहराई से जांच शुरू की गई। जवान के परिवार को घटना की सूचना दे दी गई है और औपचारिक पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कैंप में जवानों के बीच घटनास्थल के बाद से गम का माहौल है।

स्वच्छता एवं नशामुक्ति पर संवाद कार्यक्रम

निज संवाददाता। पटना

पटना के बिक्रम प्रखंड के महजपुरा गांव में लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं को स्वच्छता और नशामुक्ति के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वच्छता पर्यवेक्षक राजीव कुमार ने की। बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति ने यह स्पष्ट किया कि ग्रामीण समुदाय स्वच्छता और सामाजिक सुधार से जुड़े अभियानों में गंभीर रुचि रखता है।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने ग्रामीण जीवन में स्वच्छता की अहमियत पर विस्तार से चर्चा की। महिलाओं को बताया गया कि घर और उसके आसपास स्वच्छता बनाए रखने से बीमारी की संभावना कम होती है, खासकर डायरिया, टायफाइड, हैजा और मलेरिया जैसी संक्रामक बीमारियों से बचाव में सफाई महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शौचालय के निर्माण और नियमित उपयोग के प्रति भी विशेष

रूप से प्रेरित किया गया। खुले में शौच के दुष्प्रभाव और इसके कारण होने वाली स्वास्थ्य व सामाजिक समस्याओं को उदाहरणों के साथ समझाया गया।

डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण की व्यवस्था के बारे में भी जानकारी दी गई, ताकि गांव में कूड़ा-कचरा इधर-उधर फेंकने की आदत पर रोक लगाई जा सके। शौचालय निर्माण के लिए सरकार द्वारा दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि से संबंधित दिशानिर्देश भी महिलाओं को बताए गए, ताकि अधिक से अधिक लोग सरकारी सुविधा का लाभ उठाकर अपने घरों में शौचालय बनवाएं।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में नशामुक्ति पर जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने शराब और अन्य नशे के दुष्प्रभाव बताते हुए कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज की आर्थिक व सामाजिक स्थिति पर भी प्रतिकूल असर डालता है। उपस्थित परिवारों से अपील की गई कि वे नशा छोड़ने के लिए दूसरों को भी प्रेरित करें और समाज में सम्मानजनक तथा स्वस्थ वातावरण बनाने में सहयोग दें।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने ग्रामीण जीवन में स्वच्छता की अहमियत पर विस्तार से चर्चा की

अंत में उपस्थित महिलाओं को संदेश दिया गया कि वे नियमित बैठकों में भाग लें, स्वच्छता एवं नशामुक्ति से संबंधित जानकारी अपने परिवार और पड़ोस तक पहुंचाएं तथा इस अभियान को सामुदायिक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाएं। कार्यक्रम में स्थानीय मुखिया नीतू देवी सहित कई शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामवासी मौजूद रहे। संवाद कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ और प्रतिभागियों ने इस अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

पालीगंज मुख्य बाजार में बुलडोजर एक्शन

सरकारी जमीन पर बने अवैध कब्जों को प्रशासन ने किया ध्वस्त

निज संवाददाता। पटना

पटना जिले के पालीगंज मुख्य बाजार में प्रशासन ने बड़े पैमाने पर अवैध कब्जों और निर्माणों पर कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया। यह अभियान पटना डीएम के निर्देश पर अनुमंडल अधिकारी गरिमा लोहिया की अगुवाई में संचालित किया गया। सुबह से शुरू हुई कार्रवाई में बिहटा मोड़ से लेकर खीरीमोर देवी स्थान तक सरकारी जमीन पर बने कई दुकानों और पक्के-टुकड़े निर्माणों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। इस दौरान अंचल अधिकारी मोहन कुमार, डीएसपी राजीव चंद्र सिंह, थानाध्यक्ष सुमन कुमार तथा भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा ताकि कार्रवाई के दौरान किसी प्रकार का विरोध या अव्यवस्था न हो। स्थानीय लोगों के अनुसार, बाजार में कई वर्षों से सरकारी जमीन पर अवैध रूप से दुकानें और स्थायी निर्माण खड़े कर लिए गए थे। परिणामस्वरूप पालीगंज से चंदौस किंजर मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बाधित होती थी और बाजार क्षेत्र में हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती थी। पालीगंज से गुजरने में जहां पहले कुछ मिनट लगते थे, वहीं अवैध कब्जों के कारण लोगों को दो से तीन घंटे तक जाम में फंसना पड़ता था।

कार्रवाई के दौरान प्रशासन ने पहले से चिन्हित सभी अवैध निर्माणों को ध्वस्त कराया। पालीगंज के निवासियों और स्थानीय व्यापारियों ने इस कदम का समर्थन करते हुए कहा कि वर्षों से सरकारी जमीन पर कब्जे के कारण बाजार का विस्तार रुक गया था और स्थानीय नागरिकों को भारी असुविधा झेलनी पड़ रही थी। लोगों ने मांग की कि पालीगंज क्षेत्र के अन्य हिस्सों में भी इसी प्रकार की कार्रवाई जारी रखी जाए और सरकारी भूमि को पूरी तरह कब्जा मुक्त किया जाए। अंचलाधिकारी मोहन कुमार ने बताया कि पालीगंज मुख्य बाजार में जाम की समस्या लंबे समय से बढ़ रही थी, जिसका मुख्य कारण सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा था। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह पूर्व सभी दुकानदारों और कब्जाधारियों को स्वयं निर्माण हटाने की चेतावनी दी गई थी, लेकिन निर्धारित अवधि बीत जाने के बाद भी किसी ने कब्जा नहीं छोड़ा। इसके बाद मंगलवार को प्रशासन ने कड़े रुख में कार्रवाई कर सभी अवैध ढांचों को शांतिपूर्ण ढंग से ध्वस्त करा दिया गया। अधिकारी ने बताया कि पालीगंज में नए ऑटो स्टैंड के निर्माण की योजना पर भी प्रशासन काम कर रहा है ताकि आम लोगों को बाजार आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। अवैध निर्माण हटाने के बाद प्रशासनिक टीम नियमित निगरानी करेगी और यदि दोबारा किसी ने सरकारी भूमि पर कब्जा किया तो उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

लेबर कोड में प्रस्तावित बदलाव श्रमिकों की सुरक्षा को कर सकता है कमजोर : यूनियन

रांची। हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन के पदाधिकारी और सदस्यों ने शनिवार को धुर्वा में आयोजिक बैठक में नए लेबर कोड संशोधनों पर कड़ी आपत्ति जताई है। यूनियन ने कहा है कि लेबर कोड में प्रस्तावित बदलाव श्रमिकों की सुरक्षा, अधिकारों और संगठनात्मक स्वतंत्रता को कमजोर कर सकता है। मौके पर यूनियन के महामंत्री लीलाधर सिंह ने कहा कि श्रमिक समुदाय वर्षों से बेहतर कार्य-स्थितियों और मजबूत सामाजिक सुरक्षा की उम्मीद करता आ रहा है। लेकिन मौजूदा संशोधन इसके विपरीत दिशा में जा रहा है। उन्होंने कहा कि सुधारों का उद्देश्य श्रमिकों को मजबूत करना होना चाहिए, न कि असुरक्षित करना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी नीति परिवर्तन से पहले श्रमिक संगठनों के साथ संवाद जरूरी है, जो इस मामले में नहीं किया गया। यूनियन ने चिंता जताई कि काम के घंटों में बढ़ोतरी, सुरक्षा मानकों में ढील और यूनियन गठन की प्रक्रिया को कठिन बनाना श्रमिकों के हितों पर सीधा असर डाल सकता है। यूनियन की ओर से कहा गया कि केंद्र सरकार के सामने चार मांगें रखीं इसमें लेबर कोड में सुधारों से पहले पारदर्शी संवाद स्थापित करने की बात कही गई है। साथ ही कहा गया कि सुरक्षा और वेतन प्रावधानों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप करना बेहद जरूरी है।

कडाके की ठंड में अतिक्रमण कर लोगों को बेघर करना अमानवीय : डॉ पवन

पूर्वी सिंहभूम। सीतारामडेरा थाना क्षेत्र भुईयांडीह में सड़क चौड़ीकरण और विकास कार्य के नाम पर किए जा रहे अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई को लेकर शनिवार को नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के राष्ट्रीय महासचिव (नगर निकाय) डॉ पवन पांडेय ने इस अभियान को अमानवीय बताया है। उन्होंने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि ठंड के मौसम में बिना पुनर्वास और वैकल्पिक व्यवस्था किए बगैर गरीब परिवारों के घरों को तोड़ना मानवीय मूल्यों के खिलाफ है। डॉ पांडेय ने कहा कि प्रशासन यदि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर ही रहा है, तो पहले यह क्यों नहीं सुनिश्चित किया गया कि अतिक्रमण की स्थिति पैदा ही न होने पाए। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में इतने बड़े पैमाने पर बस्ती बसने और घरों के निर्माण के पीछे स्थानीय पुलिस-प्रशासन की मौन सहमति होती है। ऐसे में केवल गरीबों को ही दोषी ठहराना और उन्हें सजा देना न्यायसंगत नहीं है।

पुनर्वास की मांग को लेकर लोगों ने किया प्रदर्शन

पूर्वी सिंहभूम। सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के भुईयांडीह में अतिक्रमण हटाने के नाम पर टूटे घरों के विरोध में शनिवार को स्थानीय बस्तीवासियों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। हाल ही में सड़क चौड़ीकरण अभियान के दौरान बिना पूर्व नोटिस दर्जनों घरों को ढहाए जाने से क्षुब्ध प्रभावित लोगों ने भुईयांडीह पूजा मैदान से जिला मुख्यालय तक जोरदार विरोध रैली निकाली। रैली का नेतृत्व पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां ने किया, जिनकी इन बस्तियों को बसाने में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शनकारी हाथों में तख्तियां लिए हुए थे और प्रशासन की कार्रवाई को अमानवीय बताते हुए पुनर्वास की मांग कर रहे थे। लोगों का कहना है कि संविधान दिवस जैसे दिन प्रशासन ने घर तोड़कर गरीबों को सड़क पर ला खड़ा किया। न तो कोई नोटिस दिया गया और न ही उनके लिए ठंड के मौसम में वैकल्पिक व्यवस्था की गई। बस्तीवासियों ने जिला प्रशासन के साथ-साथ राज्य सरकार से भी इस मुद्दे पर संवेदनशील होने की अपील की है। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि जब तक सभी विस्थापित परिवारों को रहने की उचित व्यवस्था और पुनर्वास उपलब्ध नहीं कराया जाता, तब तक उनका चरणबद्ध आंदोलन जारी रहेगा।

दिनदहाड़े जेम्स हाउस में 10–12 लाख के रत्न चोरी, सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए चोर

पूर्वी सिंहभूम। जुगसलाई थाना क्षेत्र के भीड़भाड़ वाले चौक बाजार स्थित बाटा चौक में शनिवार को उस समय सनसनी फैल गई जब एक युवक खुले दुकान का फायदा उठाकर जेम्स हाउस नामक दुकान से लाखों के रत्न लेकर फरार हो गया। वारदात के समय दुकान मालिक थोड़ी देर के लिए शौच जाने निकले थे और कर्मचारी भी पड़ोस की दुकान से सामान लेने गया हुआ था। इसी बीच चोर मौके का फायदा उठाते हुए दुकान में घुसा और पेटी का ताला तोड़कर करीब 10 से 12 लाख रुपये मूल्य के पुखराज, नीलम, पन्ना सहित कई कीमती पत्थर लेकर चंपत हो गया। वारदात पूरी तरह दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो चुकी है, जिसमें आरोपित का चेहरा और उसकी गतिविधियां साफ नजर आ रही हैं। दिनदहाड़े हुई इस चोरी की घटना से बाजार के व्यवसायियों में आक्रोश है, क्योंकि चौक बाजार में यह लगातार तीसरी चोरी है। व्यापारियों का कहना है कि पुलिस गश्त न होने के कारण अपराधी बेखौफ होकर घटना को अंजाम दे रहे हैं। सूचना मिलते ही जुगसलाई पुलिस मौके पर पहुंची, मगर उन्हें व्यापारियों के विरोध का सामना करना पड़ा। पुलिस ने आश्वासन दिया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की पहचान कर कार्रवाई जल्द की जाएगी। व्यापारी संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि लगातार हो रही चोरी रोकने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो वे उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

आरपीएफ–जीआरपी की संयुक्त कार्रवाई में टाटानगर स्टेशन से गांजा तस्कर गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम। टाटानगर रेलवे स्टेशन से रेलवे सुरक्षा बल उड़नदस्ता दल, चक्रधरपुर मंडल तथा जीआरपी की संयुक्त टीम ने अवैध गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को 17 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई का नेतृत्व रेल जमशेदपुर के पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) ने किया। बरामद गांजा की बाजार कीमत लगभग 8.5 लाख रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान पलामू जिले के हरिहरगंज निवासी उदय कुमार उर्फ मंटू के रूप में हुई। पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपित ओडिशा के संबलपुर मंडल अंतर्गत जरपाड़ा स्टेशन से गांजा लेकर टाटानगर स्टेशन पहुंचा था। यहां से वह बस के माध्यम से डाल्टनगंज होते हुए माल को सप्लाई करने की योजना बना रहा था। शनिवार को टाटा नगर जीआरपी थाना प्रभारी अरुणा मिश्रा ने बताया कि आरोपित की गतिविधियों की पहले से गुप्त सूचना मिली थी। जैसे ही वह ट्रेन से उतरकर सीढ़ियों के जरिए टिकट काउंटर की ओर बढ़ा, संयुक्त टीम ने शुक्रवार रात को घेराबंदी कर उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। उसके बैग की तलाशी लेने पर 17 किलो अवैध गांजा बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपित ने स्वीकार किया है कि वह लंबे समय से इस अवैध कारोबार में शामिल है।

मॉडल सोलर विलेज निर्माण को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

जिले में पन्ना-हरित ऊर्जा को बढ़ावा देते हुए पीएम–सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के तहत मॉडल सोलर विलेज निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। शनिवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू, उपाध्यक्ष पंकज, जिप सीईओ नागेन्द्र पासवान, विकास शाखा के प्रभारी पदाधिकारी सुदीप्त राज, तीनों विद्युत प्रमंडलों के कार्यपालक अभियंता, एलडीएम प्रतिनिधि और विभिन्न प्रखंडों के बीडीओ उपस्थित थे। बैठक में जिले के 7 प्रखंडों के 10 गांवों को मॉडल सोलर विलेज प्रतियोगिता के लिए चिन्हित किया गया है। इनमें मुसाबनी के पारूलिया और धोबनी, धालभूमगढ़ के कोकपाड़ा–नरसिंहगढ़, घाटशिला का बड़ाजुड़ी, पोटका के हाड़तोपा और कालिकापुर, बहरागोड़ा का मानुषमुड़िया, पटमदा के बड़ा बांगुड़दा और बिडरा तथा बोड़ाम प्रखंड का बोड़ाम गांव शामिल हैं। निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार इन गांवों में छह माह का चैलेंज पीरियड रहेगा। इस दौरान सौर ऊर्जा से जुड़े प्रोजेक्ट जैसे पीएम–कुसुम योजना, सोलर आधारित सिंचाई, सरकारी भवनों पर सोलर पैनल, गांवों में स्ट्रीट और हाई मास्ट सोलर लाइट की अधिकतम स्थापना सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाएगा। छह माह के बाद जिस गांव में नवीकरणीय ऊर्जा लगाने की क्षमता सर्वाधिक होगी, उसे मॉडल सोलर विलेज घोषित किया जाएगा और एक करोड़ रुपये की नकद प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। उपायुक्त ने सभी बीडीओ और संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि चिन्हित गांवों में ग्राम सभा आयोजित कर ग्रामीणों को योजना की संपूर्ण जानकारी दी जाए और पात्रता, सब्सिडी व आवेदन प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर प्रत्येक गांव में व्यावहारिक कार्ययोजना के साथ समयबद्ध कार्य किए जाएं।

भारत और दक्षिण अफ्रीका वनडे क्रिकेट मैच को लेकर सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम

पांच हजार जवान संभालेंगे कमान : पुलिस अधीक्षक

एजेंसी। रांची

रांची के जेएससीए स्टेडियम में 30 नवंबर को होने वाले भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच को लेकर पुलिस ने सुरक्षा के कड़े और पुख्ता इंतजाम किए हैं। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। सुरक्षा के मद्देनजर धुर्वा स्थित जेएससीए स्टेडियम और उसके आसपास इलाके में 5000 जवानों की तैनाती रहेगी। इसमें एटीएस, आईआरबी, रैप, जिला पुलिस के अलावा महिला पुलिस बल भी शामिल है। इसके साथ साथ छह आईपीएस, 15 डीएसपी और 30 से ज्यादा थानेदारों की अलग से तैनाती की जा रही है। इसके साथ ही अग्निशमन दस्ता और वाटर कैनन की टीम भी स्टेडियम के बाहर एवं भीतर तैनात रहेगी। वहीं दूसरी ओर खिलाड़ियों के ठहरने वाले होटल रेडिशन ब्लू में भी अलग से पुलिस बल की तैनाती की गई है। लगातार वरीय अधिकारी होटल और स्टेडियम का जायजा ले रहे है। एसएसपी राकेश रंजन ने शनिवार को बताया कि क्रिकेट मैच में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। पांच हजार से अधिक जवानों की तैनाती की गई है। सुरक्षा के कड़े और पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सादे लिबास में भी पुलिस बल की तैनाती की गई है। सभी थानेदारों को लगातार पेट्रोलिंग करने का निर्देश दिया गया है।

पांच साईबर अपराधी गिरफ्तार, 10 आइफोन और 14 सिमकार्ड बरामद

एजेंसी। रांची

साईबर पुलिस ने गिरिडीह - गाण्डेय मार्ग से जामताड़ा जा रहे स्कॉर्पियों गाड़ी में सवार पांच ठगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपाधीक्षक (साइबरक्राईम) आविद खां ने शनिवार को बताया कि गिरफ्तार साईबर अपराधी खरीददारी कर वापस अपने घर लोट रहे थे। गुप्त सूचना पर स्कॉर्पियों को रोककर कार्रवाई की गई जहां विजय मंडल, अर्जून मंडल दोनो (करमाटाड़) आदित्य राज उर्फ ऑम शंकर कुमार (किशनपुर) गजेंन्द्र कुमार और रवि कुमार दोनों (बरबीघा) को गिरफ्तार किया गया है। बताया गया कि इस दौरान एक अन्य आरोपित निर्मल मंडल भागने में सफल रहा है। बताया गया कि इनके पास से 10 आइफोन , 14 सिमकार्ड और स्कॉर्पियों जब्त की गई है। पुलिस ने बताया कि पकडे गयी सभी अपराधी झारखंड के विभिन्न इलाकों में फर्जी बैंक अधिकारी बनकर फर्जी आईटीओ चालान, ई-केवाईसी अपडेट करने के नाम पर ठगी करते रहे हैं। ठगी के पैसे से ही वे महंगे मोबाइल - जेवर वगैरह की खरिदारी कर वापस घर लौट रहे थे।

यूसीआईएल ने सीएसआर फंड से उपलब्ध कराया तीन एंबुलेंस

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन के प्रयासों से जिले की तीनों जेलों – घाघीडीह मंडल कारा, साकची जेल और घाटशिला जेल को अब आपात स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एंबुलेंस सुविधाएं उपलब्ध हो गई हैं। यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधि के तहत तीन आधुनिक एंबुलेंस जिला प्रशासन को प्रदान की हैं। शनिवार को जिला जनसंपर्क कार्यालय परिसर में आयोजित समारोह में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने इन एंबुलेंसों की चाबियां संबंधित कारा अधिकारियों को सौंपीं और हरी झंडी दिखाकर इन्हें रवाना किया। उपायुक्त ने कहा कि कैदियों के स्वास्थ्य अधिकारों की सुरक्षा जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। जेलों में किसी भी कैदी के स्वास्थ्य में अचानक गिरावट आने पर त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना अत्यावश्यक होता है। इन वाहनों के उपलब्ध होने से गंभीर मरीजों को एमजीएम अस्पताल या आवश्यकतानुसार रांची रेफर करने में अब देरी नहीं होगी। उपायुक्त ने यूसीआईएल प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहयोग न केवल काराप्रशासन की क्षमता को मजबूत करेगा बल्कि मानवीय संवेदनाओं से जुड़े प्रशासनिक प्रयासों को भी नयी गति देगा। उन्होंने जेल अधिकारियों को निर्देश दिया कि एंबुलेंस का संचालन पूरी जिम्मेदारी और तत्परता के साथ सुनिश्चित किया जाए, ताकि जरूरतमंद कैदियों को समय पर इलाज मिल सके। एंबुलेंस सुविधा शुरू होने से जेलों की स्वास्थ्य प्रतिक्रिया तंत्र में जहां महत्वपूर्ण सुधार होगा, वहीं किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में त्वरित कदम उठाने में भी आसानी होगी। यह पहल कैदियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में जिला प्रशासन का एक सराहनीय कदम माना जा रहा है।

दक्षिण पूर्व रेलवे में ट्रैक मेंटेनरों की मौत पर यूनियन का फूटा गुस्सा, कार्रवाई नहीं हुई तो होगा आंदोलन

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

दक्षिण पूर्व रेलवे जोन में ट्रैक मेंटेनरों की लगातार हो रही मौतों से आक्रोश गहराता जा रहा है। बीते छह महीनों में नौ कर्मचारियों ने अपने प्राण गंवाए हैं, फिर भी सुरक्षा इंतज़ाम जस के तस बने हुए हैं। हाल ही में रांची और खड़गपुर मंडल में दो अलग-अलग हादसों में दो ट्रैक मेंटेनरों की जान चली गई, जिसके बाद ऑल इंडिया रेलवे ट्रैक मेंटेनर यूनियन भड़क उठी है। यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह चक्रधरपुर निवासी चांद मोहम्मद ने रेलवे प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि ट्रैक मेंटेनरों की सुरक्षा को लेकर बिल्कुल संवेदनहीनता दिखाई जा रही है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि यदि रेलवे ने तुरंत प्रभावी कदम नहीं उठाए, तो यूनियन दक्षिण पूर्व रेलवे के जोनल कार्यालय के सामने एकदिवसीय धरने के साथ बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होगी। चांद मोहम्मद ने यह भी कहा कि "हम जिंदगी दांव पर लगाकर रेलवे की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं, लेकिन हमारी सुरक्षा के लिए कोई ठोस इंतज़ाम ही नहीं है।" शनिवार को रांची मंडल के पीडब्ल्यूआई मुरी–1 खंड में तैनात ट्रैक मेंटेनर बिपत्तरानी महतो ड्यूटी के दौरान इलो स्टेशन के पास ट्रेन संख्या

18615 की चपेट में आ गए। नाइट कॉल वॉटर पेट्रोलिंग के दौरान हुई इस दुर्घटना में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इसी दिन खड़गपुर मंडल के पीडब्ल्यूआई हिजली सेक्शन में नियुक्त ट्रैक मेंटेनर मंजूरुल हैदर सुबह 6:30 बजे कोल्ड वेदर पेट्रोलिंग करते समय हिजली–खड़गपुर मेमू (68048) की चपेट में आ गए और उनकी भी तत्काल मौत हो गई। कर्मचारियों का कहना है कि कोहरे और ठंड के मौसम में ट्रेनें धीमी गति से चलती हैं, लेकिन उनकी पेट्रोलिंग दूरी कम नहीं की जाती, जिससे हादसों की संभावना बढ़ जाती है। ट्रैक मेंटेनरों ने सुरक्षा किट, बेहतर संचार साधन और पेट्रोलिंग मानकों में बदलाव की मांग की है। लगातार हो रही मौतों ने इस मुद्दे को बेहद गंभीर बना दिया है और यूनियन ने स्पष्ट कर दिया है कि अब और जान गंवाने नहीं दी जाएगी और सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने तक आंदोलन जारी रहेगा।

एक्सएलआरआइ में शुरू हुआ फादर एनराइट मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

एक्सएलआरआइ (जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट) में शनिवार को फादर एनराइट मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट एक्स-फेक्ट 3.0 का उदघाटन किया गया। क्रिकेट के इस वार्षिक आयोजन में इस बार 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनमें 12 पुरुष तथा 4 महिला टीमें शामिल हैं। इस संस्करण की थीम प्ले फॉर अ कॉज रखी गई है, जो खेल के साथ सामाजिक संवेदना का संदेश देता है। उद्घाटन समारोह में छात्रों, फैकल्टी, स्टाफ, पूर्व छात्रों और कैंपस से जुड़े सहयोगियों सहित बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डीन (प्रशासन एवं वित्त) फादर डोनाल्ड डिसिल्वा, एसजे ने संबोधित करते हुए कहा कि एक्स-फेक्ट केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि एक्सएलआरआइ के सेवा, एकता और सामुदायिक साझेदारी के मूल्यों को मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि यह पहल उन लोगों के साथ साझेदारी की प्रेरणा देती है जिनके पास संसाधनों की कमी है, ताकि समाज में समानता और सहयोग की भावना बढ़े।

मेडिका अस्पताल में की गई दर्जनों लोगों की निःशुल्क नेत्र जांच

एजेंसी। रांची

मेडिका हॉस्पिटल और मेडिका आई अस्पताल के सहयोग से शनिवार को विद्यानगर, हरमू में निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद शिविर का आयोजन किया गया। यह जानकारी हॉस्पिटल के पीआरओ पौरुष जैन ने दी। उन्होंने बताया कि शिविर में दर्जनों लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई, जिनमें 9 लोग मोतियाबिंद से ग्रसित पाए गए। इन सभी मरीजों का निःशुल्क उपचार अस्पताल में उपलब्ध कराया जाएगा। शिविर के संचालन में आई कमिटी और स्थानीय स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन में तकनीशियन और नर्सिंग स्टाफ ने प्रतिभागियों को निःशुल्क परामर्श और जांच सुविधा प्रदान की गई। शिविर में आए लोगों को प्रारंभिक जांच, आंखों की स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और मोतियाबिंद उपचार से जुड़ी जानकारी भी दी गई। उन्होंने बताया कि कैम्प का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क नेत्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और नेत्र रोगों के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर भगवान महावीर अस्पताल संस्थान के अध्यक्ष संतोष जैन पाटनी, सचिव पंकज सेठी, उपाध्यक्ष गोविंद सरावगी, कमल विनाइकया, सह सचिव रोहित जैन, अमित जैन, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र छाबड़ा, अस्पताल के टेक्नीशियन, शिवानंद प्रसाद, दुब्राज महतो नर्सिंग स्टाफ़ सहित अन्य मौजूद थे।

सड़क चौड़ीकरण पर राजनीति तेज, विस्थापितों की बढ़ी मुश्किलें

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के छाया नगर और भुइयांडीह को श्मशान घाट से मानगो तक जोड़ने वाले रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई ने नया राजनीतिक मोड़ ले लिया है। सड़क चौड़ीकरण के लिए जिला प्रशासन और टाटा स्टील की संयुक्त टीम लगातार अभियान चला रही है। इस दौरान करीब 60 कच्चे-पक्के घर और दुकानों को ढहा दिया गया है, जिससे अनेक परिवार जहां-तहां सड़क किनारे शरण लेने को मजबूर हो गए हैं। कड़ाके की ठंड में बेघर हुए लोग अपनी आपबीती लेकर अब सड़कों पर उतर आए हैं। विस्थापन के दर्द के बीच शुक्रवार देर रात लोगों ने प्रशासनिक कार्रवाई के विरोध में मसाल जुलूस निकाला। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में प्रभावित लोग शामिल हुए। ठेकेदार शिवशंकर सिंह और पूर्व मंत्री दुलाल भुइयां लोगों के समर्थन में मौजूद रहे। शिवशंकर सिंह ने बेघर हुए परिवारों के बीच कंबल और राहत सामग्री वितरित की। वहीं दुलाल भुइयां ने प्रशासनिक कदम को अमानवीय बताते हुए आंदोलन को जारी रखने की बात कही। उधर, क्षेत्र की विधायिका पूर्णिमा साहू ने अपनी भूमिका को लेकर उठ रहे सवालों पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण प्रक्रिया दो वर्ष से जारी है और सोशल मीडिया में उनके नाम पर गलत दावे किए जा रहे हैं कि उन्होंने घर तोड़वाने में भूमिका निभाई है। विधायक ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी से मुलाकात कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर अस्थायी रोक लगाने और प्रभावित लोगों के पुनर्वास की मांग रखी है। राजनीतिक दलों की ओर से भी आवाजें उठने लगी हैं कि जब तक विस्थापितों के पुनर्वास की ठोस व्यवस्था नहीं होती, तब तक तोड़फोड़ बंद की जानी चाहिए। वहीं राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी तेज है कि भुइयांडीह क्षेत्र को अवैध रूप से बसाने में कभी पूर्व मंत्री दुलाल भुइयां की अहम भूमिका रही थी और अब राजनीतिक जमीन कमजोर पड़ने के बाद वे इस मुद्दे के सहारे खुद को पुनः स्थापित करने की कोशिश में जुट गए हैं। सड़क चौड़ीकरण की जरूरत और मानवीय संवेदनाओं के बीच इस पूरे प्रकरण ने प्रशासन को कठघरे में खड़ा कर दिया है। एक ओर शहर विकास की मजबूरी है, तो दूसरी ओर सर्द रातों में खुले आसमान के नीचे डेरा डाले परिवार—समस्या और राजनीति की यह जंग फिलहाल थमने का नाम नहीं ले रही।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

उत्तराखंड, हिमाचल और पूर्वोत्तर में भूकंप का ज्यादा खतरा

देहरादून, एजेंसी। देश में शुक्रवार को एक नया सिस्मिक जोनेशन मैप जारी किया गया है, जिसकी कुछ तस्वीरें आपको भी डरा सकती हैं। इस नए मैप में देश भर में भूकंप से होने वाले खतरों की जानकारी दी गई है। मैप में पूरे हिमालयी आर्क को पहली बार बने नए जोन-6 में शामिल किया गया है, जिसे सबसे अधिक खतरे वाला जोन माना गया है। वहीं अब हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर और पूर्वोत्तर के पहाड़ी क्षेत्र सबसे ज्यादा खतरे में हैं। नई मैपिंग के बाद देश के 61% हिस्से को अब मध्यम से लेकर हाई खतरे वाले जोन में दिखाया गया है। मैप में इस संशोधन को कई दशकों में भारत के सिस्मिक रिस्क में सबसे बड़ा बदलाव माना जा रहा है। ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स ने यह मैप जारी करते हुए कहा कि यह प्रोबैबिलिस्टिक सिस्मिक हैजर्ड असेसमेंट पर आधारित है। इसमें एक्टिव फॉल्ट्स, अधिकतम संभावित मैग्निट्यूड, सिस्मिक वेव पैटर्न, टेक्टोनिक सेटिंग और जमीन की संरचना को शामिल किया गया है। जबकि पुराने मैप सिर्फ ऐतिहासिक भूकंपों और पुराने डेटा पर आधारित थे। नए मैप में हिमाचल में शिमला से लेकर उत्तराखंड के देहरादून जैसे शहरों को नए जोन 6 में रखा गया है जहां भूकंप का खतरा सबसे ज्यादा है। इस जोन में जम्मू कश्मीर, पूरा नॉर्थ ईस्ट और गुजरात के कुछ हिस्से भी हैं, जहां खतरा बरकरार है। नेपाल-बिहार सीमा से सटे कुछ क्षेत्रों को जोन 5 में रखा गया है। वहीं दिल्ली को जोन 4 में रखा गया है।

कुत्ते ने बदलवा दी इस मेडिकल कॉलेज की व्यवस्था

मेरठ, एजेंसी। एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज परिसर में अब कोई कर्मचारी, चिकित्सक या अधिकारी पालतू जानवर नहीं पाल सकेगा। अगर किसी ने परिसर की नियमों को तोड़ा तो उसके सरकारी आवास का आवंटन निरस्त कर दिया जाएगा। यह फरमान हॉस्टल में पहुंचे कुत्ते की वीडियो वायरल होने के बाद कॉलेज प्राचार्य ने जारी किए हैं। एक कुत्ते के हॉस्टल में पहुंचने के बाद परिसर की पूरी व्यवस्था बदल दी गई। मेडिकल कॉलेज कैम्पस में हजारों की संख्या में चिकित्सक, कर्मचारी, जेआर समेत नर्सिंग स्टाफ के लिए सरकारी आवास बने हैं। कई एकड़ वाले मेडिकल परिसर में अवैध डेयरियां, मुर्गी फार्म संचालित हैं। अब कॉलेज प्रशासन ने आवारा, पालतू जानवरों के सरकारी परिसर में पालने पर सख्ती से रोक लगा दी है। अगर किसी ने पालतू जानवर को पाला तो उसके आवास का आंवटन निरस्त करने का नियम लागू कर दिया है। आवारा पशु को खिलाने पर रोक परिसर में आवारा कुत्ते, बंदर और पशुओं को खिलाने-पिलाने पर रोक लगा दी है। किसी भी स्टाफ ने इनको खाना, पीना उपलब्ध कराया तो उसकी खैर नहीं। परिसर के सभी चौकीदार, गार्ड और माली समेत अन्य स्कार्ट टीम को पशुपालन का नियम तोड़ने वालों पर गोपनीय निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। इसकी सूचना पर नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कहा कि आदेश का सख्ती से पालन हो। मेडिकल कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल की एक वीडियो अभी हाल में वायरल हुई थी, उसमें साफ दिखाई दे रहा है कि दीवार के ऊपर चढ़कर कुत्ते खाने की प्लेट को चाट रहा है। कुत्ते के प्लेट में खाना खाने से सुरक्षा और सेहत दोनों पर सवाल खड़े कर दिए। मेडिकल के अंदर बने अस्पताल में आने वाले मरीज और तीमारदार भी कुत्ते और बंदरों से परेशान हैं। बंदर पार्किंग में खड़े वाहनों को नुकसान पहुंचाते हैं तो कुत्ते अस्पताल में ओपीडी से लेकर वार्डों में हर जगह दिखाई देते हैं।

नमो भारत ट्रेन के काम में अड़ंगा?

जीएमडीए ने गुरुग्राम में प्रस्तावित स्टेशन पर डाल दी पेयजल लाइन

गुरुग्राम, एजेंसी।
गुरुग्राम में दिल्ली-जयपुर हाईवे पर इफ्को चौक के पास नमो भारत ट्रेन के प्रस्तावित स्टेशन और रूट पर गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने पेयजल लाइन डाल दी है। बताया जा रहा है कि एनसीआरटीसी और जीएमडीए के बीच आपसी तालमेल की कमी से ऐसा हुआ है। इस पाइपलाइन को दोबारा शिफ्ट करने पर करोड़ों रुपये की लागत आएगी।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने दिल्ली-जयपुर हाईवे पर नमो भारत ट्रेन चलाने की योजना बनाई है। इसके तहत दिल्ली के सराय रोहिल्ला से लेकर गुरुग्राम होते हुए रेवाड़ी के बावल तक ट्रेन दौड़ेगी। इसके तहत प्रस्तावित 15 स्टेशन बनाए जाएंगे। इसमें इफ्को चौक स्टेशन शामिल है। इस साल की शुरुआत में जीएमडीए ने करीब 14 करोड़ रुपये की लागत से पाइपलाइन डालने का ठेका एक कंपनी को आवंटित किया था।

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर जयपुर से दिल्ली की तरफ बरसाती नाले के साथ पाइपलाइन डाली जानी थी। पाइपलाइन डालने के लिए जीएमडीए ने एनएचएआई से मंजूरी लेने के बाद काम शुरू कर दिया।

पाइपलाइन डालने पर जताई थी आपत्ति : करीब 60 प्रतिशत काम पूरा होने के बाद एनसीआरटीसी ने इस पाइपलाइन पर ऐतराज जाहिर किया है। एनसीआरटीसी के मुख्य परियोजना प्रबंधक अतुल गुप्ता ने जीएमडीए को लिखे पत्र में कहा है कि जिस जमीन पर पाइपलाइन डाली गई है, वह नमो भारत ट्रेन रूट के निर्माण के बीच में आ रही है। इफ्को चौक स्टेशन के निर्माण के बीच में यह पेयजल लाइन अड़चन बनेगी। ऐसे में इस काम को रोका जाए। इसका जवाब देते हुए जीएमडीए ने कहा कि एनएचएआई से मंजूरी लेने के बाद काम शुरू किया गया। अधिकांश काम पूरा हो चुका है। पत्र में कहा कि एनसीआरटीसी ने नमो भारत ट्रेन के रूट में बदलाव करने की सूचना जीएमडीए को नहीं दी है। ऐसे में यदि पेयजल लाइन के रूट में बदलाव करना है तो वैकल्पिक जमीन मुहैया करवाई जाए। बता दें कि इस पेयजल लाइन को सेक्टर-16 के बूस्टिंग स्टेशन से डाला जा रहा है। इसका उद्देश्य डीएलएफ क्षेत्र के अलावा एमजी रोड पर विकसित रिहायशी और व्यावसायिक कॉलोनियों तक पर्याप्त पानी पहुंचाना है। अभिनव वर्मा, कार्यकारी अभियंता, जीएमडीए, ''एचएचएआई से स्वीकृति लेने के बाद पाइपलाइन बिछाने का कार्य आवंटित किया था। एनसीआरटीसी ने नमो भारत ट्रेन के रूट को बदल दिया है, जिसकी जानकारी जीएमडीए को नहीं दी गई थी।''

ग्रेटर फरीदाबाज में गरजा बुलडोजर, कई अवैध निर्माण किए ध्वस्त

ग्रेटर फरीदाबाद, एजेंसी। ग्रेटर फरीदाबाद सेक्टर-79 स्थित चंदीला चौक के पास शुक्रवार को डीटीपी इन्फोर्समेंट टीम ने अवैध निर्माण और कब्जों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान टीम ने तोड़फोड़ दस्ते से कई दुकानों, एक कंपनी परिसर और वर्कशॉप को ध्वस्त कर दिया। कुछ लोगों ने तोड़फोड़ कार्रवाई का विरोध जताया,

पुलिस ने उन्हें समझा बुझा कर शांत कर दिया। वहीं कार्रवाई की सूचना पाकर हरियाणा के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर मौके पर पहुंच गए। उन्होंने कुछ समय बाद कार्रवाई को रुकवा दिया। डीटीपी इन्फोर्समेंट अधिकारी यजन चौधरी ने बताया कि चंदीला चौक के समीप सड़क किनारे और कुछ खाली प्लॉटों पर बिना मंजूरी के दुकानें, मैकेनिक वर्कशॉप, कार धुलाई की दुकानें और एक छोटे स्तर की निर्माण सामग्री कंपनी चल रही थी। स्थानीय लोगों और आवासियों की शिकायत थी कि इन अवैध गतिविधियों से न केवल ट्रैफिक बाधित हो रहा था, बल्कि सार्वजनिक भूमि पर कब्जा बढ़ता जा रहा था।

कुख्यात नक्सली श्याम दादा उर्फ चैतु ने किया सरेंडर

25 लाख रुपए का इनाम था

जगदलपुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के बस्तर में झीरझ में 2010 में हुए नक्सली हमले का मास्टरमाइंड श्याम दादा उर्फ चैतु सहित 10 नक्सलियों ने शुक्रवार को सरेंडर कर दिया। चैतू पर राज्य सरकार द्वारा 25 लाख रुपए का इनाम घोषित था और उसे संगठन का प्रमुख रणनीतिकार माना जाता है।

बस्तर रेंज पुलिस महानिरीक्षक के कार्यालय की ओर से शुक्रवार की रात को बताया गया कि गीरेड्डी पवनानंद उर्फ चैतु उर्फ श्याम दादा ने साल 1985 में नक्सल संगठन में शामिल हुआ था। साल 1992-92 महाराष्ट्र के गोंदिया इलाके में काम किया,यहां के बाद चैतु को दंडकारण्य इलाके में सक्रिय किया गया। दलम और कमांडर के रूप में काम कर चुके श्याम दादा उर्फ चैतु को डिविजनल समिति में लिया गया। वर्तमान में इस नक्सली के कंधे पर दरभा घाटी की जिम्मेदारी थी।

इस नक्सली को झीरम घाटी हमले का मास्टरमाइंड माना जाता है। गौरतलब है कि दरभा घाटी इलाके के झीरम में 25 मई 2013 को नक्सलियों ने हमला करके कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष नन्दकुमार पटेल उनके पुत्र आदिवासी नेता महेंद्र कर्मा सहित कई अन्य नेताओं की हत्या कर दी थी। कथित तौर पर नक्सलियों ने कर्मा की मौत के बाद उनकी लाश के चारों ओर घूम-घूमकर डांस किया था।

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक

सुंदरराज पी ने बताया कि छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सक्रिय रहे दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति (डीकेएसजेडसी) के सदस्य चैतू उर्फ श्याम दादा समेत 10 माओवादियों ने शुक्रवार शाम पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया है। चैतू पर राज्य सरकार द्वारा 25 लाख रुपए का इनाम घोषित था और उसे संगठन का प्रमुख रणनीतिकार माना जाता है। सरेंडर करने वालों में सरोज उर्फ सरोज दादा पर आठ लाख रुपए का इनाम घोषित था। इसके अलावा सरेंडर करने वाले नक्सलियों में भूपेश उर्फ राम, प्रकाश, कमलेश उर्फ झितरु, जननी उर्फ रयमती कश्यप, संतोष उर्फ सन्नू, नवीन और नवीन (सभी एसीएम कैडर), साथ ही रमशीला तथा जयती कश्यप (पीएम कैडर) शामिल हैं। इन 10 माओवादियों पर कुल 65 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

सुंदरराज ने कहा कि माओवादी कैडरों में निरंतर टूट और आंतरिक असंतोष साफ दिखाई दे रहा है। सरकार और पुलिस की अपील और पुनर्वास नीति के कारण प्रभावित साथी हिंसा छोड़ मुख्यधारा चुन रहे हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ सावरकर केस में चलाई गई सीडी निकली खाली

पुणे, एजेंसी।
पुणे की एमपी/एमएलए विशेष अदालत में गुरुवार को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले की सुनवाई के दौरान एक अप्रत्याशित घटना सामने आई। दरअसल हिंदू विचारक विनायक दामोदर सावरकर के कथित अपमान से जुड़े इस मामले में मुख्य सबूत के तौर पर एक सीडी पेश की गई थी। लेकिन यह सीडी अदालत में चलाए जाने पर खाली निकली। मामले की सुनवाई मजिस्ट्रेट अमोल शिंदे कर रहे हैं। शिकायत सावरकर के परपौत्र सत्यकी सावरकर ने दर्ज कराई है, जिसमें आरोप लगाया गया कि राहुल गांधी ने लंदन में दिए एक भाषण के दौरान सावरकर के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

सीलबंद सीडी खुलने पर बढ़ा ड्रामा

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, कथित भाषण का वीडियो एक सीलबंद सीडी में अदालत में पहले ही जमा किया गया था। बताया गया था कि संज्ञान लेते समय यही सीडी अदालत में चलाई गई थी और उसी के आधार पर राहुल गांधी को समन जारी किया गया था। लेकिन गुरुवार को सुनवाई के दौरान जब सीडी खोली और चलाई गई, तो सभी हैरान रह गए। सीडी में कोई डेटा ही नहीं था। यह देख शिकायतकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता संग्राम कोल्हटकर भी चौंक गए। उन्होंने अदालत को याद दिलाया कि इसी सीडी को पहले अदालत ने देखा था और उसी के आधार

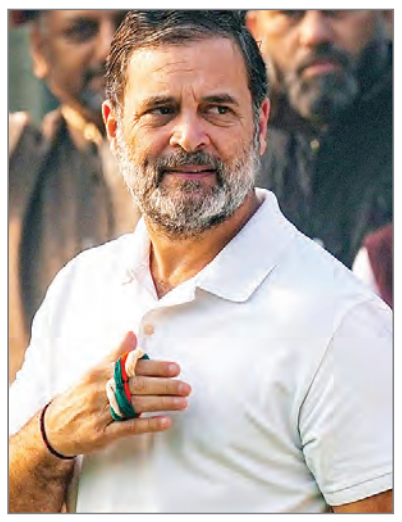

पर प्रक्रिया चलाई गई थी।

यूट्यूब लिंक देखने का अनुरोध खारिज

खाली सीडी का खुलासा होने के बाद कोल्हटकर ने अदालत से यूट्यूब पर उपलब्ध भाषण को सीधे देखने की अनुमति मांगी। राहुल गांधी की ओर से पेश अधिवक्ता मिलिंद दत्तात्रय पवार ने इसका कड़ा विरोध किया और कहा कि ऑनलाइन कंटेंट अपने आप में प्रमाणित नहीं होता। मजिस्ट्रेट शिंदे ने इस आपत्ति को स्वीकार करते हुए कहा कि यूआरएल को भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 65-बी के अनुरूप प्रमाणपत्र प्राप्त नहीं है, इसलिए यह सबूत के रूप में स्वीकार्य नहीं है। धारा 65-बी के तहत किसी भी इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को अदालत में सबूत के रूप में मान्य कराने के लिए प्रमाणीकरण प्रमाणपत्र जरूरी होता है।

दो और सीडी पेश करने की कोशिश भी नाकाम

इसके बाद सांसदों और विधायकों के खिलाफ मामलों की विशेष अदालत ने सत्यकी द्वारा दायर उस याचिका को भी नामंजूर कर दिया जिसमें उन्होंने एक अतिरिक्त सीडी चलाने का अनुरोध किया था। अदालत ने स्पष्ट किया कि रिकॉर्ड में ऐसी कोई सीडी मौजूद नहीं है।

कुल मिलाकर 14 नवंबर को सत्यकी की मुख्य जिरह के दौरान सबूत के रूप में पेश की गई वह सीडी चलाई नहीं जा सकी जिसमें दावा किया गया था कि राहुल गांधी ने 2023 में लंदन में आपत्तिजनक भाषण दिया था। जांच में पता चला कि सीडी में कोई डेटा था ही नहीं। सत्यकी सावरकर के वकील संग्राम कोल्हटकर ने अदालत से सत्यकी सावरकर लिंक चलाने की अनुमति देने का अनुरोध किया, लेकिन अदालत ने इसे भी मंजूरी नहीं दी।

खाली हुई सीडी का रहस्य जानने और न्यायिक जांच कराने की मांग करते हुए कोल्हटकर ने स्थगन का अनुरोध किया। पवार ने इसका विरोध किया, लेकिन अंततः अदालत ने सुनवाई शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी। इस पूरी घटना ने मामले में नया नाटकीय मोड़ ला दिया है और यह सवाल उठ खड़ा किया है कि पहले चलाई गई सीडी आखिर खाली कैसे हो गई।

मुस्लिम पत्रकार के घर पर चला बुलडोजर

हिंदू पड़ोसी ने गिफ्ट कर दिया प्लॉट; घर बनवाने का भी वादा

जम्मू, एजेंसी।
जम्मू-कश्मीर में एक मुस्लिम पत्रकार के घर पर जब बुलडोजर चला दिया गया तो उसके हिंदू पड़ोसी मदद के लिए आगे आ गए। बीजेपी नेता रविंदर रैना ने भी पत्रकार के परिवार से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा था कि हमारे प्रधानमंत्री लोगों को घर देने पर विश्वास करते हैं और यह सरकार लोगों के घर उजाड़ रही है। पत्रकार ने कहा था कि घर पर बुलडोजर चलवाने से पहले उन्हें कोई नोटिस भी नहीं दिया गया था। उन्होंने कहा कि प्रशासन की यह कार्रवाई तानाशाही है। जम्मू डिवेलपमेंट अथॉरिटी ने पत्रकार अराफाज अहमद दैंग का घर ढहा दिया था। इस मौके पर बड़ी संख्या में पुलिसबल को तैनात कर दिया गया था।

पत्रकार ने बताया था कि उनका घर 40 साल पुराना था और उनके पिता भी इसी घर में रहते थे। उन्होंने कहा कि पिछले साल उनका एक घर ढहा दिया गया था और इसके बाद वह इस घर में रहने लगे ते। बता दें कि दैंग जम्मू- में एक न्यूज पोर्टलल चलाते थे। उन्होंने सरकार की डिमोलिशन ड्राइव के खिलाफ रिपोर्टिंग करनी शुरू कर दी थी।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह केवल सरकार को बदनाम करने की साजिश है। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल की तरफ से नियुक्त किए गए अधिकारियों ने ही यह कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि चुनी हुई सरकार के खिलाफ साजिश रची जा रही है।

सोशल मीडिया पर क्या चल रहा है

सोशल मीडिया पर लोग हिंदू समुदाय के इस कदम की सराहना कर रे हैं। वहीं पत्रकार का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें देखा जा सकता है कि घर ढहाने के वक्त पुलिसबल उन्हें खींचकर दूर ले जा रहा है। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि इस तरह से किसी का घर ढहाना तानाशाही है।

कुलदीप शर्मा ने गिफ्ट कर दिया प्लॉट

पड़ोसी पत्रकार का घर ढहाए जाने के बाद उनके पड़ोसी कुलदीप शर्मा सामने आए और उन्होंने एक प्लॉट उन्हें गिफ्ट कर दिया। उन्होंने कहा, मैं अपने भाई को इस तरह टूटने नहीं दे सकता। कुछ भी हो जाए, मैं उनका घर बनवाऊंगा। उन्होंने तीन मारला प्लॉट पर बने घर को गिराया, मैं उन्हें पांच मारला का प्लॉट दे रहा हूं।

सीएम आवास पर डीके शिवकुमार के साथ सिद्धारमैया ने किया नाश्ता

बेंगलुरु, एजेंसी।
कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के आवास पर उनसे नाश्ते पर मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब कांग्रेस हाईकमान ने दोनों नेताओं को राज्य में चल रहे नेतृत्व संकट को हल करने के लिए नई दिल्ली बुलाया है। इस बैठक को दोनों नेताओं के बीच तनाव कम करने और कथित सत्ता-साझेदारी समझौते पर चर्चा करने की दिशा में एक प्रारंभिक कदम माना जा रहा है, जिस पर 2023 के विधानसभा चुनावों के बाद सहमति बनी थी। सूत्रों के अनुसार, हाईकमान ने पहले दोनों नेताओं को आपस में मिलकर बात करने का निर्देश दिया था। इसके बाद अंतिम निर्णय दिल्ली में लिया जाएगा। यह मुलाकात दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के साथ होने वाली आगामी निर्णायक बातचीत से ठीक पहले हुई है। इससे पहले कांग्रेस एमएलसी और मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के बेटे यतींद्र ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी आलाकमान ने नेतृत्व परिवर्तन पर कोई निर्देश नहीं दिया है और यह भ्रम मीडिया द्वारा पैदा किया गया है। यतींद्र सिद्धरमैया ने यह भी कहा कि कोई नहीं जानता कि ढाई साल पहले 2023 में नेतृत्व परिवर्तन के बारे में कोई वादा किया गया था या नहीं, और इसलिए इसके बारे में अटकलें लगाना ठीक नहीं है। यतींद्र ने कहा, ''सत्तारूढ़ कांग्रेस में कोई लड़ाई या खींचतान नहीं है। चूंकि, हमारे बीच कोई भ्रम नहीं है, इसलिए मुझे लगता है कि मीडिया धारणा बनाने में लगा है। कांग्रेस आलाकमान ने नेतृत्व परिवर्तन के लिए कोई निर्देश नहीं दिया है। अगर ऐसा कुछ है तो वे बुलाकर चर्चा करेंगे।'' उन्होंने कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं कि उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को पदोन्नत किया जाना चाहिए, लेकिन उन्होंने (शिवकुमार) कहा है कि वह पार्टी आलाकमान की बात मानेंगे। यतींद्र ने कहा कि पार्टी आलाकमान ने कहा है कि वह दोनों को बुलाकर इस मुद्दे पर चर्चा करेगा।

प्रेमी ने की प्रेमिका की हत्या

देर रात पीजी में घुसकर मारी गोली

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के फेज दो थानाक्षेत्र के याकूबपुर गांव में शुक्रवार देर रात 11 बजे एक युवक ने पीजी में घुसकर 25 वर्षीय प्रेमिका की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया। मामले की सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर जांच कर रही है।

डीसीपी सेंट्रल शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि याकूबपुर गांव में 25 वर्षीय सोनू नामक युवती पीजी में रहती थी। उसका कृष्णा नामक युवक से प्रेम संबंध था। शुक्रवार की रात को दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर कृष्णा ने पीजी में उसे गोली मार दी। घटना में युवती की मौत हो गई है। डीसीपी ने बताया कि घटना की सूचना पाकर वहां पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। आरोपी कृष्णा मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश में पुलिस की चार टीमें लगाई गई हैं।

कुछ दिन से अनबन चल रही थी = पुलिस का दावा है कि युवती जहां काम करती थी, आरोपी भी पहले वहीं पर काम करता था। वहीं से दोनों की प्रेम कहानी की शुरुआत हुई। बीते कुछ दिनों में दोनों के बीच किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी। सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज से आरोपी के बारे में पुलिस को कई अहम जानकारी मिली है। याकूबपुर गांव में वारदात से सनसनी फैली = डीसीपी ने दावा किया कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। याकूबपुर गांव में हुई इस घटना के चलते सनसनी फैल गई है। आसपास के लोग इस घटना को लेकर तरह-तरह की बातें कर रहे हैं।

'लग्जरी हिरासत केंद्र' क्यों बनवाना चाहते हैं, हिमंत सरकार के मंत्री?

गुवाहटी, एजेंसी।
असम की हिमंत बिस्वा सरकार के कैबिनेट मंत्री बिमल बोरा ने स्पीकर के सामने विधानसभा में एक हिरासत केंद्र बनाने का प्रस्ताव रखा है। बोरा ने दावा किया कि सदन की कार्यवाही से निलंबित किए गए विधायक पहले ही यहां से निकल जाते हैं, और फिर मीडिया के सामने अपने हिसाब से बयानबाजी करके एक नैरेटिव सेट करने की कोशिश करते हैं। गौरतलब है कि बोरा का यह बयान प्रश्नकाल के दौरान निर्दलीय विधायक अखिल गोगोई को निलंबित किए जाने के तुरंत बाद आया।

बोरा ने अपनी बात रखते हुए विधानसभा अध्यक्ष बिस्वजीत दैमारी से कहा कि इस पर विचार किया जा सकता

है। उन्होंने कहा, 'निलंबित विधायकों को विधानसभा परिसर से बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि वे सदन में हुई गतिविधियों पर केवल अपना पक्ष रखते हैं। इसे रोकने के लिए शायद एक सभी सुविधाओं से युक्त हिरासत कक्ष बनाया जा सकता है।

आपको बता दें, निर्दलीय विधायक अखिल गोगोई सदन में मुखरता के साथ सरकार का विरोध करते हैं। मंगलवार को गायक जुबिन गर्ग की मृत्यु पर स्थगन प्रस्ताव के दौरान भी उन्होंने सदन में स्पीकर के पास जाने की कोशिश की थी और गर्ग का पोस्टर दिखाया था। इसके बाद उन्हें कुछ समय के लिए निलंबित कर दिया गया था।

नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस विधायक देबब्रत सैकिया ने इसका विरोध करते हुए कहा था कि विधानसभा अध्यक्ष कार्यालयको किसी भी गलतफहमी से बचने के लिए निलंबन के कारणों को स्पष्ट करते हुए एक प्रेस बयान जारी करना चाहिए। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष दैमारी ने सभी सदस्यों से शिष्टाचार बनाए रखने और कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालन में सहयोग करने की अपील की थी।

गौरतलब है कि असम में इस समय गायक जुबिन गर्ग की मौत के बाद लगातार राजनीतिक तनाव बना हुआ है। मुख्यमंत्री इसे हत्या मानते हैं। ऐसे में पूरे राज्य में यह मुद्दा गर्म बना हुआ है। वहीं, दूसरी तरफ आगामी महीनों में विधानसभा चुनाव भी सिर पर है, ऐसे में राज्य की राजनीति में तनाव बना हुआ है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

बहुत चुभती है हार

हार 30 रनों से मिले या फिर 408 से, चुभती ही है, लेकिन गुवाहाटी टेस्ट जैसी हार क्रिकेट फैंस के लिए त्रासदी जैसी होती है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरा टेस्ट गंवाने वाली टीम इंडिया ने क्लीन स्वीप खाने के साथ-साथ ऐसे रेकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं, जो पीछे कई सवाल छोड़ जाते हैं। मैदान पर हार से पहले ही हारी हुई लग रही टीम इंडिया को फिर से उठाना है, तो रवायती जवाबों से काम नहीं चलेगा। कोच गौतम गंभीर इस समय क्रिकेट फैंस के निशाने पर हैं। उनके निर्णयों की आलोचना की जा रही है। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी सबकी है और शुरुआत मुझसे होती है। लेकिन, यह याद दिलाना भी नहीं भूले कि उन्हीं की कोचिंग में टीम ने इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज डॉ कराई थी और चैंपियंस ट्रोफी जीती। कई पूर्व खिलाड़ी भी गंभीर के पक्ष में हैं, कि खेलना तो खिलाड़ी को होता है, कोच को नहीं। बात बिल्कुल सही है, लेकिन जब कोच किसी जीत में हिस्सेदार होता है, तो हार की जिम्मेदारी से वह बच नहीं सकता। गंभीर के फैसले पर अंगुली उठाने वाले भी कई पूर्व खिलाड़ी ही हैं, जिन्हें टीम इंडिया का सिलेक्शन प्रॉसेस समझ नहीं आ रहा। हर कोच का अपना विजन होता है। राहुल द्रविड़ के जाने के बाद गौतम गंभीर ने जिस तरह टीम में नए कॉम्बिनेशन बनाए, वह उनका तरीका है। लेकिन, फिर भी कुछ फैसले सवालों से नहीं बचते। सरफराज जैसे खिलाड़ियों की अनदेखी क्या घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन की अनदेखी नहीं है? टेस्ट क्रिकेट को स्पेशलिस्ट और स्थायित्व चाहिए। क्या टीम इंडिया बहुत ज्यादा प्रयोग की शिकार हो गई? गंभीर के कोच बनने के बाद से भारत 18 में से 10 टेस्ट हार चुका है। 5 टेस्ट तो उसने अपनी जमीन पर गंवाए हैं। जो टीम टेस्ट चैंपियनशिप के लगातार दो फाइनल में पहुंची हो, उसका ऐसा प्रदर्शन बताता है कि समस्या बहुत गहरी है। गंभीर ने पिछले प्रदर्शनों का हवाला दिया, पर उसी दौरान भारत को श्रीलंका से 27 साल बाद वनडे सीरीज हारनी पड़ी थी। ऑस्ट्रेलिया में भारत उस टीम से वनडे श्रृंखला गंवा बैठा, जिसके कई मुख्य खिलाड़ी रेस्ट पर थे। जीत हो या हार, उससे जुड़ी हकीकत को देखना जरूरी है। इस हार पर बहस केवल परिणाम नहीं, उस वजह से हो रही है, जैसे यह गले पड़ी है। गंभीर और बीसीसीआई, दोनों को सोचना है कि बदलाव के नाम पर बदलाव, सीनियर खिलाड़ियों की अनदेखी, टीम में लगातार उठा-पटक और घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन को तवज्जो न देना कितना सही है।

ममता को डर है कि यदि एसआइआर का विरोध नहीं किया और अवैध शरणार्थियों में भगदड़ जारी रही तो इसका वोट बैंक पर इसका प्रतिकूल असर पड़ सकता है। यह पहला मौका नहीं है जब वोट बैंक की राजनीति के लिए राजनीतिक दल देश की एकता-अखंडता को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों की पैरवी कर रहे हैं। यह निश्चित है कि ऐसी हरकतों से बेशक चुनाव जीते जा सकते हो, किन्तु इसके दूरगामी परिणाम देश की बाहरी और आंतरिक सुरक्षा पर पड़ते हैं।

वोट के लिए ममता का एसआईआर पर विरोध

(योगेंद्र योगी)

बिहार में राजद-कांग्रेस विपक्षी महागठबंधन की करारी शिकस्त के बाद पश्चिमी बंगाल में वर्ष 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए चौसर बिछ गई है। इस चौसर पर तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो और पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कोई भी दाव हाथ से नहीं देना चाहती हैं। यही वजह है कि ममता बनर्जी एसआइआर का जम कर विरोध कर रही है। इस विरोध की जड़ में छिपा हुआ है ममता का मुस्लिम वोट बैंक प्रेम। ममता एक तरफ अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्या शरणार्थियों को बसाने का पुरजोर समर्थन करती रही हैं। ममता का प्रयास है कि भाजपा उत्तर भारत के राज्यों की तरह पश्चिम बंगाल में वोटों का ध्रुवीकरण नहीं कर पाए। इसलिए ममता मुस्लिम वोट बैंक के खिसके बगैर हिन्दू वोट बैंक को भी साधने की फिराक में है। पश्चिम बंगाल के 294 सीट के लिए मार्च-अप्रैल 2026 को विधानसभा चुनाव होना है। यह चुनाव राजनीतिक दृष्टिकोण से बेहद अहम माना जा रहा है। इस चुनाव को राज्य की सत्ता पर दोबारा कब्जा जमाने की कोशिश कर रही सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्षी दलों के लिए एक निर्णायक युद्ध के रूप में देखा जा रहा है। मौजूदा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी जहां लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है, वहीं भाजपा, वाम दल और कांग्रेस भी नए गठबंधनों और रणनीतियों के साथ मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। यही वजह है कि ममता एसआइआर को विरोध का राजनीतिक हथियार बना लिया है। पश्चिम बंगाल समेत देश के 12 राज्यों में जब से वोटर लिस्ट के एसआईआर करने की प्रक्रिया शुरू हुई है। इसके बाद से पश्चिम बंगाल से अवैध रूप से बॉर्डर पार कर बांग्लादेश जाने वाले लोगों की तादाद बढ़ गई है। दोनों देशों में अवैध रूप से सीमापार करके आने-जाने का यह सिलसिला पहले घुसपैठियों के अलावा अधिकतर तस्करों के बीच होता था। लेकिन अब जिस तरह से भारत से बांग्लादेश जाने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। इसे घुसपैठियों का बांग्लादेश वापस लौटना माना जा रहा है। पिछले कुछ दिनों से पश्चिम बंगाल से लगते भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर हलचल तेज है। इसमें कुछ लोग पश्चिम बंगाल से बांग्लादेश जाने की कोशिश कर रहे हैं। जिसमें कुछ कामयाब भी हो रहे हैं। हालांकि, बॉर्डर पर चौकस बीएसएफ को देखकर ऐसे लोग जंगलों में भाग जाते हैं। लेकिन बीएसएफ की नजर में ऐसे कुछ मामले आ रहे हैं। जिनमें पश्चिम बंगाल में एसआईआर शुरू होने के बाद बांग्लादेश की तरफ जाने वालों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है। बिहार के बाद चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल समेत देश के 12 राज्यों में एसआईआर शुरू करने की प्रक्रिया चार नवंबर से शुरू की थी। चार दिसंबर तक वोटरों को एनुमरेशन फार्म बांटे जाने और वापस लिए जाने हैं। आयोग का कहना है कि अभी तक पश्चिम बंगाल के कुल सात करोड़ 66 लाख से अधिक मतदाताओं में से सात करोड़ 63 लाख से अधिक वोटरों को एनुमरेशन फार्म बांटे जा चुके हैं। यह काम 99 फीसदी पूरा कर लिया गया है। अब भरे गए फार्म इकट्ठा करना शुरू किया जाएगा। तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल में भारतीय चुनाव आयोग के स्पेशल इंवेस्टिगेटिव रिवीजन का लगातार विरोध कर रही है। इसी कड़ी में राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नॉर्थ 24 परगना जिले के बनगांव में एसआईआर विरोधी रैली को संबोधित करेंगी। ममता बनर्जी रैली के बाद बनगांव में एक विरोध मार्च में भी हिस्सा लेंगी। ये दूसरी एसआईआर विरोधी रैली और विरोध मार्च होगा जिसका नेतृत्व ममता करेंगी। पहली रैली 4 नवंबर को कोलकाता में हुई थी। जब-जब पश्चिम बंगाल में मुस्लिम वोट बैंक पर किसी तरह का संकट नजर आता है, ममता बनर्जी हमेशा उनके पक्ष में खड़ी नजर आती हैं। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा था कि बांग्लादेश में बढ़ती हिंसा को देखते हुए वह पड़ोसी देश से संकट में फंसे लोगों के लिए अपने राज्य के दरवाजे खुले रखेंगी और उन्हें आश्रय देंगी। बनर्जी ने शरणार्थियों पर संयुक्त राष्ट के प्रस्ताव का हवाला देते हुए कहा था कि पिछले कुछ दिनों में पड़ोसी देश में कानून-व्यवस्था की गंभीर स्थिति के कारण संभावित मानवीय संकट उत्पन्न हो सकता है। ममता बनर्जी के इस बयान पर बांग्लादेश की सरकार ने कड़ी आपत्ति जताई थी। बांग्लादेश ने इस मामले पर अपनी चिंता जताते हुए केंद्र सरकार को एक खत भेजा था। बांग्लादेश के विदेश मंत्री हसन महमूद ने कहा था कि 'पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के प्रति पूरे सम्मान के साथ, जिनके साथ हमारे बहुत ही मधुर और घनिष्ठ संबंध हैं, हम यह साफ करना चाहते हैं कि उनकी टिप्पणियों में भ्रम पैदा करने की बहुत गुंजाइश है। इसलिए हमने भारत सरकार को एक खत भेजा है। बांग्लादेशी ही नहीं बल्कि रोहिंग्या शरणार्थियों की भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खुल कर पैरवी की। ममता ने कहा था कि रोहिंग्या शरणार्थियों को वापस नहीं भेजना चाहिए। ममता ने रोहिंग्या शरणार्थियों को वापस भेजने का किया विरोध किया था। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर रोहिंग्या मुसलमानों को वापस भेजने के नाम पर परेशान करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि हर रोहिंग्या मुस्लिम आतंकी नहीं है। उन्हें वापस नहीं भेजना चाहिए। ममता का ये बयान केंद्र द्वारा ये कहने के बाद आया था कि रोहिंग्या मुसलमान भारत की सुरक्षा के लिए खतरा हैं, उनके संपर्क आईएस और लश्कर ए तैयबा जैसे आतंकी संगठनों से हैं। ममता ने कहा था, हम संयुक्त राष्ट्र के साथ हैं, जिसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से रोहिंग्या लोगों की मदद की अपील की है। हम इसका समर्थन करते हैं। एसआईआर के बाद पश्चिम बंगाल में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या शरणार्थियों में हडकंप मचा हुआ है। वे पहचान उजागर होने के डर से सीमा की तरफ भाग रहे हैं। यही वजह है कि ममता बनर्जी एसआईआर का जमकर विरोध कर रही हैं। इसी तरह का विरोध कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के दूसरे घटक दलों ने भी बिहार में किया था। इसके बावजूद उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा। ममता को डर है कि यदि एसआइआर का विरोध नहीं किया और अवैध शरणार्थियों में भगदड़ जारी रही तो इसका वोट बैंक पर इसका प्रतिकूल असर पड़ सकता है। यह पहला मौका नहीं है जब वोट बैंक की राजनीति के लिए राजनीतिक दल देश की एकता-अखंडता को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों की पैरवी कर रहे हैं। यह निश्चित है कि ऐसी हरकतों से बेशक चुनाव जीते जा सकते हो, किन्तु इसके दूरगामी परिणाम देश की बाहरी और आंतरिक सुरक्षा पर पड़ते हैं। बेहतर होगा कि नेता देश के बारे सोचे और ऐसे तत्वों पर कानूनी कार्रवाई की पहल करें, जिससे देश को किसी भी तरह का खतरा हो

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

स्पैम कॉल का नेटवर्क तोड़ने की ट्राई की बड़ी कार्रवाई

लंबे समय से बहुत सारे मोबाइल उपभोक्ताओं की यह शिकायत रही है कि उनके पास अनजान नंबरों से फोन आते हैं और या तो उन्हें नाहक खरीदारी के जाल में उलझाने की कोशिश की जाती है या फिर किसी चीज का प्रचार किया जाता है। इसके अलावा, पिछले कुछ समय से डिजिटल फर्जीवाड़ा और ठगी के मामले भी तेजी से सामने आने लगे हैं और इसके लिए भी अनजान नंबरों से किसी को फोन किया जाता है।सच यह है कि सिर्फ अवांछित काल के रूप में दिखने वाली यह समस्या अब बहुत ज्यादा जटिल हो चुकी है। खासतौर पर स्मार्टफोन के उपभोक्ताओं को जिस तरह साइबर ठगी और फर्जीवाड़े का शिकार बनाया जाने लगा है, उसका दायरा अब बहुत बड़ा हो चुका है।इसलिए अगर इस तरह की ठगी या उपभोक्ताओं को नाहक ही परेशान करने वालों के खिलाफ भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण यानी ट्राइ ने सख्त कदम उठाया है, तो यह स्वागतयोग्य है। मगर ट्राइ को यह देखने की जरूरत है कि इस समस्या के तार कहां जुड़े हो सकते हैं और इस संबंध में और क्या करने की जरूरत है।गौरतलब है कि 'स्पैम' और गैरजरूरी व्यावसायिक फोन या धोखाधड़ी करने वाले फोन काल पर रोक लगाने के उद्देश्य से ट्राइ ने पिछले एक वर्ष में लगातार कार्रवाई की है और अब तक इक्कीस लाख मोबाइल नंबरों को बंद कर दिया है या काली सूची में डाला है।इस तरह के कदम की जरूरत काफी समय से महसूस की जा रही थी। मगर यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि आजकल फोन के जरिए फर्जीवाड़ा या ठगी करने वाले या फिर अपने कारोबार को विस्तार देने के लिए मोबाइल उपभोक्ताओं के पास अवांछित काल करने वाले लोगों ने संगठित तौर पर नए-नए विकल्प निकालने शुरू कर दिए हैं।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 और बुलेट ट्रेन... यानि गुजरात में फिर से भाजपा जीतेगी

(नीरज कुमार दुबे)

कॉमनवेल्थ गेम्स के गुजरात में होने का मतलब है राज्य की खेल अधोसंरचना का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकास होगा, युवा खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण मिलेगा, राज्य की वैश्विक ब्रांडिंग होगी और आने वाले दशक में गुजरात को भारत की खेल राजधानी बनाने की तैयारी भी साफ दिखाई दे रही है। 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों (कॉमनवेल्थ गेम्स) की मेजबानी अहमदाबाद को आधिकारिक रूप से सौंप दी गई है जिससे गुजरात की और तेज तरक्की का मार्ग प्रशस्त हो गया है। हम आपको बता दें कि अब अहमदाबाद-गांधीनगर क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की रफ्तार तेज होगी। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट जनरल असेंबली से मंजूरी के बाद गुजरात सरकार ने घोषणा की है कि सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव और करई पुलिस अकादमी स्पोर्ट्स हब का निर्माण अप्रैल 2026 में शुरू होकर 2028-29 में पूरा होगा। हम आपको यह भी याद दिला दें कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूरत में मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की प्रगति की समीक्षा करते हुए इसे देश के भविष्य का परिवर्तनकारी मॉडल बताया था। देखा जाये तो राष्ट्रमंडल खेल और बुलेट ट्रेन, दोनों बड़े प्रोजेक्ट मिलकर गुजरात को एक नई पहचान देने जा रहे हैं और साथ ही यह 2027 के विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत को भी लगभग सुनिश्चित करेंगे। आज गुजरात एक बार फिर परिवर्तन के निर्णायक मोड़ पर खड़ा है और इस बार यह परिवर्तन न केवल आर्थिक या विकास का है, बल्कि राजनीतिक भविष्य का भी निर्धारक है। अहमदाबाद में 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी और मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की तेज़ी से हो रही प्रगति ने गुजरात को वैश्विक मानचित्र पर नए अवतार में पेश करना शुरू कर दिया है। यह वही गुजरात है जिसने 2001-2014 के बीच विकास के जो बीज बोए थे, वे अब अंतरराष्ट्रीय रूप लेकर सामने आ रहे हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स के गुजरात में होने का मतलब है राज्य की खेल अधोसंरचना का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकास होगा, युवा खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण मिलेगा, राज्य की वैश्विक ब्रांडिंग होगी और आने वाले दशक में गुजरात को भारत की खेल राजधानी बनाने की तैयारी भी साफ दिखाई दे रही है। सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव, करई पुलिस अकादमी स्पोर्ट्स हब, नए एथलीट विलेज, हाई-परफॉर्मेंस लैब, विश्वविद्यालय आधारित स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर, ये सब गुजरात को 2030 के बाद भी स्थायी लाभ देंगे। यह वही विरासत मॉडल है जिसने लंदन 2012 और बर्मिंघम 2022 को बदल दिया। अब यही मॉडल गुजरात में दिखेगा। हम आपको बता दें कि राष्ट्रमंडल खेलों की वजह से गुजरात में 20,000 से ज्यादा होटल कमरों की मांग, नए स्टार्टअप, पर्यटन में उछाल और 30,000 से ज्यादा नौकरियाँ बनेंगी। यह सिर्फ खेल नहीं बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था का पुनर्निर्माण है। कॉमनवेल्थ गेम्स में भाग लेने जब पूरी दुनिया के लोग अहमदाबाद आयेंगे तो वह बाजारों से खरीदारी भी करेंगे, घूमने के लिए राज्य के विभिन्न इलाकों में भी जाएंगे जिससे गुजरात के कारोबारियों को बड़ी कमाई होना तय है। इसके साथ-साथ प्रधानमंत्री द्वारा सूरत में बुलेट ट्रेन स्टेशन का निरीक्षण गुजरात के तेज़ी से बदलते परिवहन ढांचे की झलक है। 508 किलोमीटर के इस कॉरिडोर ने गुजरात को देश का पहला हाई-स्पीड रेल राज्य बनाने की तैयारी पूरी कर दी है। हम आपको बता दें कि 85त्न से अधिक मार्ग वायाडक्ट पर है, 17 नदी पुल तैयार हैं।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5928

	5			2	9			
						1	7	
7	9	6			3	2		
				1	5		9	
3	6						2	1
	4		6	9				
		2	8			3	1	4
	1	8						
			2	7			5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5927

5	7	3	6	9	2	1	4	8
2	1	9	3	4	8	6	5	7
8	4	6	7	1	5	2	9	3
9	2	5	4	8	6	3	7	1
7	3	4	2	5	1	8	6	9
6	8	1	9	3	7	5	2	4
1	5	7	8	6	9	4	3	2
3	9	8	5	2	4	7	1	6
4	6	2	1	7	3	9	8	5

आज का राशिफल

मेष
आज कोई खास डील फाइनल हो जाएगी। राज्य से विशेष सम्मान प्राप्त हो सकता है। भौतिक विकास का योग अच्छा है। शाम 5 बजकर 30 मिनट पर चंद्रमा कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे, इसके फलस्वरूप मंगल उत्सवों में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा। समाज में शुभ व्यय से आपकी कीर्ति बढ़ेगी। रात्रि में विवाह शादी में जाने का अवसर मिल सकता है।

वृष
आज का दिन काफी रचनात्मक रहने वाला है। किसी क्रिएटिव और आर्टिस्ट काम को पूरा करने में आप दिन बिता सकते हैं। जो काम आपको सबसे प्रिय है आज वहीं करने को मिलेगा। आज आपको रिलैक्स करने में मदद मिलेगी। नई योजनाएं भी दिमाग में आयेंगी। अपने से सीनियर का सहयोग पाने का प्रयास करें।

कर्क
आज आपके स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने का है। मौसम परिवर्तन से शीतोष्ण विकार उत्पन्न हो सकते हैं। खानपान में लापरवाही न बरतें। व्यापार के मामले में दिन सुखद व्यतीत होगा। जल्दबाजी में कोई भूल हो सकती है, इसलिए हर काम सोच समझ कर करें। जिसकी आपको अभी तक कमी रही है।

सिंह
आज का दिन मेष राशि के जातकों के लिए लाभकारी रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर होगा। परेशानियों को धैर्य और अपने मृदु व्यवहार से सुधार कर ठीक किया जा सकता है। अपनी बुद्धि का प्रयोग कर आप वह सब कुछ पा सकते हैं, किसी संकटग्रस्त व्यक्ति की सहायता कर सकें तो शुभ रहेगा।

मिथुन
आज का दिन काफी सृजनात्मक है, जो भी काम लगन के साथ करेंगे आज उस का फल उसी समय मिल सकता है। अधूरे काम निपट जाएंगे, महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी। ऑफिस में अपने विचारों के मुताबिक माहौल बन जाएगा और आपके साथी भी आपका सहयोग करेंगे।

कन्या
आज का दिन काफी मजबूत है। दिन भर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अतः प्रयत्नशील रहें। परिवार में सुख शांति और स्थिरता का आनंद उठाएं। नौकरी या व्यापार में कुछ नवीनता ला सकें तो आगे चलकर लाभ होगा। काम में नई जान आएगी।

तुला
आज का दिन वैसे तो काफी व्यस्त रखने वाला है, लेकिन धर्म अध्यात्म के मामले पढ़ाई लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना ही अच्छा होगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों में रूकावट डालने की कोशिश करेंगे। रात्रि का समय मंगलमय कार्यों में व्यतीत होगा। रात्रि में विवाह शादी में जाने का अवसर मिल सकता है।

वृश्चिक
आज आपसी वार्ता व्यवहार में संयम व सावधानी बरतें। आस पास के लोगों से टकराव की नौबत न आये इस बात का ध्यान रखें। किसी शुभ मंगल कार्य की चर्चा हो सकती है। भाग्य पर भरोसा रखें और आत्म विश्वास के साथ कार्य करें। रात्रि के समय स्थिति में और भी सुधार होगा। रात्रि में विवाह शादी में जाने का अवसर मिल सकता है।

मकर
आज का दिन आपके लिए लाभकारक है। कार्य व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं। नए प्रोजेक्ट पर भी कुछ काम शुरू हो सकता है। जमीन जायदाद के मामले में पारिवारिक और आस-पास के लोग कुछ परेशानी पैदा करने की कोशिश करेंगे। नया मौका आपके आस-पास है।

कुंभ
आज का दिन सामान्य है। भागीदारी में साझे में किया व्यापार काफी फायदा पहुंचायेगा। रोजमर्रा के घरेलू कामों को निबटाने का आज सुनहरा मौका है। हो सकता है आज आपको पुत्र-पुत्री के संबंध में कोई बड़ा फैसला लेना पड़े। ईमानदारी और निर्धारित नियमों का ध्यान रखे। कई प्रकार के काम एक साथ हाथ में आने से व्यग्रता बढ़ सकती है।

धनु
आज आपका ध्यान नई योजनाओं में लगेगा। किसी देवस्थान की यात्रा से मन को सुकून मिलेगा। कानूनी विवाद में सफलता, स्थान परिवर्तन की योजना सफल हो सकती है। दिन के उत्तरार्ध में उलझनों के बावजूद पराक्रम की वृद्धि होगी। परिवार में हर्ष मंगलमय परिवर्तन व मनोरथ सिद्धि होगी। कार्यालय में भी आपके अनुकूल वातावरण बनेगा तथा आपके साथी आपका सहयोग करेंगे।

मीन
आज का दिन धनु राशि के जातकों के लिए सावधानी और सतर्कता का है। बिजनेस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठायें तो बड़ा लाभ होने की आशा है। रोजमर्रा के कामों से परे कुछ नए कामों में हाथ आजमाएं। किसी अपने के लिए कुछ पैसों का इंतजाम करना पड़ सकता है। नया मौका आपके आस-पास है, उसे पहचानना आपके हाथ में है।

वर्ग पहेली 5928

1		2	3		4	■	5
	■	6		■	7		
8	9		■	10		■	
11		■	12			■	
13		14	■	■	15		■
■	■		■	16		■	17
18			■		■	19	
	■	20			■	21	

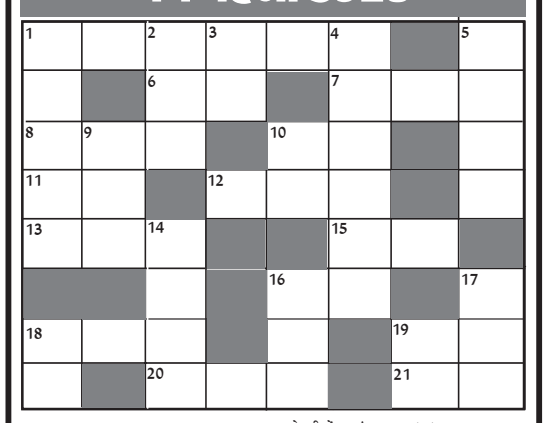

संकेतः बाएं से दाएं
1. राष्ट्रीय राजमार्गों की सबसे अधिक संख्या इस प्रदेश में है (6)
6. बुद्धि, अक्ल, समझ (2)
7. जो क्रमत से आरंभ में हो, जो प्रथम हो (3)
8. विभाग करने वाला, बांटने वाला, वह संख्या जिससे भाग दिया जाए (3)
10. संग, सहित, मित्रता (2)
11. रक्तवाहिनी, नस (2)
12. सब, पूरा (3)
13. मुर्गे की जाति का एक पक्षी (3)
15. जीव, पुरानी फिल्मों के प्रसिद्ध दिवंगत खल अभिनेता (1940-1990 निधन 12 जुलाई 2013) (2)
18. पब्लिक, जनता, प्रजा (3)
19. स्वर्ग-चांदी का व्यवसास करने वाला (2)
20. तपने वाला, दुख देने वाला,(3)
21. विचरण करने वाला, जासूस, भेदिया (2)

ऊपर से नीचे
1. यह महिला राजनेत्री मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी है (2003-2004)(5)
2. झूले की पेंग, तरंग, लहर (3)
3. किसी चीज की अनुकृति, नकल (2)
4. शपथ ग्रहण, फनकार, कला जानने वाला (4)
9. कुंए के आसपास बना हुआ चबूतरा, संसार, दुनिया (3)
10. गाए जाने वाले वेदमंत्र (2)
14. अनुकंपा, दया, कृपा (4)
16. पुराने समय का, पुरातन (3)
17. फटे दूध का थक्का, दही से पानी निकाल देने पर बचा हुआ अंश (3)
18. अभिप्राय, मकसद, प्रयोजन (2)
19. चिंता, फिक्र, पश्चाताप, पछतावा (2)

वर्ग पहेली 5927 का हल

श्री	लं	का	■	यु	गां	डा	■
ग	ब	न	■	व	■	क	था
णे	■	पु	ष्प	क	■	घ	र
श	ऊ	र	■	■	प	र	■
■	र्ज	■	शा	य	द	■	भा
■	स्वी	ड	न	■	त	न्हा	ई
सी	■	■	दा	खि	ल	■	चा
ल	गा	ता	र	■	■	ता	रा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

लंदन शतरंज क्लासिकः

प्रज्ञानंदा नें लगातार दो जीत से किया आरम्भ

लंदन, एजेंसी। भारत के नंबर दो शतरंज खिलाड़ी आर प्रज्ञानन्दा नें फ़ीडे कैंडिडेट में अपनी जगह पक्की करने के लिए लंदन शतरंज क्लासिक ओपन में अपने अभियान की शुरुआत लगातार दो जीत दर्ज करते हुए की है , प्रज्ञानन्दा को फ़ीडे सर्किट 2025 में अपने पहले स्थान को बनाये रखने और कैंडिडेट में जगह बनाने के लिए इस ओपन स्पर्धा में अच्छा प्रदर्शन करना होगा , शीर्ष वरीय होते हुए उन्होंने पहले राउंड में इंग्लैंड के फ़ीडे मास्टर स्टेनली बैडोकसोनयी को काले मोहरो से खेलते हुए हाथी , घोड़े, ऊँट और प्यादे के एंडगेम में पराजित किया जिसमें उनका एक एकल प्यादा जीत का कारण बना । वहीं दूसरे मुक़ाबले में उन्होंने यूक्रेन के ग्रैंड मास्टर एल्डर गैसानोव को सफेद मोहरो से खेलते हुए पराजित किया , इस मुक़ाबले में इंग्लिश ओपनिंग में बेहद आक्रामक खेल दिखाया और मात्र 32 चालों में बाजी जीत ली । प्रज्ञानन्दा इस समय फ़ीडे सर्किट में 108 अंकों के साथ सबसे आगे चल रहे है और अपने नजदीकी प्रतिद्वंदी जर्मनी के विंसनेट केमर से करीब 54 अंक आगे है ऐसे में बचे हुए एक माह में विंसेंट के लिए प्रज्ञानन्दा को पीछे छोड़ना संभव नहीं है पर नियमों के अनुसार प्रज्ञानन्दा को कम से कम एक ओपन टूर्नामेंट खेलना आवश्यक है ।

सुल्तान अजलान शाह कपः

भारत ने कनाडा को 14-3 से हराकर फाइनल में बनाई जगह

इपो, एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कनाडा को 14-3 से रौंदते हुए पूल की शीर्ष स्थिति हासिल की और सुल्तान अजलान शाह कप के फाइनल में प्रवेश किया। जुगराज सिंह ने चार गोल किए और शानदार प्रदर्शन से टीम को जीत दिलाई।

इससे पहले भारत को टूर्नामेंट में केवल बेल्जियम से एक गोल से हार मिली थी, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-2 की रोमांचक जीत ने टीम का मनोबल बढ़ा दिया। भारत रविवार को फाइनल में बेल्जियम से भिड़ेगा। मैच की शुरुआत चौथे मिनट में नीलकंता शर्मा के गोल से हुई, उसके बाद 10वें मिनट में राजिंदर सिंह ने गोल कर भारत को बढ़त दिलाई। कनाडा ने जल्दी गोल के जवाब में पेनल्टी कॉर्नर बनाकर 11वें मिनट में ब्रेंडन गुरालियुक के गोल से स्कोर 1-2 किया। इसके बाद 12वें और 15वें मिनट में जुगराज सिंह और अमित रोहिदास ने गोल कर भारत को 4-1 की बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारतीय युवा खिलाड़ी दबाव में भी मजबूत रहे और कनाडाई डिफेंस को रोका। इस दौरान राजिंदर (24वें मिनट), दिलप्रीत सिंह (25वें मिनट) और जुगराज (26वें मिनट) ने गोल कर बढ़त 7-1 कर दी।

तीसरे क्वार्टर में कनाडा ने आक्रमण में बदलाव किया और 35वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक से स्कोर 7-2 किया। जुगराज ने 39वें मिनट में हैट्रिक पूरी की और सेल्वम कार्थी ने 43वें मिनट में गोल कर भारत को 9-2 की शानदार बढ़त दिलाई।

डब्ल्यूबीबीएलः

रेनेगेड्स को शिकस्त देकर प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पर स्टार्स

मेलबर्न, एजेंसी । मेलबर्न स्टार्स ने शनिवार को जंक्शन ओवल में खेले गए विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 के 28वें मुकाबले में मेलबर्न रेनेगेड्स के खिलाफ 45 रन से मुकाबला अपने नाम किया। इस जीत के साथ मेलबर्न स्टार्स ने प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान अपने नाम कर लिया है। मेलबर्न स्टार्स 7 में से 5 मुकाबले अपने नाम कर चुकी है। इस टीम ने 1 मैच गंवाया है, जबकि 1 मुकाबला बारिश के चलते बेनतीजा रहा था। वहीं, दूसरी ओर मेलबर्न रेनेगेड्स ने 8 में से 4 मुकाबले अपने नाम किए हैं। यह टीम 4 मैच गंवा भी चुकी है। रेनेगेड्स फिलहाल प्वाइंट्स टेबल में तीसरे पायदान पर मौजूद है।

छुट्टी के दिन नहीं होगा फाइनल

महिला प्रीमियर लीग के शेड्यूल का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। बीसीसीआई ने महिला प्रीमियर लीग के मेगा ऑक्शन के बाद अब इस टूर्नामेंट के फुल शेड्यूल का ऐलान कर दिया है. इस टूर्नामेंट के शेड्यूल ने सभी को चौंका दिया है क्योंकि पहली बार ऐसा होगा जब इतनी बड़ी लीग का फाइनल छुट्टी के दिन नहीं होगा. बीसीसीआई ने जो शेड्यूल जारी किया है उसके मुताबिक टूर्नामेंट का एलिमिनेटर और फाइनल मुकाबला वीक-डे पर खेला जाएगा. एलिमिनेटर मुकाबला 3 फरवरी को है, उस दिन मंगलवार है. वहीं फाइनल मैच 5 फरवरी को है और उस दिन गुरुवार है. इस बार ये टूर्नामेंट सिर्फ नवी मुंबई और वडोदरा में होगा.

डब्ल्यूपीएल 2026 में होंगे 2 डबल हेडर

28 दिनों तक चलने वाले इस डब्ल्यूपीएल सीजन में कुल 22 मैच खेले जाएंगे. दो डबल हेडर मुकाबलों को छोड़कर सभी मैच शाम को 7 बजे से खेले जाएंगे. नवी मुंबई का डीवाई पाटिल स्टेडियम शुरुआती राउंड और पहले दो डबल-हेडर मैचों की मेजबानी करेगा, जिसके बाद टूर्नामेंट का दूसरा भाग वडोदरा में खेला जाएगा. वडोदरा में ही प्लेऑफ और फाइनल मैच होगा.

डब्ल्यूपीएल 2026 का पूरा कार्यक्रम

9 जनवरी- मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, नवी मुंबई
10 जनवरी- यूपी वॉरियर्स बनाम गुजरात जायंट्स, नवी मुंबई
10 जनवरी- मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स, नवी मुंबई
11 जनवरी- दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जायंट्स, नवी मुंबई
12 जनवरी- रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम यूपी वॉरियर्स, नवी मुंबई
13 जनवरी- मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जायंट्स, नवी मुंबई
14 जनवरी- यूपी वॉरियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स, नवी मुंबई
15 जनवरी- मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वॉरियर्स, नवी मुंबई
16 जनवरी- रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम गुजरात जायंट्स, नवी मुंबई
17 जनवरी- यूपी वॉरियर्स बनाम मुंबई इंडियंस, नवी मुंबई
17 जनवरी- दिल्ली कैपिटल्सबनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, नवी मुंबई
19 जनवरी- गुजरात जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु,वडोदरा
20 जनवरी- दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस, वडोदरा
22 जनवरी- गुजरात जायंट्स बनाम यूपी वॉरियर्स, वडोदरा
24 जनवरी- रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम दिल्ली कैपिटल्स, वडोदरा
26 जनवरी- रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम मुंबई इंडियंस, वडोदरा
27 जनवरी- गुजरात जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स, वडोदरा
29 जनवरी- यूपी वॉरियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, वडोदरा
30 जनवरी- गुजरात जायंट्स बनाम मुंबई इंडियंस, वडोदरा
1 फरवरी- दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वॉरियर्स, वडोदरा
3 फरवरी- एलिमिनेटर, वडोदरा
5 फरवरी- फाइनल, वडोदरा

रोहित शर्मा के पास गोल्डन चांस

वनडे फॉर्मेट में 'सिक्सर किंग' बनने से चंद कदम दूर

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में उतरेंगे, जहां उनसे पास इतिहास रचने का मौका है। रोहित अगर इस सीरीज में 3 छक्के लगाते हैं, तो वह शाहिद अफरीदी को पछाड़कर 'सिक्सर किंग' बन जाएंगे। रोहित शर्मा ने साल 2007 से अब तक 276 वनडे मुकाबलों में 349 छक्के लगाए हैं। इस दौरान रोहित ने 49.22 की औसत के साथ 11,370 रन बनाए। रोहित के बल्ले से 33 शतक और 59 अर्धशतक निकले हैं। दूसरी ओर, शाहिद अफरीदी ने 398 वनडे मुकाबलों में 351 छक्के लगाए हैं। इस पाकिस्तानी खिलाड़ी ने 23.57 की औसत के साथ 8,064 रन जुटाए। इस दौरान उनके बल्ले से 6 शतक और 39 अर्धशतक निकले।

भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 30 नवंबर से 6 दिसंबर के बीच तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला मैच रांची में खेला जाएगा, जिसके बाद 3 दिसंबर को रायपुर में सीरीज का दूसरा मुकाबला आयोजित होगा। सीरीज का तीसरा मुकाबला विशाखापत्तनम में 6 दिसंबर को खेला जाएगा। रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे सीरीज में शानदार बल्लेबाजी की थी। इस दौरान उन्होंने पहले मैच में 8 रन, दूसरे मैच में 73 रन, जबकि तीसरे मुकाबले में 121 रन की नाबाद पारी खेली थी।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। शुभमन गिल गर्दन की चोट से रिकवरी कर रहे हैं। ऐसे में वह इस सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। उनके स्थान पर केएल राहुल को टीम की कमान सौंपी गई है। स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह को इस सीरीज से आराम दिया गया है। इस टीम में ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल को भी मौका दिया गया है। रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव भी सीरीज में शामिल हैं।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत की वनडे टीम

रोहित शर्मा, विराट कोहली, यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा, केएल राहुल, ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नितीश कुमार रेड्डी, ऋतुराज गायकवाड़, हर्षित राणा, ध्रुव जुरेल, प्रसिद्ध कृष्णा और अर्शदीप सिंह।

क्रिकेट जगत में मची सनसनीः

आईसीसी टूर्नामेंट के बीच इस क्रिकेटर ने की शर्मनाक हरकत

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट जगत से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। पापुआ न्यू गिनी के 30 वर्षीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर और विकेटकीपर-बल्लेबाज किपलीन डोरिगा को जर्सी की एक अदालत ने तीन साल कैद की सज़ा सुनाई है। डोरिगा को यह सज़ा एक महिला पर हमला करने और उनका फोन चुराने के आरोप में मिली है। यह घटना उस समय हुई जब डोरिगा आईसीसी वर्ल्ड कप चैलेंज लीग टूर्नामेंट के सिलसिले में जर्सी में अपनी राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

25 अगस्त 2025 को यह शर्मनाक घटना हुई। डोरिगा रात करीब ढाई बजे जर्सी के सेंट हेलियर स्थित हिलेरी स्ट्रीट पर अपने होटल वापस जा रहे थे। पुलिस के बयान के अनुसार डोरिगा ने एक महिला को देखा उन पर हमला किया (पंच मारकर गिरा दिया) और उनका मोबाइल फोन चुरा लिया। इस मामले की खबर मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए डोरिगा को उसी दिन हिरासत में ले लिया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफीः

आयुष म्हात्रे ने अपने ही हीरो रोहित शर्मा का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा, 18 साल की उम्र में रच डाला इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई के युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे भारतीय क्रिकेट के नए उभरते सितारे के रूप में तेजी से अपनी पहचान बना रहे हैं। 18 वर्षीय इस बल्लेबाज ने शुक्रवार 28 नवंबर 2025 को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 में अपने ही आदर्श रोहित शर्मा का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब वह सभी फॉर्मेट में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। यही नहीं, 18 साल और 135 दिन की उम्र में आयुष म्हात्रे वैभव सूर्यवंशी और विजय जोएल के बाद टी20 फॉर्मेट शतक बनाने वाले तीसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में विदर्भ के खिलाफ 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आयुष म्हात्रे ने आठ चौकों और इतने ही छक्कों की मदद से अपनी टीम को 13 गेंद बाकी रहते सात विकेट से जीत दिलाई। यह उनका सीनियर स्तर पर सिर्फ 9वां टी20 मुकाबला था। दाएं हाथ के बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने इस साल की शुरुआत में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल 2025 में टी20 फॉर्मेट में डेब्यू किया था। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने आयुष म्हात्रे को आईपीएल 2026 के लिए होने वाली नीलामी से पहले अक्टूबर में रिटेन भी कर लिया। इतनी कम उम्र में यह उपलब्धि उनके टैलेंट और मैच-मैच्योरिटी का बड़ा प्रमाण है। आयुष ने 18 साल और 135 दिन की उम्र में तीनों फॉर्मेट में शतक पूरा किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम था। रोहित शर्मा ने 19 साल और 339 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। रोहित शर्मा ने साल 2007 में मुंबई के लिए भारत का पहला टी20 शतक जड़ा था।

तीनों फॉर्मेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले शीर्ष पांच खिलाड़ी

18 साल 135 दिनः आयुष म्हात्रे
19 साल 339 दिनः रोहित शर्मा
20 साल 0 दिनः उनमुक्त चंद
20 साल 62 दिनः क्विंटन डिकॉक
20 साल 97 दिनः अहमद शहजाद

जुनियर हॉकीः

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शानदार अंदाज में शुरू किया अभियान

चेन्नई, एजेंसी। रोशन ने 16वें और 21वें मिनट में दो मैदानी गोल किए, जबकि दिलराज ने 25वें और 34वें मिनट में गोल दागे। इनके अलावा अजीत यादव ने 35वें, अनमोल एक्का ने 48वें और कप्तान रोहित ने 60वें मिनट में भारत के लिए गोल दागे। भारतीय पुरुष टीम ने जूनियर हॉकी विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत शानदार तरीके से की है। भारत ने चिली को शुक्रवार को 7-0 से हराया। भारत के लिए रोशन खुजुर और दिलराज सिंह ने दमदार प्रदर्शन किया।

रोशन ने 16वें और 21वें मिनट में दो मैदानी गोल किए, जबकि दिलराज ने 25वें और 34वें मिनट में गोल दागे। इनके अलावा अजीत यादव ने 35वें, अनमोल एक्का ने 48वें और कप्तान रोहित ने 60वें मिनट में भारत के लिए गोल दागे।

यूएस ने किया वीजा देने से इनकार

फीफा विश्व कप के फाइनल ड्रॉ का बॉयकॉट करेगा ईरान

तेहरान, एजेंसी। ईरान की फुटबॉल फेडरेशन 2026 फीफा वर्ल्ड कप के फाइनल ड्रॉ का बहिष्कार करेगी। यह ड्रॉ 5 दिसंबर को वॉशिंगटन डीसी में निर्धारित है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान प्रतिनिधिमंडल के कई प्रमुख सदस्यों को वीजा देने से इनकार कर दिया है। शुक्रवार को घोषणा करते हुए फेडरेशन के प्रवक्ता आमिर मेहदी अलावी ने आईआरआईबी टीवी को बताया कि यह फैसला आवश्यक पूछताछ, आंतरिक चर्चाओं और खेल एवं युवा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय से परामर्श के बाद लिया गया है।

उन्होंने अमेरिकी कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे खेल भावना के विपरीत बताया है। आमिर मेहदी अलावी ने स्पष्ट किया है उन्होंने फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो समेत उनके अधिकारियों को वीजा के मुद्दे के बारे में बता दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अलावी ने बताया है कि फीफा ने इस मामले को गंभीरता से लेने का वादा किया है। वीजा देने से इनकार करने के बाद फेडरेशन के अध्यक्ष समेत कई खास लोगों पर इसका असर पड़ा है। हालांकि, पुरुषों की नेशनल टीम के हेड कोच आमिर घालेनोई समेत चार सदस्यों को वीजा मिल गया है।

फीफा विश्व कप 2026 की शुरुआत 11 जून से होगी। फुटबॉल का यह महाकुंभ 19 जुलाई तक खेला जाएगा, जिसमें 48 टीमें हिस्सा लेने जा रही हैं। इन टीमों को चार-चार के 12 ग्रुप में बांटा जाएगा। इसे यूनाइटेड स्टेट्स, कनाडा और मेक्सिको मिलकर होस्ट करेंगे। ऐसा पहली बार है जब यह टूर्नामेंट तीन देशों में खेला जाएगा। ग्रुप स्टेज के बाद हर ग्रुप से टॉप दो टीमें, साथ ही आठ सबसे ऊंची रैंक वाली तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें, एक बड़े नॉकआउट फेज में जाएंगी, जिससे पिछले एडिशन की तुलना में एक बड़ा और ज्यादा कॉम्पिटिटिव एलिमिनेशन ब्रैकेट बनेगा। फीफा विश्व कप 2026 के लिए कुल 16 स्टेडियम चुने गए हैं। इनमें तीन वेन्यू मेक्सिको में, जबकि दो वेन्यू कनाडा में हैं। शेष 11 वेन्यू यूनाइटेड स्टेट्स में हैं। ईरान की टीम ने 2026 वर्ल्ड कप के लिए अपनी जगह बना ली है। यह फीफा विश्व कप में ईरान की लगातार चौथी मौजूदगी होगी। इस टीम ने कुल 7 बार इस विश्व कप में हिस्सा लिया है।

टी20 वर्ल्ड कप में भारत को हराना मेरे करियर का सबसे गर्व का पल थाः बाबर आजम

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज़ बाबर आज़म ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की सबसे यादगार उपलब्धि का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कप्तान के तौर पर भारत के खिलाफ टी200 वर्ल्ड कप 2021 में मिली ऐतिहासिक जीत उनके पेशेवर सफर का सबसे गर्व भरा पल है। यह वही मुकाबला था जिसने पाकिस्तान के विश्व कप इतिहास में पहली बार भारत के खिलाफ जीत दर्ज की थी। इस यादगार मैच ने न केवल बाबर के नेतृत्व को नई पहचान दी, बल्कि पाकिस्तान क्रिकेट की मनोवैज्ञानिक बाधा भी तोड़ी।

भारत के खिलाफ पहली वर्ल्ड कप जीतः बाबर आज़म ने केविन पीटरसन के शो द स्विच पर बातचीत में बताया कि 2021 टी20 वर्ल्ड कप की वह रात उनके करियर का निर्णायक पल थी। इससे पहले पाकिस्तान 12 वर्ल्ड कप मैचों में भारत को कभी नहीं हरा पाया था। दुबई में खेले गए इस मुकाबले में पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 10 विकेट से मात देकर नया इतिहास रचा। बाबर ने कहा कि कप्तान के रूप में भारत को हराना उनके लिए किसी भी ट्रॉफी जितने सम्मान का एहसास था।

टॉस जीतने के बाद पाकिस्तान ने पहले गेंदबाज़ी का फैसला किया और शाहीन अफरीदी की शानदार गेंदबाज़ी के दम पर भारत को 151 रन पर रोक दिया।

न्यूज बाइट्स

दो एनबी वारंटी गिरफ्तार, कासमा थाना टीम की सफलता

औरंगाबाद (एसवीवी.सं.)। जिले में पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। कासमा थाना की टीम ने दो एनबी (नॉन बेलबल) वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने अलग-अलग स्थलों पर छापेमारी की कार्रवाई की। पहली गिरफ्तारी ग्राम लोहारा से की गई, जबकि दूसरी गिरफ्तारी ग्राम खैरी से हुई। दोनों आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे और न्यायालय द्वारा जारी एनबी वारंट के बावजूद पुलिस कार्रवाई से बचते फिर रहे थे। थाना पुलिस द्वारा की गई सावधानीपूर्वक निगरानी और गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की रणनीति तैयार की गई। दोनों स्थानों पर अचानक पहुंचकर पुलिस टीम ने घेराबंदी की और दोनों वारंटियों को दबोच लिया। कासमा थाना सूत्रों का कहना है कि फरार अभियुक्तों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। थाने के लंबित वारंटों को निष्पादित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है, ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो सके। गिरफ्तार दोनों वारंटियों को विधि-सम्मत कार्रवाई के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

जिले में बैंक सुरक्षा के तहत चेकिंग अभियान

औरंगाबाद (एसवीवी.सं.)। सुरक्षा दृष्टिकोण से जिले भर में बैंक चेकिंग अभियान जारी है। इस दौरान पुलिस टीम ने बैंकों में लगे सी.सी.टी.वी कैमरों, बैंक लॉकर और अन्य सुरक्षा उपायों की सघन जांच की। अभियान का उद्देश्य बैंक सुरक्षा बढ़ाना और किसी भी प्रकार की संभावित घटना से बचाव करना बताया गया है। साथ ही, बैंक प्रशासन के साथ सामंजस्य स्थापित कर सुरक्षा प्रोटोकॉल को और मजबूत करने पर जोर दिया गया।

औरंगाबाद में जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक

किसानों को समय पर और उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने पर जोर

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले में रबी मौसम के दौरान किसानों को उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की समीक्षात्मक बैठक 29 नवंबर 2025 को आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी और सह-अध्यक्ष जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति, श्रीकान्त शास्त्री ने की। बैठक में बिहार विधान सभा औरंगाबाद के सदस्य त्रिविक्रम नारायण सिंह, रफीगंज के सदस्य प्रमोद सिंह और बिहार विधान परिषद के सदस्य दिलीप कुमार सिंह उपस्थित थे। साथ ही जिला कृषि पदाधिकारी और जिले के सभी थोक उर्वरक विक्रेता तथा विभिन्न कंपनियों के क्षेत्रीय पदाधिकारी भी बैठक में शामिल हुए। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि रबी मौसम के मुख्य समय में किसानों को उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराया जाए और इसके लिए जिला स्तर से थोक और खुदरा विक्रेताओं की निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि उर्वरक की कालाबाजारी, जमाखोरी, तस्करी और मुनाफाखोरी रोकने के लिए नियमित छापामारी की जाएगी। जिले में उर्वरक संबंधी शिकायतों का त्वरित समाधान करने और किसानों की समस्याओं को दूर करने के लिए जिला कृषि कार्यालय में उर्वरक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जिसका संपर्क नंबर 06186-469430 है।

जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि सभी खुदरा विक्रेताओं को अपने-अपने दुकानों पर उपलब्ध उर्वरक की मात्रा और मूल्य स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा और जिला उर्वरक नियंत्रण का नंबर भी सूचना पट पर लगाया जाएगा। इस कार्य की जिम्मेदारी संबंधित पंचायत के कृषि समन्वयक को दी गई है। बैठक में यह भी बताया गया कि जिले के रैक प्वाइंट कई कंपनियों का अभी भी सासाराम में होने के कारण खाद के परिवहन में अतिरिक्त भाड़ा लगता है। जिलाधिकारी ने जिला कृषि पदाधिकारी को अनुग्रह नारायण रोड के स्टेशन मास्टर से मिलकर रैक की उपलब्धता और वितरण का प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। रफीगंज विधायक प्रमोद सिंह ने कहा कि नैनो यूरिया किसानों की वास्तविक मांग के आधार पर ही दिया जाए और इसके प्रचार-प्रसार की व्यवस्था की जाए। इस पर जिले में 400 एकड़ में ड्रोन तकनीक द्वारा प्रत्यक्ष निरीक्षण किया जाएगा। बिहार विधान परिषद सदस्य सुशील सिंह ने सुझाव दिया कि खाद का आवंटन सभी प्रखंडों की मांग के अनुसार किया जाए। वहीं, त्रिविक्रम नारायण सिंह ने सभी प्रखंडों में सूचना पट स्थापित करने और प्रतिदिन उपलब्ध उर्वरक का स्टॉक नोटिस बोर्ड पर चिपकाने का निर्देश दिया ताकि किसानों को आसानी से यह पता चल सके कि कौन-सी खाद कहां उपलब्ध है। बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों और कंपनियों के क्षेत्रीय पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी और जिला कृषि पदाधिकारी के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। इससे जिले में रबी मौसम के दौरान किसानों को उर्वरक की आपूर्ति सुगमता से और समय पर सुनिश्चित हो सकेगी।

उर्वरक नियंत्रण कक्ष की स्थापना

जिले में उर्वरक संबंधित शिकायतों को तुरंत निदान करने के लिए जिला कृषि कार्यालय में एक उर्वरक नियंत्रण कक्ष का निर्माण किया गया है। किसानों के लिए संपर्क नंबर 06186-469430 जारी किया गया है।

चाय पीने सड़क पार कर रहा था, तेज रफ्तार कार ने रौंदा

यूपी में औरंगाबाद के कंटेनर चालक की हुई मौत, घर में पसरा मातम

- पुलिस ने कार में फंसे शवों को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला।
- अजीत की पहचान जेब से मिले कागजात के आधार पर की गई।

निज संवाददाता | अंबा (औरंगाबाद)

जिले के अंबा थाना क्षेत्र के हरदता गांव के युवा कंटेनर चालक की यूपी में भयावह सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मृतक की पहचान ओम उपाध्याय के 22 वर्षीय पुत्र अजीत कुमार उर्फ भोलू के रूप में हुई है। हादसे के बाद गांव में मातम छा गया है और परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब 7:30 बजे मिर्जापुर जिले के कटका गोदाम के पास एनएच-19 पर हादसा हुआ। कंटेनर दिल्ली से कोलकाता जा रहा था और सफर के दौरान अजीत कुमार और खलासी सरोज मेहता (निवासी सहार, रोहतास) ने सड़क किनारे वाहन खड़ा कर चाय पीने का फैसला किया। दोनों सड़क क्रॉस कर दुकान की ओर जा रहे थे कि अचानक एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार दोनों को रौंदते हुए सीधे कंटेनर में जा घुसी। मौके पर अफरातफरी मच गई। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक सभी की मौत हो चुकी थी। आखिरी बार छठ में घर आया था

अजीत कुमार का परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है। पिता ओम उपाध्याय फर्नीचर बनाने का काम करते हैं, जबकि बड़ा भाई गोलू पढ़ाई कर रहा है। घर की आर्थिक जिम्मेदारी मुख्य रूप से अजीत ही उठा रहा था। वह गाड़ी चलाकर परिवार के खर्च का प्रबंध करता था। परिजनों के अनुसार वह आखिरी बार छठ महापर्व पर घर आया था। अजीत की मौत की खबर मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजन और परिचित उसकी उम्र और परिस्थितियों को याद कर फूट-फूटकर रो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने सरकार और प्रशासन से मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की है।

जेब से मिले दस्तावेजों से हुई पहचान

मृतक अजीत कुमार की पहचान उसकी जेब से मिले कागजात के आधार पर की गई। वहीं खलासी सरोज मेहता की पहचान भी दस्तावेजों के आधार पर की गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिवारजन मिर्जापुर के लिए रवाना हो गए।

सरकारी कमरे से बियर बरामद, कोर्ट परिसर में ही किया गया गिरफ्तार

अवैध शराब मामले में एएसआई गिरफ्तार

निज संवाददाता | कुटुंबा (औरंगाबाद)

जिले में शराबबंदी कानून को लेकर पुलिस कार्रवाई के बीच एक बड़ा मामला सामने आया है। कुटुंबा थाना में तैनात एएसआई महेंद्र पासवान को अवैध शराब रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। शराब बरामदगी के बाद पुलिस ने उन्हें व्यवहार न्यायालय परिसर से ही हिरासत में ले लिया। पूरे मामले के सामने आने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को कुटुंबा थाना को गुप्त सूचना मिली थी कि एएसआई के सरकारी आवास में अवैध शराब छुपाकर रखी गई है। सूचना की पुष्टि के बाद थानाध्यक्ष इमरान आलम ने मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी। निर्देश मिलने पर ओडी पदाधिकारी मिक्कू कुमार की अगुवाई में पुलिस टीम एएसआई के बैरक स्थित कमरे पर पहुंची। उस समय कमरा बंद था, जिसके बाद ताला तोड़कर तलाशी ली गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने कमरे से 500 एमएल के छह कैन बियर बरामद किए। थानाध्यक्ष के लिखित आवेदन पर बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत एएसआई के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। इसके बाद पुलिस टीम कोर्ट पहुंची और आरोपी एएसआई को उस समय गिरफ्तार कर लिया गया जब वह मारपीट कांड के फरार आरोपियों को पकड़कर रिमांड की मांग के लिए अदालत आए थे। औपचारिक प्रक्रिया के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में एएसआई महेंद्र पासवान ने खुद को निर्दोष बताया है। उन्होंने दावा किया कि उनके कमरे के पीछे वाले दरवाजे की कुंडी लंबे समय से खराब थी। उनका कहना है कि इसी वजह से किसी ने साजिश के तहत कमरे में शराब रख दी और फिर सूचना पुलिस तक पहुंचा दी ताकि उन्हें फंसाया जा सके। हालांकि पुलिस इस दावे की स्वतंत्र रूप से जांच कर रही है। इस मामले में एसडीपीओ संजय कुमार पांडेय ने कहा कि कानून सभी के लिए समान है।

टाल गांव में रात्रि रक्त पट संग्रह अभियान की शुरुआत

फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर स्वास्थ्य विभाग सक्रिय, 600 लोगों की होगी जांच

निज संवाददाता | हसपुरा (औरंगाबाद)

हसपुरा प्रखंड के टाल गांव में फाइलेरिया रोग की जांच के लिए रात्रि रक्त पट संग्रह शिविर अभियान की शुरुआत शनिवार को हुई। हसपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. कुणाल कामख्या नारायण ने रिबन काटकर शिविर का उद्घाटन किया और ग्रामीणों को रोग से बचाव और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। पिरामल फाउंडेशन के कार्यक्रम पदाधिकारी अताउल्लाह खान ने बताया कि फाइलेरिया एक संक्रामक उष्णकटिबंधीय बीमारी है जो क्यूलेक्स मादा मच्छर के काटने से फैलती है। बीमारी लंबे समय तक रहने पर शरीर के अंगों — विशेष रूप से पैर, हाथ और जननांग में भारी सूजन का कारण बनती है, जिसे हाथीपांव (एलिफेंटियासिस) भी कहा जाता है। इससे स्थायी शारीरिक विकृति और विकलांगता तक हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार फाइलेरिया के परजीवी रात 8 बजे के बाद रक्त में सर्वाधिक सक्रिय रहते हैं, इसी कारण यह अभियान रात्रि में चलाया जा रहा है। इस रात्रि रक्त पट संग्रह अभियान के तहत हसपुरा प्रखंड के 600 लोगों के रक्त नमूने लिए जाएंगे, जिससे संक्रमण की वास्तविक स्थिति का पता लगाया जा सके और समय रहते नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके। अभियान को सफल बनाने के लिए टाल और इटवा गांव के आशा कार्यकर्ताओं को ग्रामीणों में जागरूकता फैलाने का निर्देश दिया गया है।

सरकारी प्रयास और दवा वितरण

सरकार प्रतिवर्ष 10 फरवरी को आशा कर्मियों के माध्यम से फाइलेरिया रोधी दवा वितरण कराती है। फाइलेरिया प्रभावित रोगियों को एमएमडीपी सेल्फ कीट उपलब्ध कराया जाता है। भारत सरकार ने इन रोगियों को दिव्यांगता श्रेणी में शामिल कर दिया है और ऐसे मरीजों को विकलांगता प्रमाणपत्र जारी किया जा रहा है।

50 हजार दहेज के लिए बहु की हुई थी हत्या

पति, सास और ससुर को सात साल सश्रम कारावास

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले में दहेज के लिए की गई हत्या के एक चर्चित मामले में अदालत ने कड़ा फैसला सुनाया है। व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश पंचम उमेश प्रसाद ने हसपुरा थाना कांड संख्या 279/23 में दोषी पाए गए पति, सास और ससुर को सात-सात वर्ष के सश्रम कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है। फैसले को दहेज प्रथा के विरुद्ध एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है। अभियोजन पक्ष की ओर से एपीपी शिवपूजन प्रजापति ने बताया कि दोषियों में पति विकास कुमार, ससुर योगेन्द्र राजवंशी और सास जोक्खन देवी शामिल हैं। अदालत ने दोषियों को भादंवि धारा 304बी के तहत सात वर्ष की कैद और पांच हजार रुपये जुर्माना, धारा 120B के तहत सात वर्ष की कैद और पांच हजार रुपये जुर्माना तथा धारा 201 के तहत दो वर्ष की कैद और एक हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। इसके अलावा दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत छह महीने की कैद और एक हजार रुपये जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना अदा नहीं करने पर आरोपियों को अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। यह मामला समाज में दहेज प्रथा की क्रूरता का प्रत्यक्ष उदाहरण है। सूचक नंद राजवंशी, निवासी कदवरी, चेचाडी थाना ओबरा द्वारा 10 अक्टूबर 2023 को दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, उनकी पुत्री प्रियंका कुमारी की शादी विकास कुमार से हुई थी। शादी के कुछ महीनों बाद ही ससुराल पक्ष द्वारा 50 हजार रुपये दहेज की मांग शुरू कर दी गई। मांग पूरी नहीं होने पर मृतका को लगातार प्रताड़ित किया जाता रहा। प्राथमिकी के अनुसार, 07 अक्टूबर 2023 को प्रियंका की हत्या कर दी गई और सबूत मिटाने के उद्देश्य से शव को छुपाकर अंत्येष्टि की कोशिश की गई।

घटना के बाद मृतका के ससुराल वाले घर छोड़कर फरार हो गए थे। पुलिस जांच के दौरान पति को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया, जबकि ससुर और सास को न्यायिक प्रक्रिया के बाद दोषी ठहराया गया। अदालत ने 25 नवंबर 2025 को तीनों को दोषी घोषित किया था, जिसके बाद मंगलवार को सजा के बिंदु पर सुनवाई कर अंतिम निर्णय सुनाया गया। दहेज के नाम पर हुई इस क्रूर हत्या ने मृतका के परिवार को झकझोर कर रख दिया है। अदालत का यह निर्णय न्याय की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है और इसे समाज में दहेज प्रथा के खिलाफ एक कड़ा संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

साव बिगहा में नवसृजित प्राथमिक विद्यालय का हुआ उद्घाटन

निज संवाददाता | गोह(औरंगाबाद)

गोह प्रखंड की मलहद पंचायत के ग्राम साव बिगहा में शनिवार को नवसृजित प्राथमिक विद्यालय का भव्य उद्घाटन किया गया।यह नया विद्यालय क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।विद्यालय का उद्घाटन फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ) अशोक कुमार सिंह और जिला परिषद प्रतिनिधि श्याम सुंदर मौजूद रहे। उद्घाटन समारोह में बीईओ अशोक कुमार सिंह ने कहा, 'साव बिगहा में इस नए विद्यालय की स्थापना से आसपास के बच्चों को अब लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। हम सुनिश्चित करेंगे कि यहाँ बेहतर शैक्षणिक माहौल और सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध हों।'जिला परिषद प्रतिनिधि श्याम सुंदर ने इस पहल पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज के विकास का आधार है।

सीजेएम की बैठक में लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण पर चर्चा

राष्ट्रीय लोक अदालत में वादों के निस्तारण में थानाध्यक्षों की अहम भूमिका : सीजेएम

एसवीवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी लाल बिहारी पासवान की अध्यक्षता में शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रकोष्ठ में सभी थानाध्यक्षों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव तान्या पटेल, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संदीप सिंह और न्यायिक दंडाधिकारी राजीव कुमार भी उपस्थित रहे। बैठक में सीजेएम ने आगामी 13 दिसंबर को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लंबित वादों की पहचान करें और लोगों को लोक अदालत में निस्तारण के लिए जागरूक करें। अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संदीप सिंह ने कहा कि प्राधिकरण ने विभिन्न न्यायालयों में लंबित सुलहनीय वादों की थानावार सूची तैयार कर भेजी है। थानाध्यक्षों की भूमिका इन मामलों में पक्षकारों से संपर्क स्थापित करना और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से उन्हें प्रोत्साहित करना है।

डीएलएसए की सचिव ने निर्देश दिए कि यदि किसी मामले में काउंसलिंग की आवश्यकता हो तो पक्षकारों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण या संबंधित न्यायालय में भेजा जाए। साथ ही, थानाध्यक्ष सुनिश्चित करें कि लोक अदा3लत के नोटिस सभी पक्षकारों तक पहुंचें और नोटिस पर उनके नाम व संपर्क संख्या अंकित हों। थानाध्यक्षों को यह भी कहा गया कि यदि पक्षकार उनके थाना क्षेत्र से बाहर रहता हो तो संबंधित थाना से संपर्क स्थापित कर सूचित किया जाए। इसके अलावा, स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी बैठक में शामिल कर अपने क्षेत्रों में लोक अदालत के प्रति जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए गए।

पुलिस कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन

अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं होगा : एसपी

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जनता की शिकायतों को सीधे सुनने और त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शनिवार को पुलिस कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार की अध्यक्षता पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय-1) ने की। इस दौरान जिले के विभिन्न थानों के शिकायतकर्ता उपस्थित हुए और अपनी समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। दरबार में भूमि विवाद, पारिवारिक कलह, लंबित प्राथमिकी, वारंट निष्पादन, पड़ोसी विवाद, मारपीट और धमकी से जुड़े मामलों की संख्या अधिक रही। पुलिस अधिकारियों ने प्रत्येक आवेदन को बारी-बारी से सुना और त्वरित कार्रवाई के लिए संबंधित थानों को स्पष्ट निर्देश जारी किए। डीएसपी ने कहा कि जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य लोगों की समस्याओं को पुलिस प्रशासन से सीधे जोड़ना और समाधान की गति को तेज करना है। किसी भी मामले में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए, इसके लिए सभी थानाध्यक्षों को सख्त हिदायत दी गई है।

जनता दरबार के दौरान कई शिकायतें मौके पर ही निपटा दी गईं। वहीं जिन मामलों में विवेचना अथवा तकनीकी जांच आवश्यक है, उन्हें प्राथमिकता सूची में शामिल किया गया है और निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि अगले जनता दरबार से पहले अधिकतम मामलों का निष्पादन कर लिया जाएगा। स्थानीय लोगों ने जनता दरबार की पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इससे उन्हें अपनी बात सीधे पुलिस अधिकारियों के सामने रखने का अवसर मिलता है, जिससे न्याय की प्रक्रिया नजदीक और आसान हो जाती है। लोगों ने उम्मीद जताई कि ऐसे कार्यक्रम आगे भी नियमित रूप से आयोजित होते रहेंगे।

पीएनबी शाखा का डिजिटलीकरण

- ग्रामीणों के लिए अब बैंकिंग सेवाएं होंगी और भी आसान

निज संवाददाता | हसपुरा (औरंगाबाद)

हसपुरा प्रखंड अंतर्गत पचरूखिया बाजार स्थित पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) शाखा को शनिवार दोपहर पूर्ण रूप से डिजिटलीकृत कर दिया गया। इस अवसर पर मण्डल प्रमुख प्रवीण कुमार, उप मण्डल प्रमुख धर्मेंद्र कुमार ब्रह्मचारी, धीरेंद्र कुमार, उदय कुमार, कृष्णा सिंह, नवल किशोर सिंह, अंजित कुमार और सत्यम रंजन ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर उद्घाटन किया। मण्डल प्रमुख प्रवीण कुमार ने कहा कि डिजिटलीकरण के बाद शाखा में सभी बैंकिंग सेवाएं डिजिटल माध्यम से उपलब्ध होंगी। अलग-अलग काउंटर की व्यवस्था की गई है ताकि ग्राहकों को कोई कठिनाई न हो और हर तरह की बैंकिंग सुविधाओं का लाभ आसानी से मिल सके। बैंकिंग सेक्टर में उत्कृष्ट सेवा और ग्राहकों को बेहतर सुविधा प्रदान करने वाले श्यामकिशोर सिंह, नन्दकिशोर शर्मा, सचिन कुमार, सूर्यवंश शर्मा और प्रवीण कुमार शर्मा को बैंककर्मियों द्वारा सम्मानित किया गया। बैंक से जुड़े बैंकमित्र सोनी कुमारी, सलीमा रानी, संगीता कुमारी, प्रिया कुमारी, कुसुम कुमारी सहित दर्जनों ग्रामीण इस अवसर पर उपस्थित रहे।

युवक ने महिला को अपना रक्त देकर बचाई जान

निज संवाददाता | हसपुरा(औरंगाबाद)

हसपुरा क्षेत्र के युवाओं में मानो तो रक्तदान को लेकर एक जुनून पैदा हो गई है। चाहे परिस्थिति कैसी भी हो या कहीं भी जाकर रक्तदान करना हो,क्षेत्र के युवा बेहिचक निस्वार्थ भाव से रक्तदान कर रहें हैं। शनिवार को हसपुरा प्रखंड के महुआड़ गांव के एक गर्भवती महिला को अधिक रक्तस्राव होने के कारण शरीर में मात्र 6 ग्राम हीमोग्लोबिन था।

परिजन परेशान और चिंतित थें। इन्होंने डॉ.निशांत कुमार गुड्डू के माध्यम से रक्तवीर योद्धा जिला स्तरीय कमिटी से संपर्क कर एक यूनिट ब्लड जुगाड़ करने का आग्रह किया। कमिटी के युवा रक्तवीर हसपुरा नरसन मोड़ निवासी रवि कुमार ने स्वेक्षापूर्वक अपना रक्तदान कर महिला का जान बचाने का पुनीत कार्य किया।कमिटी के अध्यक्ष राजू भारती,सचिव अनीश केसरी, निशांत यादव,छोटू कुमार,रजत गुप्ता सहित अन्य लोग उपस्थित थें।

गैस की कालाबाजारी से जनता त्रस्त, अधिक मूल्य पर खरीदने को मजबूर

निज संवाददाता | हसपुरा(औरंगाबाद)

हसपुरा क्षेत्र में गैस सिलेंडर की कालाबाजारी धड़ल्ले से चल रही हैं,जिससे उपभोक्ताओं को अधिक मूल्य देकर ब्लैक में गैस सिलेंडर खरीदना पड़ रहा है। गौरतलब है कि हसपुरा बाजार के श्री भास्कर नगर एवं बाजार में अधिकतर गैस का कनेक्शन अरवल जिला के रामपुर चाय के पास स्थित बाला विगहा गांव के रघुनी शिवाजी भारत गैस एजेंसी का है। ग्रामीणों ने बताया कि इस एजेंसी का सर्विस सही नहीं है। पहले हसपुरा बाजार में महीने में दो बार उनकी गाड़ी आती थी, परंतु 3 महीने से सर्विस बंद है। उपभोक्ताओं ने आरोप लगाते हुए बताया कि जब भी एजेंसी में फोन करते हैं तो बताया जाता है कि गैस सिलेंडर अभी उपलब्ध नहीं है। लेकिन बाजार में अधिक मूल्य पर गैस सिलेंडर हर समय उपलब्ध है। बैजनाथ प्रसाद,धर्मेंद्र चौधरी, राजू कुमार, मुन्ना राम, मिरू आलम, तेतरी देवी, सरिता देवी सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि सरकार एक तरफ गरीबों के उत्थान के लिए कई तरह की सरकारी योजनाएं चला रही है। लेकिन गैस की कालाबाजारी होने से हमें दोहरी मार झेलनी पड़ रही है।

एक तो जहां गैस की एजेंसी कीमत 950 रुपया प्रति सिलेंडर है,वहीं बाजार में 1100 रूपये प्रति सिलेंडर खरीदना पड़ रहा है। इसके बाद एजेंसी से ना लेने के कारण सब्सिडी गायब। बताया कि उर्मिला गैस एजेंसी दाऊदनगर की सर्विस प्रतिदिन हसपुरा बाजार में मिलती है।

हसपुरा के डिंडिर गांव में स्टेडियम निर्माण कार्य शुरू

युवाओं और खिलाड़ियों में खुशी, क्षेत्रीय खेल प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच

निज संवाददाता | हसपुरा (औरंगाबाद)

हसपुरा प्रखंड के डिंडिर गांव में क्षेत्र के युवाओं और खिलाड़ियों के लिए स्टेडियम निर्माण कार्य शुरू हो गया है। लंबे समय से इस स्टेडियम की मांग की जा रही थी और निर्माण की खबर सुनते ही खेल प्रेमियों और युवाओं में खुशी का माहौल है। इस आउटडोर स्टेडियम में लगभग 25 से 30 हजार दर्शकों के बैठने की व्यवस्था होगी। स्टेडियम की गैलरी की ऊँचाई 10 फीट, चौड़ाई 310 फीट और लंबाई 370 फीट होगी। दोनों तरफ से सड़क मार्ग उपलब्ध कराया जाएगा। स्टेडियम निर्माण के लिए डिंडिर पंचायत के पैक्स अध्यक्ष और समाजसेवी संजित कुमार शर्मा पिछले पांच वर्षों से खेल मंत्रालय और संबंधित विभाग से प्रयासरत थे। उन्होंने बताया कि यह स्टेडियम मुख्यमंत्री खेल विकास योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2017-18 में स्वीकृत हुआ था। स्थानीय खिलाड़ियों को अब अपनी प्रतिभा दिखाने और क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

स्टेडियम बनने के बाद प्रखंड स्तरीय खेल आयोजन इसी मैदान में आयोजित किए जाएंगे। संजीत कुमार शर्मा ने कहा कि क्षेत्र के युवाओं में खेल प्रतिभा की कमी नहीं है।